शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चन्द्रशेखर ने सीधे तौर पर कुमारस्वामी की आलोचना नहीं की : सीएम@ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 30 सितंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-271

कश्मीरी पंडितों के नरसंहार की मौन मंजूरी देने वाले नेताओं की असलियत

आतंकवादी हिज्बुल्लाह कमांडर के मारे जाने पर पीट रहे छाती

श्रीनगर, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतवर्ष के नेताओं की प्रदूषित नस्लें दुनिया में और कहीं नहीं मिलतीं। अपने ही देश के टुकड़े करने का षडयंत्र करना, अपने धर्म के नाम पर देश को बेचने के लिए हर समय उद्धत रहना और दुश्मन देश के साथ प्रेम के पेंग लगाना भारतवर्ष के नेताओं की खासियत है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की राष्ट्रविरोधी हरकतें देश के लोग लगातार देख ही रहे हैं। अब जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की ताजा हरकत देखिए।

खूंखार और कुख्यात आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह के शीर्ष कमांडर हसन नसरल्लाह की मौत पर महबूबा मुफ्ती इतना दुखी हो गई कि उन्होंने चुनाव प्रचार का काम छोड़ दिया और तकलीफ में डूबी हुई कोप-भवन में चली गई। किसी भारतीय महापुरुष की मौत पर लोगों ने महबूबा मुफ्ती को इतना दुखी होते हुए कभी नहीं देखा, जितना वे एक आतंकवादी संगठन के कमांडर की मौत पर दुखी हुई। आतंकवादी हसन नसरल्लाह की मौत पर दुखी होने वाली महबूबा मुफ्ती कश्मीरी पंडितों पर हुई हिंसा और बांग्लादेश में हिंदुओं पर होने वाले बर्बर हमलों से दुखी नहीं होती। उस समय मुफ्ती का राजनीतिक अभियान जारी रहता है और बांग्लादेशी हिंदुओं की मौत पर वे शातिराना तरीके से चुप्पी भी साधे रहती है।

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने हिज्बुल्लाह कमांडर नसरल्लाह की मौत पर शोक जताते हुए अपना चुनाव प्रचार स्थगित कर दिया और कहा कि यह समय घोर दुख और संवेदना का है, न कि राजनीति का। महबूबा मुफ्ती ने नसरल्लाह की मौत को बलिदान करार दिया। महबूबा मुफ्ती का चुनाव प्रचार स्थगित करना और कट्टरपंथी गुटों की प्रतिक्रियाएं इस बात का संकेत है कि नसरल्लाह की मौत के मामले में भी भारत के भीतर नकारात्मक माहौल बनाने की कोशिशें हो रही हैं। तभी तो विधानसभा चुनाव के दरम्यान एक बार फिर जम्मू कश्मीर के युवकों को भड़काया गया और नसरल्लाह की फोटो लेकर श्रीनगर में

▶10 पर

नसरल्लाह के बाद हिज्बुल्लाह कमांडर नबील काऊक भी मारा गया

तेल अवीव, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

इज़राइली सेना ने रविवार को कहा कि उसने हिजबुल्लाह कमांडर नबील काऊक को मार गिराया है। हालांकि नबील काऊक की मौत की पुष्टि हिजबुल्ला ने अब तक नहीं की है, जबकि काऊक के समर्थक शनिवार से ही काऊक की मौत का शोक संदेश पोस्ट कर रहे हैं। इज़राइली सेना ने रविवार को कहा कि उसने हिजबुल्लाह कमांडर नबील काऊक को मार गिराया है। नबील काऊक का खात्मा हिजबुल्ला के प्रमुख हसन नसरल्ला के शुक्रवार को इज़राइली सेना की तरफ से किए गए बड़े हमले में मारे जाने के एक दिन बाद हुआ है। नबील काऊक हिजबुल्ला की केंद्रीय परिषद के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत था। इज़राइली सेना की तरफ से जारी संदेश के अनुसार हिजबुल्ला की निवारक सुरक्षा इकाई के कमांडर और उनकी कार्यकारी परिषद के सदस्य, नबील काऊक को

▶10 पर

संयुक्त राष्ट्र के मंच से जयशंकर ने बताया मोदी सरकार का लक्ष्य

अब भारत को पीओके वापस लेना है

न्यूयॉर्क, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूरी दुनिया के समक्ष यह स्पष्ट कर दिया कि भारत सरकार का अगला लक्ष्य पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) वापस लेना है। भारत के विदेश मंत्री ने आतंकवाद को पालने-पोसने वाली पाकिस्तान की बेजा नीति की संयुक्त राष्ट्र के मंच से धज्यां उड़ाईं और कहा कि पाकिस्तान अपने कर्मों का फल भुगत रहा है। जयशंकर ने कहा, पाकिस्तान से भारत में बोए जा रहे आतंकवाद का एक ही इलाज है, पीओके वापस लेना। भारत सरकार का अब यह लक्ष्य है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत में फिर से शामिल हो।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मसला उठाने के बाद भारत ने करारा जवाब दिया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की प्रतिनिधि भाविका मंगलनंदन ने पाकिस्तान को उसको हैसियत याद दिला दी थी। अब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चेतावनी देते हुए कहा कि अब दोनों देशों के बीच सुलझाया जाने वाला मुद्दा केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीअ-ोके) को वापस लेना है।

पाकिस्तान अपने कर्मों का फल भुगत रहा है

अमेरिका के न्यूयॉर्क में 79वें संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा, हमने कल इसी मंच से कुछ विचित्र बातें सुनीं। मैं भारत की स्थिति को स्पष्ट कर दूं कि पाकिस्तान की सीमा पार आतंकवाद की नीति कभी सफल नहीं होगी और उसे दंड से बचने की कोई उम्मीद भी नहीं करनी चाहिए। इसके विपरीत, कार्रवाई के निश्चित रूप से परिणाम होंगे। एस जयशंकर ने कश्मीर नीति और आतंकवाद को लेकर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए कहा, हमारे बीच सुलझाया जाने वाला मुद्दा केवल पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना और आतंकवाद के साथ पाकिस्तान के लंबे समय से चले आ रहे लगाव को त्यागना है।

पाकिस्तान की अपनी धरती पर आतंकवादियों को पनाह देने की नीति के बारे में जयशंकर ने कहा, कई देश अपने नियंत्रण से परे की परिस्थितियों के कारण पीछे छूट जाते हैं, लेकिन कुछ देश जानबूझकर ऐसे फैसले लेते हैं जिनके परिणाम विनाशकारी होते हैं। इसका एक बेहतरीन उदाहरण हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान है। दुर्भाग्य से, उनके कुकृत्यों का असर दूसरों पर भी पड़ता है, खासकर पड़ोस पर। जब राजनीति अपने लोगों में इस तरह की कट्टरता भरती है तो इसकी जीडीपी को सिर्फ कट्टरपंथ और आतंकवाद के निर्यात के रूप में मापा जा सकता है। आज हम देखते हैं कि दूसरों पर जो बुराइयां लाने की कोशिश की गई थीं, वे उसके अपने समाज को निगल रही हैं। यह दुनिया को दोष नहीं दे सकते। यह केवल उनका कर्म है, जिसका फल वे भुगत रहे हैं। इससे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीर में भारत सरकार की

▶10 पर

मन की बात में प्रधानमंत्री मोदी ने की वतन की बात

अमेरिका से वापस मिली कलाकृतियां यात्रा की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में अपनी अमेरिका यात्रा का जिक्र किया और उस यात्रा की खास उपलब्धि को रेखांकित किया। 300 से अधिक प्राचीन भारतीय कलाकृतियों को अमेरिका द्वारा वापस दिए जाने को प्रधानमंत्री अपनी अमेरिका यात्रा की खास उपलब्धि मानते हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका की मेरी यात्रा के दौरान अमेरिकी सरकार ने भारत को करीब 300 प्राचीन कलाकृतियों को वापस लौटाया है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पूरा अपनापन दिखाते हुए अपने निजी आवास में इनमें से कुछ कलाकृतियों को मुझे दिखाया। लौटाई गईं कलाकृतियां टेराकोटा, पत्थर, हाथी के दांत, लकड़ी, तांबा और कांसे जैसी चीजों से बनी हुई हैं। इनमें से कई तो चार हजार साल पुरानी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, चार हजार साल पुरानी कलाकृतियों से लेकर 19वीं सदी तक की कलाकृतियों को अमेरिका ने वापस किया है। इनमें फूलदान, देवी-देवताओं की टेराकोटा पट्टिकाएं, जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाओं के अलावा भगवान बुद्ध और भगवान श्री कृष्ण की मूर्तियां भी शामिल हैं। लौटाई गईं चीजों में पशुओं की कई आकृतियां भी हैं। पुरुष और महिलाओं की आकृतियों वाली जम्मू-कश्मीर की टेराकोटा टाइल्स तो बेहद ही दिलचस्प हैं। इनमें कांसे से

मनकी बात के 10 साल पूरा होने पर भावुक हुए पीएम मोदी

बनी भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमाएं भी हैं, जो दक्षिण भारत की हैं। वापस की गई चीजों में बड़ी संख्या में भगवान विष्णु की तस्वीरें भी हैं। ये मुख्य रूप से उत्तर और दक्षिण भारत से जुड़ी हैं। इनमें से बहुत सी कलाकृतियों को तस्करी और दूसरे अवैध तरीकों से देश के बाहर ले जाया गया था। यह गंभीर अपराध है, एक तरह से यह अपनी विरासत को खत्म करने जैसा है, लेकिन मुझे इस बात की बहुत खुशी है, कि पिछले एक दशक में ऐसी कई कलाकृतियां और हमारी बहुत सारी प्राचीन धरोहरों की घर वापसी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आकाशवाणी और दूरदर्शन पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात के 114 वे एपिसोड में कहा, मन की बात की हमारी इस यात्रा को 10 साल पूरे हो रहे हैं।

▶10 पर

कनाडा में महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा का अपमान

हमास समर्थकों ने लगाया फिलिस्तीन का झंडा

ब्रैम्पटन, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

कनाडा के ब्रैम्पटन प्रांत में मुंह बांधे कुछ फिलिस्तीनी उपद्रवियों ने महाराजा रणजीत सिंह की मूर्ति पर तोड़फोड़ करने की कोशिश की। उन्होंने महाराजा की प्रतिमा पर फिलिस्तीन का झंडा तक लगा दिया। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो को कनाडा के एक पत्रकार ने शेयर किया है। पत्रकार ने उपद्रवियों को जेहादी कहकर संबोधित किया है। वायरल हो रहा यह वीडियो करीब 37 सेकेंड का है। इसमें महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा के प्लेटफॉर्म पर चढ़कर 2 आरोपी उनके घोड़े पर फिलिस्तीन का झंडा लगाते दिख रहे हैं। दोनों उपद्रवियों ने चेहरे पर नकाब बांध रखा है। वहीं, नीचे कई व्यक्ति खड़े हैं। वीडियो में एक व्यक्ति महाराजा रणजीत सिंह के घोड़े पर कपड़ा बांधता हुआ नजर आ रहा है। इस घटना का कई लोगों ने वीडियो बनाया है।

▶10 पर

हरियाणा के सोनीपत में बोले असम के मुख्यमंत्री

हमें डॉक्टर इंजीनियर चाहिए मुल्ला नहीं : सरमा

सोनीपत, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

असम में 600 मदरसे बंद किए, बाकी भी करेंगे

हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच रविवार को सोनीपत पहुंचे असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि कांग्रेस ने देश के कोने-कोने में छोटे-मोटे बाबर पाल रखे हैं। हमें ऐसा करना है, जैसा अयोध्या में बाबर राज खत्म हुआ, राम राज शुरू हुआ। इस देश में अभी भी छोटे-मोटे बाबर घूम रहे हैं, सबको धक्का दे देकर हमें इस देश से निकालना है। उन्होंने कहा-राहुल गांधी हमारे असम में आए थे। मुझसे पूछ रहे थे कि आपने 600 मदरसा बंद कर दिया, आगे आपका क्या इरादा है? मैंने राहुल गांधी को बोला, अभी तो 600 बंद किया है, आगे जाकर सबको बंद कर दूंगा।

▶10 पर

अग्निवीर योजना को लेकर अमित शाह का कांग्रेस पर हमला

राहुल गांधी झूठ बोलने की मशीन : शाह

गुरुग्राम, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के गुरुग्राम की बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र में गृहमंत्री अमित शाह ने एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। साथ ही वक्फ बोर्ड कानून को लेकर भी बड़ी बात कही। चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि वक्फ बोर्ड कानून से बहुत सारी परेशानी है, इस कानून को शीतकालीन सत्र में सुधार कर इसे सीधा करने का काम करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधीकांग्रेस की तीन पीढ़ियों ने सेना का सम्मान नहीं किया। वन रैंक-वन पेंशन की मांग को पूरा नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वन रैंक-वन पेंशन की मांग को पूरा किया। वन रैंक-वन पेंशन का तीसरा वर्जन भी पीएम मोदी ने लागू कर दिया है। अब नई तनख्वाह के साथ पेंशन मिलेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति में अंधी हो चुकी है। उसे पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे अच्छे लग रहे हैं।

कांग्रेस की तीन पीढ़ियों ने सेना का सम्मान नहीं किया

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के मंचों पर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे हैं। राहुल बाबा इस बारे में मौन हैं। कहते हैं कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 फिर से लागू करेंगे। केंद्र सरकार ने वहां के लोगों के साथ अन्याय किया है। अमित शाह ने कहा कि वह राहुल बाबा व कांग्रेस से कहना चाहते हैं कि जब तक केंद्र में मोदी की सरकार है

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

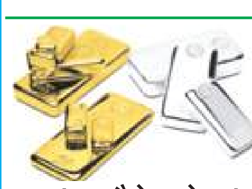

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,990/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,640/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^{0}

न्यूनतम : 22^{0}

एक देश एक चुनाव लागू करने की चल रही तैयारियां

तीन संशोधन विधेयक लाने की तैयारी में केंद्र

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस महीने की शुरुआत में उच्च स्तरीय पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कमेटी की वन नेशन-वन इलेक्शन सिफारिशों को मंजूरी दी। सरकार अब अपनी इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए संविधान में संशोधन करने की तैयारी कर रही है। सरकार वन नेशन-वन इलेक्शन को लागू करने के लिए संविधान में संशोधन करने वाले दो विधेयकों समेत तीन विधेयकों को लाने की तैयारी में है। प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयकों में से एक स्थानीय निकायों के चुनावों को लोकसभा और विधानसभाओं के साथ सरेखित करने से संबंधित है। जिसके लिए कम से कम 50 प्रतिशत राज्यों की सहमति की जरूरत होगी। सूत्रों की ओर से कहा गया है कि, प्रस्तावित पहला संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने को लेकर होगा। उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों का हवाला देते हुए सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित विधेयक में अनुच्छेद 82ए में संशोधन करने की कोशिश की जाएगी। जिसमें नियत तिथि से संबंधित उप-खंड (1) जोड़ा जाएगा। इसमें अनुच्छेद 82ए में उप-खंड (2) जोड़ने की भी कोशिश की जाएगी। जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल के अंत से संबंधित है।

इस संविधान संशोधन में अनुच्छेद 83(2) में संशोधन करने तथा लोकसभा की अवधि और विघटन से संबंधित नए उप-खंड (3) और (4) सम्मिलित करने का भी प्रस्ताव है। इसमें

संविधान में करने होंगे 18 बदलाव

विधानसभाओं के विघटन से संबंधित प्रावधान भी शामिल किए गए हैं तथा अनुच्छेद 327 में संशोधन करके एक साथ चुनाव शब्द सम्मिलित करने का प्रावधान किया जा सकता है। सिफारिश में कहा गया है कि इस विधेयक को 50 प्रतिशत राज्यों के समर्थन की आवश्यकता नहीं होगी। प्रस्तावित दूसरे संविधान संशोधन विधेयक को कम से कम 50 प्रतिशत राज्य विधानसभाओं के समर्थन की आवश्यकता होगी क्योंकि यह राज्य मामलों से संबंधित है। इस विधेयक के जरिए स्थानीय निकायों के चुनावों को लेकर मतदाता सूची तैयार की जाएगी। जिसके लिए चुनाव आयोग (ईसी) को राज्य चुनाव आयोगों (एसईसी) के साथ परामर्श करना होगा। जिसके बाद ईसी इन चुनावों को लेकर मतदाता सूची तैयार करेगा। संवैधानिक रूप से चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोग अलग-अलग निकाय हैं। चुनाव आयोग राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं और राज्य विधान परिषदों के लिए चुनाव कराता है, जबकि एसईसी को नगर पालिकाओं और पंचायतों जैसे स्थानीय निकायों के लिए चुनाव कराने का अधिकार है। प्रस्तावित दूसरा संविधान संशोधन विधेयक में एक नया अनुच्छेद 324ए जोड़कर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के साथ-साथ नगर पालिकाओं और पंचायतों के एक साथ चुनाव कराने का प्रावधान किया जाएगा।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

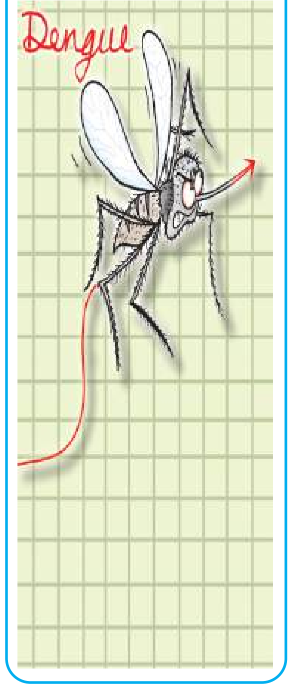

समाज व राष्ट्र के प्रति साधु-संतों का योगदान अद्वितीय: आचार्य

मुमुक्षु खुशी जीरावला का वर्षीदान वरघोड़ा सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में आयोजित मुमुक्षु खुशी जीरावला की वर्षीदान शोभायात्रा के समापन पर प्रवचन के दौरान आचार्य श्री ने दीक्षा लेने वालों के सामाजिक योगदान के पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा दीक्षा-स्व उपकार या परोपकार आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले पांच वर्षों में करीब दो हजार से ज्यादा प्रतिभाशाली लोगों ने अपना सांसारिक जीवन छोड़ जैन दीक्षा अंगीकार की है।

मुख्यतः व्यवसाय क्षेत्र से जुड़ा जैन संप्रदाय अल्पसंख्यक होने के बावजूद देश के अर्थतंत्र में एक अहम योगदान देता है। ऐसे परिप्रेक्ष्य में जब सुशिक्षित युवा, घर - परिवार - व्यापार को छोड़ यदि दीक्षा लेते हैं तो आम जन मानस में यह सवाल उठना लाजमी है के वे समाज के बीच रहकर राष्ट्र-निर्माण या समाज उपयोगी कार्यों को छोड मात्र स्वयं की साधना तक क्यों सीमित रह जाते है? इस सवाल का जवाब समझना हो तो पहले हमें दीक्षा के सच्चे स्वरूप और वास्तविक आस्था को समझना पड़ेगा। जैन शास्त्रों में दीक्षा की व्याख्या अनेक पहलुओं से की गई है। उनमें से एक है कि दीक्षा याने तमाम जीव सृष्टि के साथ आत्मिक नाता जोड़ना और मात्र सामाजिक कर्तव्य के दायरे से मुक्त होकर आत्मिक कर्तव्यों का स्वीकार। इस दृष्टि से देखा जाएं तो एक मुनि का कार्यक्षेत्र मात्र समाज तक सीमित न रहकर समस्त जीवसृष्टि चाहे फिर वह मानव हो, पशु पंखी हो, या कोई भी जीवजंतु हो - सभी के प्रति आत्मिक कर्तव्य होने से और व्यापक बन जाता है। जिस प्रकार भविष्य में समाज को उपयोगी होने वाला विद्यार्थी उच्च अभ्यास हेतु अपने घर परिवार से दूर विदेश चला जाता है, एक सैनिक देश की सुरक्षा के लिए समाज-गाँव से दूर रहता है फिर भी बड़ी जिम्मेदारी निभाने के कारण उसे कोई अनुचित नहीं ठहराता।

उसी प्रकार एक साधु जीव सृष्टि के प्रति अपना कर्तव्य अदा करने जा रहा तो उसे छोटे कर्तव्यों से मुक्त होना ही पड़ता है, यह सार्वत्रिक नियम है। यह तो दीक्षा जीवन का समाज उपयोगी मात्र एक पहलू है, ऐसे तो अनेक पहलू हैं जिन्हें यदि समझा जाए तो एक संत के प्रति सहज सद्भाव हुए बिना नहीं रहेगा। कल्याण मित्र परिवार ने वरघोड़े की व्यवस्था संभाली।

नेत्रदान जागरूकता रैली का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित दृष्टिहीनों के लिए दृष्टि महाअभियान के तहत प्रचार-प्रसार करते हुए तेरापंथ युवक परिषद् राजाजीनगर ने शहर के शेषाद्रीपुरम स्थित द कर्नाटका वेलफेयर एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड्स के सहयोग से रविवार प्रात: नेहरू नगर में नेत्रदान जागरूकता अभियान के तहत रैली का आयोजन किया। रैली के दौरान स्थानीय लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए नेत्रदान कब, कौन, कैसे कर सकता है एवं नेत्रदान के पश्चात कैसे उन नेत्रों का उपयोग होता है, की विस्तृत जानकारी परिषद के सदस्यों द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने तेयुप सदस्यों के इस आयाम की खूब-खूब सराहना की एवं इससे जुड़ने की इच्छा जताई। जागरूकता रैली में तेयुप से अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया, राजेश देरासरिया, संजय मांडोत, धरमेंद्र बरलोटा, जयंतीलाल गांधी, रवि चौधरी, अनिमेश चौधरी, किशोर मण्डल से संयोजक नमन श्रीश्रीमाल, सह संयोजक ध्रुव संचेती, दर्शन पोरवाड, हर्ष कोठारी, आर्यन गोलेच्छा, तुषार कोठारी, आशीष मांडोत ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

साधन जुटाते जुटाते व्यक्ति जीना भूल गया: मुनि

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

वालकेश्वर कॉलोनी में स्थित पारलेचा भवन में रविवार को मुनि वज्ररत्न सागरजी ने पार्श्वनाथ प्रभु के ऊपर अद्भुत प्रवचन दिया। उन्होंने कहा जीने के साधन जुटाते जुटाते व्यक्ति जीना भूल गया। आप जिंदगी में जो चाहते है उसके प्रति गंभीर और जागृत रहें। आप जो चाहते है उसे पाने के लिए कभी कभी अति स्वार्थी भी हो जाते हो। इसके लिए कभी कभी दूसरों को दुःख भी होता है। आप को ध्यान रखना चाहिए आपकी वजह से किसी का दिल ना दुखे। लोगों की भावनाओं से समझौता करने को अपनी कमजोरी ना समझते हुए इसे जहां तक हो अपनाएं। दूसरों को दुख पहुंचाए बिना अपनी जरूरतें पूरी करने की कला आप को सीखनी होगी। जिंदगी में हमेशा संघर्ष ही न करते रहे न ही खुद को काम के बोझ तले दबाये रखें। किसी की मदद करना या किसी से मदद लेने में कोई बुराई नही। व्यक्ति को विरासत में धन, सम्पत्ति, बढ़िया घर, पद, सभी मिल सकता है, लेकिन अनुभव नही। आज प्रत्येक व्यक्ति अपनी आय व्यय का लेखा जोखा रखता है। परंतु यह कैसा दुर्भाग्य है कि वह स्वयं के कृत्यों का लेखा जोखा नही रखता है। मुनि आगमरत्न सागरजी और प्रशमरत्न सागरजी ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

निर्वाण दिवस को महाप्रयाण दिवस के रूप में मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण शांतिसूरि धाम तीर्थ, अरसीकेरे मध्ये योगीराज श्री शांतिसूरिश्वर भगवंत के 81वें निर्वाण दिवस को महाप्रयाण दिवस के रूप में मनाया गया। शांति गुरुभक्त परिवार बेंगलूरु के गुरुभक्त पंकज श्रीमाल, यश पोरवाल एवं विशेष पुनमिया ने सुबह 11 बजे से गुरुदेव की महा चमत्कारिक अष्टप्रकारी पूजन पढाई, दोपहर एवं शाम की गरुप्रसादी के पश्चात मुकेश हडा समूह के संगीत के साथ तीनों गुरुभक्त कलाकारों ने रात 8 बजे से प्रात 4 बजे तक गुरु भक्ति के साथ गुरु गुण गीतांजली करवाई। विषेश अतिथि के रूप में उपस्थित मुंबई निवासी नाकोडा दरबार के संस्थापक अध्यक्ष मनोज शोभावत का स्वागत योगीराज ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश कुमार वेदमुथा ने किया। इस मौके पर नाकोडा भैरव ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना, धर्मीचंद, ट्रस्टी पारसमल वेद मुथा, मांगीलाल मेहता, डॉ. विजय कुमार सुराना, रमेश कटारिया के साथ अरसीकेरे स्थानकवासी संघ के अध्यक्ष महावीर बोहरा, उपाध्यक्ष चेतन बलगट, अशोक गुगलिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

व्यापारियों को किया छाता वितरित

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रोटरी क्लब बन्नूर के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बन्नूर गांव में फुटपाथ पर व्यापार करने वाले व्यापारियों को धूप से राहत देने के लिए छाता वितरित किए। महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि व्यापारियों को धूप से राहत मिलेगी। कार्यक्रम के तहत राजपुरोहित एवं स्थानीय सफाई कर्माचारियों ने बन्नूर रोटरी स्कूल के पास मैदान में श्रमदान देते हुए रोटरी स्कूल परिसर की सफाई की। राजपुरोहित ने लोगों से अपने आसपास अपने घर को साफ सुथरा रखने का प्रण लेने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में मुरली गोपाल, वडगली गौड़ा, वेंकटेश गौड़ा, राजू गौड़ा, प्रसन्ना गौड़ा, रामचन्द्रु गौड़ा, किशन गौड़ा, माणकचंद एवं स्कूल के स्टाप आदि उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *सांगोली रायण्णा गलियारा बलेगा द्वारा कामाक्षीपाल्या में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया। एकत्रित रक्त का संग्रहण स्वामी विवेकानंद रुधिर संस्थान ने किया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया एवं प्रमाण पत्र वितरित किए। आयोजकों ने अतिथि को सम्मानित किया।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *भगवान महावीर अस्पताल, माधवनगर संघ, कुमारापार्क संघ एवं जयनगर संघ के ट्रस्टीगण किशोर कुमार जैन एवं तेजपाल कोठारी के साथ अरविंद जैन परिवार समेत अन्य लोगों ने रविवार को दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ श्री संकट मोचन पार्श्व भैरव धाम अरसीकेरे का दौरा कर पार्श्वनाथ भगवान, योगीराज एवं हाजिराहुजूर भैरवदेव का दर्शन कर तीर्थ वातावरण की जमकर सराहना की। तीर्थ परिसर का अवलोकन कर पहाड़ों के बीच प्रशांत वातावरण मध्ये निर्माणाधीन तीर्थ पर शीघ्र प्राण प्रतिष्ठा करवाने की सलाह देते हुए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना ने सभी का स्वागत किया।*

कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने मुख्यमंत्री के खिलाफ ईडी में शिकायत दर्ज कराई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा, जो कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले में शिकायतकर्ता हैं, ने अब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में शिकायत दर्ज कराई है। बेंगलूरु में ईडी के संयुक्त निदेशक को संबोधित एक शिकायत में, कृष्णा ने सिद्धरामैया द्वारा अपनी पत्नी पार्वती को 14 साइटों के आवंटन में आधिकारिक शक्तियों के कथित दुरुपयोग की जांच के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम

(पीएमएलए) के तहत जांच की मांग की है। कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ एफआईआर से पता चलता है कि संविधान सर्वोच्च है। कृष्णा ने तर्क दिया कि सिद्धरामैया की पत्नी ने मुडा द्वारा साइटों के आवंटन में अनियमितताओं के माध्यम से 55.80 करोड़ का अवैध लाभ कमाया है, जो उन्होंने कहा कि पीएमएलए के तहत अनुसूचित अपराध से संबंधित है। रविवार को जब कृष्णा की ईडी से की गई शिकायत को मैसूरु में मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया गया, तो सिद्धरामैया ने कहा कि जब भी कोई शिकायत दर्ज की जाती है, तो कानून के अनुसार ही कार्रवाई की जानी चाहिए।

यहाँ यह उल्लेख करना आवश्यक है कि कृष्णा, जिनकी शिकायत पर मैसूरु में लोकायुक्त पुलिस ने सिद्धरामैया, उनकी पत्नी और दो अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, ने भी सीबीआई से जांच की मांग करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। सिद्धरामैया के खिलाफ मुडा मामले में लोकायुक्त द्वारा निष्पक्ष जांच पर आरटीआई कार्यकर्ता को संदेह है। कृष्णा, जिन्होंने 27 सितंबर को ईमेल की गई शिकायत में ईडी से जांच की मांग की थी, ने केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई से भी जांच की मांग की है।

रैली के माध्यम से लोगों को नेत्रदान के प्रति किया जागरूक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के गौरवशाली 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर द्वारा नेत्रदान जागरूकता अभियान विजन फॉर विजन लेस के अंतर्गत एक विशाल रैली का आयोजन तेरापंथ भवन आर आर नगर से एटीडीसी तक किया गया। रैली का शुभारंभ डॉ प्रकाश जैन द्वारा किया गया। उन्होंने सभी को नेत्रदान के बारे में जानकारी दी एवं सभी से अपील की कि आप मरणोपरांत नेत्रदान जरुर करें। जिससे किसी अंधे व्यक्ति के जीवन में प्रकाश ला सकें। युवकों ने रैली में नेत्रदान के पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष बिकाश छाजेड़, सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, महिला मंडल मंत्री पद्मा मेहर, ज्ञानशाला संयोजिका प्रिया छाजेड़, तेयुप पदाधिकारीगण, कार्यसमिति सदस्य एवं श्रावक समाज उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *धर्म बुद्धि पुरातन नागरकट्टे गणेश उत्सव समिति एवं राष्ट्र रक्षण संगठन के संयुक्त तत्वावधान में उपारपेट पुलिस स्टेशन के पास आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं संगठन के प्रमुख पुनीत केरेहल्ली ने हिंदू ध्वज लहराकर शोभा यात्रा का शुभारंभ किया।*

सभी दानों में अभयदान हैं श्रेष्ठ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में आयोजित धर्मसभा में मरूधर केसरी दरबार में अपने विशेष प्रवचन दया, अनुकम्पा से घटाया मेघकुमार ने संसार विषय पर साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने कहा कि जैन दर्शन में तीर्थकर परमात्मा महावीर ने अहिंसा की बहुत सूक्ष्म व्याख्या की हैं जो सम्पूर्ण विश्व में समस्त मानव जाति के लिए एक आदर्श-प्रेरणा का स्त्रोत हैं। किसी भी जीव की मन, वचन, काया से

हिंसा ना हो। चाहे वो सूक्ष्म हो या स्थावर। इंसान हो या पशु। छोटा हो या बड़ा। इसका पूर्ण विवेक - व्यवहार रखने की बात कही गई है। क्योंकि सभी जीव जीना चाहते हैं, मरना कोई नहीं चाहता। जैसे हमें अपने प्राण प्यारे हैं वैसे ही जगत के सभी जीवों को अपने प्राण प्यारे हैं। यदि हम किसी को जीवन नहीं दे सकते, तो फिर दूसरे के जीवन का घात करने का भी हमें कोई अधिकार नहीं है। प्रभु महावीर ने सभी दानों में अभयदान को श्रेष्ठ बतलाया है। जैसे हमें सबसे ज्यादा खुशी हमारे भय के मिट जाने पर होती है। वैसे ही किसी भयभीत प्राणी को बचाना या किसी मरते हुए प्राणी को बचाना अभयदान हैं। हमें भी इस जीवदया - अनुकम्पा की भावना से ओत-प्रोत इस सुंदर प्रेरक कथानक से प्रेरणा लेते हुए जगत के प्राणीमात्र के जीवों के प्रति करुणा, अनुकम्पा की भावना रखनी चाहिये। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री सुरेश धोका ने किया।

चन्द्रशेखर ने सीधे तौर पर कुमारस्वामी की आलोचना नहीं की: सीएम

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इस बात पर जोर दिया है कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी चंद्रशेखर ने सीधे तौर पर कुमारस्वामी की आलोचना नहीं की, बल्कि उन्होंने बर्नार्ड शॉ के बयान का जिक्र किया और कहा कि कुमारस्वामी ने गलती की है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि वह इसके लिए अधिकारियों की आलोचना कर रहे हैं। कुमारस्वामी और एडीजीपी के बीच चल रही बहस पर मैं कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। कुमारस्वामी ने एडीजीपी चंद्रशेखर पर आरोप लगाया है। इसका जवाब चन्द्रशेखर ने दिया है। मुझे बस इतना ही पता है। उन्होंने कहा कि जब वे गैरकानूनी काम करते हैं तो देखा जाता है कि अधिकारियों पर आरोप लगते हैं। चन्द्रशेखर ने कुमारस्वामी के बारे में गलत नहीं कहा। उन्होंने कहा कि मैं इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि वह कुमारस्वामी की टिप्पणियों का जवाब नहीं देंगे। अगर प्रवर्तन निदेशालय में शिकायत दर्ज कराई जाती है तो कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। हर चीज का एक कानून होता है। शिकायत के बाद तुरंत कार्रवाई नहीं होगी। उन्होंने कहा कि वे मुडा मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे क्योंकि यह मामला अदालत में है। मुझे नहीं पता कि मुडा मामले में शिकायत करने वाले स्नेहमई कृष्णा कौन हैं। मैंने आज तक उन्हें कभी नहीं देखा। मुझे नहीं पता कि उसके खिलाफ क्या मामले हैं। हो सकता है उन्होंने ईडी से शिकायत की हो। यह नहीं कहा जा सकता कि शिकायत दर्ज होते ही जांच हो जायेगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा पुलिस अधिकारियों ने जानकारी दी है कि मैसूरु में जिस जगह पर रेव पार्टी आयोजित की गई थी, वहां पर हमला किया गया है। यदि ऐसे कोई मामले होंगे तो पुलिस कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। इससे पहले केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा था कि वह वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी चंद्रशेखर के खिलाफ आरोपों से संबंधित दस्तावेज केंद्रीय गृह सचिव को सौंपेंगे। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने शिकायत की कि इस अधिकारी और श्रीधर के अधीन एक अधिकारी ने 20 करोड़ रुपये की मांग की थी। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। उन पर लगे आरोपों से जुड़े दस्तावेज केंद्रीय गृह सचिव को दिये जायेंगे। चन्द्रशेखर की पत्नी के नाम पर राजकालुवे पर 38 मंजिला इमारत बन रही है। इस पर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। ऐसे ही एक अधिकारी ने लोकायुक्त मंत्रालय के अधिकारी और कर्मचारियों की जांच कराने के लिए सरकार से अनुमति मांगने का दुस्साहस दिखाया है। उन्हें यह अधिकार किसने दिया? आपने उस अधिकारी को ऊंचे पद पर क्यों रखा जो इस तरह के आरोप झेल रहा है? वे संवैधानिक संस्थाओं का कितना सम्मान करते हैं, इसका ताजा उदाहरण है। सिद्धरामैया ने विपक्ष के नेता रहते हुए राज्यपाल के कर्तव्य और जिम्मेदारी के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि जब सरकार गलती करती है तो राज्यपाल के पास उसे सुधारने का अधिकार होता है। उन्होंने कहा कि इसके बारे में पूछना अच्छा है। जैसे ही कोई शिकायत करता है तो एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया जाता है। उन्होंने शिकायत के कुछ पहलुओं का जिक्र करते हुए कहा कि इंस्पेक्टर के खिलाफ शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। आंध्र प्रदेश के रहने वाले चंद्रशेखर को हिमाचल प्रदेश कैडर में चुना गया था। 2008-09 में कर्नाटक में असाइनमेंट पर काम करने के लिए राज्य में आये। इस प्रकार अधिकतम 5 वर्ष तक सेवा की जा सकती है। लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश की जलवायु उनके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है और उन्होंने अपने स्वास्थ्य के बारे में झूठे दस्तावेज बनाए और यहीं रह गए। इस अधिकारी पर गड़बड़ी से जुड़े कई आरोप लगे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्हें लोकायुक्त और आंतरिक सुरक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। मुख्यमंत्री और गृह मंत्री ने ऐसे अधिकारी को आगे कर कड़ी मेहनत कर विपक्षी दल को खत्म करने का निर्देश दिया है।

आईपीएस अधिकारी चंद्र शेखर को पहले मेरे प्रश्नों का देना चाहिए उत्तर: कुमारस्वामी

उनके भाषा से उनके संस्कार का पता चलता है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने एक बार फिर आईपीएस अधिकारी चंद्र शेखर पर ब्लैक मेलर और अपराधी होने का आरोप लगाया है। कुमारस्वामी ने मांग की है कि यह अधिकारी मेरे द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दें। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस अधिकारी ने अपने सहयोगियों को लिखे पत्र को अच्छे से तैयार किया है। वह पत्र किसने लिखा? मैं यह भी अच्छी तरह जानता हूं कि उन्होंने इसे कहां तैयार किया है। जैसा कि अधिकारी ने कहा, मैं इस मामले में आरोपी हो सकता हूं। हालाँकि, वह एक अधिकारी के भेष में एक अपराधी है। मंत्री ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ सिलसिलेवार अपराधों के आरोप हैं और लोकायुक्त को लिखा गया राज्यपाल का पत्र एक निश्चित सरकारी प्रायोजित समाचार चैनल पर लीक हो गया। हर कोई जानता है कि इसे किसने लीक किया। हालाँकि, अधिकारी चन्द्रशेखर ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर यह कहानी गढ़ी थी कि यह राजभवन से ही लीक हुआ है, और राजभवन के कर्मचारियों से इसकी जाँच करने और अनुमति देने के लिए कहा था। कुमारस्वामी ने कहा कि मैंने दस्तावेजों के साथ उस अधिकारी की पृष्ठभूमि के बारे में बात की है। उन्होंने मेरे सवालों का जवाब देने के बजाय आपराधिक मानसिकता की गंदी भाषा का इस्तेमाल किया, एक पत्र में एक केंद्रीय मंत्री के बारे में अपशब्दों का इस्तेमाल किया। इसका क्या करें? कहां से दें जवाब? मैं यह जानता हूं। मैं बिना रिकार्ड, विषय के नहीं बोलता। अधिकारी द्वारा लिखा गया पत्र अच्छी तरह तैयार किया गया है। शनिवार सुबह जब मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो मुझे पता चला कि अधिकारी शाम को कहां गए थे। किस कानूनी विद्वान ने वहां अपना पत्र तैयार किया? उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि उनके साथ और कौन था। मैंने शनिवार को ऑन द रिकॉर्ड बात की थी। अधिकारी आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं। हिमाचल प्रदेश का एक कैडर अधिकारी 25 साल से यहां है। कौन किसको लेकर यहाँ आया? अधिकारी ने जिस भाषा का इस्तेमाल किया उससे उनके संस्कार का पता चलता है। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि उन्होंने एक केंद्रीय मंत्री के बारे में किस भाषा का इस्तेमाल किया है। पत्र में अधिकारी ने लिखा था कि सत्यमेव जयते। मैं इसी उद्देश्य के लिए लड़ रहा हूं। क्या मैंने इस अधिकारी के खिलाफ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है? मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके नेताओं में मेरा इस्तीफा मांगने का नैतिकता नहीं है। क्या सिद्धरामैया को खुश करने के लिए मुझे इस्तीफा दे देना चाहिए? मुझे यह कहकर इस्तीफा क्यों देना चाहिए कि मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है? यह मैं नहीं हूं जो झूठ बोल रहा हूं।

आरोपी तो आरोपी ही होता है

लोकायुक्त एडीजीपी ने एचडी कुमारस्वामी के आरोपों का दिया जवाब

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोकायुक्त अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) एम चंद्रशेखर ने केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी द्वारा लगाए गए आरोपों का खंडन करते हुए उन्हें झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताया। उनका यह बयान कुमारस्वामी द्वारा उन पर संवेदनशील जानकारी लीक करने और अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाने के बाद आया। इन आरोपों का जवाब देते हुए, चंद्रशेखर ने अपने सहयोगियों को संबोधित एक पत्र में इन दावों की निंदा करते हुए कहा कि ये एसआईटी के काम में बाधा डालने का प्रयास हैं। आज एक आरोपी, एचडी कुमारस्वामी ने झूठे और दुर्भावनापूर्ण आरोप लगाए और धमकियाँ दीं। जैसा कि आप जानते हैं, एसआईटी ने सक्षम प्राधिकारी से आरोपी के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति मांगी थी। यह आरोपी जमानत पर है। आरोपी ने हमें अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोकने के लिए ऐसा किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि उनका उद्देश्य मुझ पर हमला करके एसआईटी के अधिकारियों के मन में डर पैदा करना है।

जॉर्ज बर्नार्ड शॉ को उद्धृत करते हुए चंद्रशेखर ने कहा सुअरों से कभी कुश्ती मत लड़ो। आप दोनों गंदे हो जाओगे और सुअर को यह पसंद है। उन्होंने अपनी टीम से इन आरोपों से विचलित न होने का आग्रह किया, और कहा एक आरोपी, चाहे वह कितना भी बड़ा और शक्तिशाली क्यों न हो, एक आरोपी ही है।

हमें ऐसे आरोपों और धमकियों से विचलित नहीं होना चाहिए। मैं, एसआईटी के प्रमुख के रूप में, आपसे वादा करता हूं कि मैं बिना किसी डर या पक्षपात के काम करूंगा और हमारे मामलों में सभी अपराधियों और आरोपियों को न्याय के कटघरे में लाऊंगा। मैं आपको बाहरी प्रभावों से बचाने का वादा करता हूं। उन्होंने कहा इससे हमें अपने कर्तव्य का निर्वहन करने से नहीं रोकना चाहिए। कथित खनन घोटाले में कुमारस्वामी पर मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल की मंजूरी का अनुरोध करने वाले लोकायुक्त के गोपनीय पत्र को सार्वजनिक रूप से लीक कर दिया गया। 2007 में शुरू हुए इस मामले में आरोप है कि 2006 से 2008 तक मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, एचडी कुमारस्वामी ने अवैध रूप से बेल्लारी जिले के संदूर तालुक में श्री साई वेंकटेश्वर मिनरल्स (एसएसवीएम) को 550 एकड़ का खनन पट्टा दिया था। आरोप है कि यह मंजूरी कानूनी मानदंडों का उल्लंघन थी और इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध खनन गतिविधि को बढ़ावा दिया। चंद्रशेखर के नेतृत्व में लोकायुक्त की एसआईटी ने पिछले साल 23 नवंबर को कुमारस्वामी पर मुकदमा चलाने के लिए पहली बार राज्यपाल से मंजूरी मांगी थी। राज्यपाल के कार्यालय ने अतिरिक्त जानकारी मांगी, जिसे एसआईटी ने 8 अगस्त को उपलब्ध कराया।

इलेक्टोरल बॉन्ड मामला

प्रियांक खड़गे ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के इस्तीफे की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने रविवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के इस्तीफे की मांग की, क्योंकि अब बंद हो चुके इलेक्ट्रोल बॉन्ड के जरिए कथित तौर पर पैसे ऐंठने के लिए अदालत के निर्देश के बाद बेंगलूरु में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारी घाटे में चल रही कंपनियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड योजना के जरिए भाजपा को काफी दान दिया है और अदालत ने पुलिस को सीतारमण और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने के लिए वैध आधार पाया है। खड़गे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा अगर आपमें नैतिकता है, तो भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा और उनके बेटे बी वाई विजयेंद्र जो भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं, को बाहर निकालिए। निर्मला सीतारमण, (कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता) आर अशोक और भाजपा विधायक मुनिरत्ना को बाहर निकालिए। पुलिस के अनुसार, विशेष अदालत के आदेश के आधार पर केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, ईडी अधिकारियों, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के पदाधिकारियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 384 (जबरन वसूली के लिए सजा), 120 बी (आपराधिक साजिश) और 34 (साझा इरादे से कई लोगों द्वारा किए गए कृत्य) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर में कर्नाटक भाजपा प्रमुख बी वाई विजयेंद्र, पार्टी नेता नलिन कुमार कटील का भी नाम है। खड़गे ने कहा केंद्रीय जांच ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय और राज्यपाल कार्यालय से हमें (कांग्रेस) मत डराइए। हम डरेंगे नहीं। हमारे पास 140 साल का संघर्ष का इतिहास है और हम अगले 140 साल तक अपना संघर्ष जारी रखेंगे। हम आपकी नीतियों और सिद्धांतों के खिलाफ लड़ते हुए बड़े हुए हैं। हमारे पास आने से पहले आप पहले अपना घर ठीक कर लें। मामले को स्पष्ट करते हुए मंत्री ने कहा कि जनाधिकार संघर्ष परिषद द्वारा दायर याचिका के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनावी बांड योजना को असंवैधानिक करार दिया है। खड़गे के अनुसार, एक लाख करोड़ रुपये के घाटे में चल रही 33 कंपनियों ने भाजपा को 576.2 करोड़ रुपये का दान दिया है। इसके अलावा, छह कंपनियों ने सकारात्मक शुद्ध लाभ दिखाया है, जिन्होंने भगवा पार्टी को 646 करोड़ रुपये का दान दिया है, जो उनके कुल शुद्ध लाभ से अधिक है। उन्होंने दावा किया कि तीन कंपनियों, जिनका शुद्ध लाभ सकारात्मक था, लेकिन नकारात्मक प्रत्यक्ष करों की रिपोर्ट की, ने भाजपा को 193.8 करोड़ रुपये का दान दिया है। खड़गे ने कुछ भाजपा नेताओं पर उनके कथित बयान के लिए कटाक्ष किया कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल हैं और उन्हें पहले जेल जाना चाहिए। मंत्री ने पूछा आप (भाजपा) पिछले 11 वर्षों से सत्ता में हैं। आपने इन सभी वर्षों में क्या किया? उन्होंने विजयेंद्र पर कोलकाता और अन्य स्थानों पर स्थित शेल कंपनियों के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने का भी आरोप लगाया।

निर्मला सीतारमण के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन

इससे पहले चुनाव बांड घोटाले में फंसी केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण के तत्काल इस्तीफे की मांग को लेकर केपीसीसी महासचिव मनोहर के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ राजनीतिक साजिश रच रहे बीजेपी जेडीएस के कुछ भ्रष्ट सदस्य सिद्धरामैया के इस्तीफे के लिए लड़ रहे हैं। लेकिन अब भाजपा जेडीएस को लोगों को बताना जाना चाहिए कि वे करोड़ों रुपये के अवैध चुनाव बांड घोटाले में शामिल केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण का इस्तीफा क्यों नहीं मांग रहे हैं। इस घोटाले में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र भी आरोपी हैं। देश की जनता अब जान चुकी है कि जनता का पैसा लूटकर केंद्र में शासन कर रहे केंद्र सरकार के मंत्री भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। निर्मला सीतारमण के आरोपी होने की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री को भी नैतिक जिम्मेदारी के तौर पर इस्तीफा दे देना चाहिए। भ्रष्टाचार का मतलब है भाजपा, भाजपा का मतलब है भ्रष्टाचार, सत्ताधारी दल पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले भाजपा नेता अब इस्तीफा मांगने की नैतिकता खो चुके हैं।

अगले दो दिनों तक प्रदेश में अच्छी बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वर्षा की भारी कमी के कारण सूख रही फसलों के बीच मानसूनी वर्षा की पुनः प्राप्ति ने किसानों में उत्साह पैदा कर दिया। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक सोमवार तक राज्य में भारी बारिश होगी। इसलिए, मौसम विभाग ने येलो अलर्ट की घोषणा की है। सितंबर में बारिश अगस्त की तरह कम रही। केवल तटीय और पहाड़ी इलाकों में ही सामान्य मात्रा में बारिश हुई है। उत्तरी कर्नाटक और राज्य के दक्षिणी भीतरी इलाकों में सामान्य से कम बारिश हुई और मानसूनी फसलें सूख रही हैं। ऐसे में मानसून की बारिश ठीक हो गई है और पिछले चार-पांच दिनों से छिटपुट बारिश हो रही है। इससे भारी बारिश की आशंका जताई जा रही है। तटीय उत्तरी कर्नाटक और दक्षिणी कर्नाटक में भारी बारिश होने की आशंका है और मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। दक्षिण आंतरिक, पहाड़ी, तटीय और उत्तरी आंतरिक जिलों में तूफान की चेतावनी है। पूर्वानुमान है कि बिजली चमकने और तेज तूफानी हवाओं के साथ बारिश की भी संभावना है। स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, राजधानी बेंगलूरु के आसपास आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और शाम या रात में बारिश की संभावना अधिक है। कर्नाटक प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र की जानकारी के मुताबिक, राज्य में 1 सितंबर से शनिवार तक सामान्य बारिश 148.2 मिमी के मुकाबले 119.7 मिमी बारिश हुई। यह सामान्य से 19 प्रतिशत कम है। इसी तरह दक्षिणी भीतरी इलाकों में सबसे ज्यादा बारिश 75 प्रतिशत और उत्तरी भीतरी इलाकों में सामान्य से 25 प्रतिशत कम है।

केआरएस प्रतिबंधित क्षेत्र में रेव पार्टी, नशे में धुत लोग गिरफ्तार

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केआरएस के बैकवाटर के पास एक अनधिकृत रेव पार्टी की घटना प्रकाश में आई है। जब पुलिस टीम को जानकारी मिली और उसने वहां का दौरा किया, तो उन्होंने 50 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया, जो नशे में थे। यहां, जो एक प्रतिबंधित क्षेत्र है, यह पार्टी अनौपचारिक रूप से आयोजित की गई थी और युवक-युवतियों को सोशल मीडिया के माध्यम से आमंत्रित किया गया था, जिसमें 30 से अधिक जोड़े ऑनलाइन पैसे देकर शामिल थे, उनमें से कुछ वहां से भाग गए। बताया जा रहा है कि यह पार्टी एक निजी व्यक्ति की जमानत पर आयोजित की गई थी और पुलिस ने शराब की बोतलें, सब्जी समेत कई चीजें जब्त कीं। इस पार्टी के लिए विदेश से कुछ डीजे बुलाए गए थे। तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीणों ने दौरा किया और पुलिस के साथ मामले की जांच की। इस घटना से स्थानीय लोग सदमे में हैं और सोशल मीडिया पर भी यह घटना फैल रही है। इस संबंध में पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और देर रात शुरू हुई पार्टी में करीब 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि डीजे द्वारा तेज संगीत की व्यवस्था की गयी थी। एसपी विष्णुवर्धन के नेतृत्व में एडिशनल एसपी नागेश और डीवाईएसपी करीम रावत और स्टाफ ने छापा मारकर इन सभी को गिरफ्तार कर लिया। सभी की मेडिकल जांच की जा रही है। पुलिस ने पार्टी के लिए इस्तेमाल किए गए संगीत वाद्ययंत्रों सहित 30 कारों को जब्त कर लिया। एसपी विष्णुवर्धन ने संवाददात-ाओं को बताया कि छापेमारी के दौरान कोई ड्रग्स या गांजा नहीं मिला। दशहरा की उलटी गिनती शुरू होने के साथ ही कुछ जगहों पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अनौपचारिक रूप से ऐसी पार्टियों का आयोजन किया जा रहा है और स्थानीय लोगों ने इसे रोकने की मांग की है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मेडिकल जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शुभ लाभ DAILY

डीएमके के भ्रष्टाचार और कुशासन के ट्रैक रिकॉर्ड को तमिलनाडु के लोग नहीं भूलेंगे: भाजपा

चेन्नई/शुभ लाभ ब्यूरो।
तमिलनाडु भाजपा प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने राज्य में सत्तारूढ़ डीएमके पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के 75 साल का इतिहास लोगों के साथ विश्वासघात और जन कल्याण पर पारिवारिक हितों को प्राथमिकता देने से भरा रहा है।

उन्होंने कहा, गठबंधन का हिस्सा होने के बावजूद डीएमके ने अपने सहयोगियों को सत्ता में हिस्सा नहीं दिया और इसके बजाय उदयनिधि स्टालिन को उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया। भाजपा प्रवक्ता ने सीएम स्टालिन पर आम चुनावों में भाजपा के केवल 240 सीटें जीतने की बात करके ध्यान भटकाने की रणनीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन का यह बयान कि भाजपा को अपनी 240 सीटों के बारे में सचेत रहना चाहिए, अपनी पार्टी के विवादों से ध्यान हटाने की एक भटकावकारी रणनीति है।

मंच पर नेताओं को खुश करने का उनका प्रयास केवल उनके गठबंधन के भीतर भ्रम को छुपाता है।

भाजपा पर उंगली उठाने के बजाय, स्टालिन को अपनी सरकार को परेशान करने वाले मुद्दों, जैसे भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल में प्रस्तावित फेरबदल तमिलनाडु में डीएमके के अंत की शुरुआत होगी। उन्होंने

कहा स्टालिन की तरफ से भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना उनके अपने भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के कारण विफल हो जाएगी। लोग उनके झूठे प्रचार में नहीं आएंगे, और हालिया मंत्रिमंडल फेरबदल तमिलनाडु में डीएमके के अंत की शुरुआत हो सकती है।

वहीं तमिलनाडु सरकार के मंत्रिमंडल में फेरबदल पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, हाल ही में उदयनिधि स्टालिन को मंत्री बनाया जाना और भ्रष्टाचार के मामले में बरी हुए सेंथिल बालाजी को फिर से मंत्री बनाया जाना डीएमके की सुशासन और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। मुख्यमंत्री स्टालिन समेत पार्टी के नेताओं ने भ्रष्टाचार के जरिए संपत्ति अर्जित की है और मंत्रियों ने हजारों करोड़ रुपये लूटे हैं। विपक्षी गठबंधन इंडिया की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के गढ़ों में खामियों का फायदा उठाने का कोई भी प्रयास उनके लिए सफल नहीं होगा। उन्होंने कहा डीएमके के भ्रष्टाचार और कुशासन के ट्रैक रिकॉर्ड को तमिलनाडु के लोग नहीं भूलेंगे। अगर वे इसी तरह भ्रष्ट आचरण जारी रखेंगे तो भाजपा के गढ़ में किसी भी कमी का फायदा उठाने का इंडिया अलायंस का प्रयास सफल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि 2026 के विधानसभा चुनावों में जनता डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार के भ्रष्टाचार का जवाब देगी। उन्होंने कहा अब समय आ गया है कि स्टालिन अपनी सरकार के कार्यों की जिम्मेदारी लें और तमिलनाडु के लोगों से किए गए अपने वादों को पूरा करें, न कि खोखली बयानबाजी और दोषारोपण का सहारा लें। स्टालिन की अपनी सरकार की विफलताओं से ध्यान हटाने की कोशिश सफल नहीं होगी। तमिलनाडु के लोग ऐसी सरकार से बेहतर के हकदार हैं जो जन कल्याण से ज्यादा पारिवारिक हितों को प्राथमिकता देती है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के कुंडापुर कस्बे के नजदीक हांगलुरु में नागू पैलेस के पास शनिवार देर रात सर्विस रोड पर दो बाइकों के बीच आमने-सामने की टक्कर में एक सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतक की पहचान कुंडापुर के बालेहिट्टू के बेरेकुद्रुवे निवासी शशांक मोगावीरा (22) के रूप में हुई है, जो एक निजी कंपनी में कर्मचारी था। शशांक पेंटर वेंकटेश का बेटा है। यह दुर्घटना रात करीब 11 बजे हुई, जब शशांक हांगलुरु के एक पेट्रोल स्टेशन पर अपनी बाइक में ईंधन भरवाकर घर लौट रहा था। उसे तुरंत मणिपाल के केएमसी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उसकी चोटों के कारण मौत हो गई है। बुलेट बाइक का सवार और पीछे बैठी एक महिला भी गंभीर रूप से घायल हो गई और उन्हें मणिपाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुंडापुर कस्बे के ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

सौ पत्र लिखने पर भी हम नहीं डरेंगे: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने दावा किया है कि एडीजीपी एम.चंद्रशेखर द्वारा लिखे गए पत्र के पीछे बड़ा हाथ है, उन्हें ऐसा पत्र लिखने की प्रेरणा उनके पीठ पीछे खड़े लोगों से मिली है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अधिकारी सरकार की कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं और ऐसा लंबे समय तक नहीं होगा।

राज्य में पहले भी कई सरकारें राज कर चुकी हैं। हालांकि, उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि राज्य के इतिहास में यह पहली बार है कि अधिकारियों के साथ इस तरह दुर्व्यवहार किया जा रहा है और उन पर शासन किया जा रहा है।

इसलिए इससे डरने की कोई जरूरत नहीं है। उन्हें ऐसे सौ पत्र लिखने दीजिए, सत्ता शाश्वत नहीं है, क्या उन्हें नफरत की राजनीति वैसे ही जारी रखनी चाहिए जैसे उन्होंने दिखाई है? क्या पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और एचडी कुमारस्वामी ने सत्ता में रहते हुए ऐसा किया था?

उन्होंने कहा कि लिखे गए पत्र में जो कहा गया है उसे देखने के बाद यह स्पष्ट है कि इसके पीछे किस व्यक्ति ने उन्हें प्रेरित किया है।

सरकार 2 अक्टूबर को राज्यव्यापी गांधी मार्च और स्वच्छता शपथ कार्यक्रम का करेगी आयोजन: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक सरकार महात्मा गांधी द्वारा बेलगावी में स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन की कमान संभालने के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 2 अक्टूबर को राज्यव्यापी गांधी मार्च और स्वच्छता शपथ कार्यक्रम आयोजित करेगी। 1924 में बेलगावी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अध्यक्षता में हुए प्रसिद्ध कांग्रेस अधिवेशन ने देश के स्वतंत्रता संग्राम को गति दी थी। इस अवसर पर मोतीलाल नेहरू, पंडित जवाहरलाल नेहरू, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और सरोजिनी नायडू जैसे दिग्गज मौजूद थे। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा हम पूरे साल विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे।

कार्यक्रम के पहले चरण के रूप में 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर 1 किलोमीटर का गांधी पदयात्रा और स्वच्छता शपथ अभियान आयोजित किया जाएगा। हमने पूरे राज्य में जिला, तालुक और नगरपालिका स्तर पर कार्यक्रमों की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में यह मार्च अगले बुधवार को सुबह 9 बजे गांधी भवन से शुरू होगा और विधान सौधा में गांधी प्रतिमा पर समाप्त होगा। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। चूंकि महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री दोनों की जयंती एक ही दिन पड़ती है, इसलिए दोनों नेताओं की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया जाएगा। इसके बाद, वॉक में भाग लेने वाले छात्र विधान सौधा के बैंक्वेट हॉल में स्वच्छता की शपथ लेंगे। इसके अलावा, बेंगलूरु के 500 स्कूल और कॉलेज के छात्र जूम के माध्यम से शपथ लेंगे। यह एक सरकारी कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी में गांधी के आदर्शों को स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि जिला प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे और स्थानीय विधायक तालुका स्तर पर भाग लेंगे। उन्होंने कहा, हम प्रतिभागियों से अनुरोध करते हैं कि वे वॉक के दौरान सफेद कपड़े और गांधी टोपी पहनें। उन्होंने कहा कि पूरे साल सरकार और कांग्रेस युवा पीढ़ी तक गांधी की शिक्षाओं और मूल्यों को पहुंचाने के लिए अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित करेंगे। लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाने के लिए एक ऐप बनाया गया है। अब तक 35,000 लोगों ने ऐप पर पंजीकरण कराया है। शपथ लेने वालों को ऑनलाइन प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। यह कार्यक्रम का पहला चरण है और पूरे साल और भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सरकार के कार्यक्रम के बाद पार्टी की ओर से बेंगलूरु के भारत जोड़ो भवन में दोपहर 12 बजे एक अलग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

भावनाओं को ठेस पहुंचाए बिना महिषा दशहरा मनाया जा सकता है: सांसद

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मैसूरु-कोडागु सांसद यदुवीर कृष्णदत्त वाडियार ने कहा जो लोग महिषा दशहरा मनाना चाहते हैं, वे हमारी भावनाओं और मान्यताओं को ठेस पहुंचाए बिना इसे मना सकते हैं। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने कहा चामुंडेश्वरी बेट्टा एक धार्मिक स्थल है और हम चामुंडेश्वरी को महिषासुर का वध करने वाली मानते हैं और उन्हें महिषासुर मर्दिनी कहते हैं। इसलिए, जो लोग महिषा दशहरा मनाना चाहते हैं, वे हमारी भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं। उन्होंने जोर देकर कहा मैं एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि हूं। संविधान किसी भी विश्वास को रखने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। कोई भी व्यक्ति घर पर और

यहां तक कि सरकारी अनुमति से सार्वजनिक स्थानों पर भी कोई भी अनुष्ठान कर सकता है। हालांकि, लोगों की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। सीएम के इस्तीफे और मुडा घोटाले के मुद्दे पर सांसद ने कहा मुडा घोटाले और वाल्मीकि निगम घोटाले के बारे में बहुत चर्चा हुई है। मामला पहले ही दर्ज हो चुका है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को एक जिम्मेदार पद पर होने के नाते तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए और जांच का सामना करना चाहिए। जांच के नतीजे के आधार पर वह आगे बढ़ सकते हैं। वाडियार ने कहा हर भारतीय कन्नड़ नहीं है, लेकिन हर कन्नड़ भारतीय है। इसलिए, हमें भारतीयों के रूप में एकजुट होना चाहिए। उडुपी के शारदा कल्याण मंडप में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा उडुपी जिले द्वारा आयोजित तटीय क्षेत्र के लेखकों, कलाकारों, कवियों, लिमरिक लेखकों के एक सम्मेलन के दौरान बोलते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे सम्मेलनों को भारतीयों की एकता की दिशा में काम करना चाहिए। हमें इस तथ्य का सम्मान करना चाहिए कि हम भारतीय हैं। हमारी विविधता की रक्षा करने की जरूरत है और देश के लिए काम करना चाहिए। एक जिम्मेदार राजनीतिक दल के रूप में, हम देश के लिए काम कर रहे हैं। मैसूरु समाज ने हमेशा कलाकारों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा हम कलाकारों के प्रति सदैव आभारी हैं। उन्होंने कहा चुनाव से पहले मुझे जाति के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। हर जाति में रीति-रिवाजों और परंपराओं में विविधता है। हमें सही रास्ते पर आगे बढ़ने की जरूरत है। मैं ओबीसी का प्रतिनिधित्व करके खुश हूं। आम तौर पर दशहरा के दौरान मैं मैसूरु से बाहर नहीं निकलता क्योंकि हमारे पास दशहरा की तैयारियों के लिए बहुत काम होता है। उडुपी-चिकमगलूरु के सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने मुझे आमंत्रित किया, इसलिए मैं उनके निमंत्रण को अस्वीकार नहीं कर सका और इस बैठक में भाग लेने के लिए यहाँ आया हूँ।

हम कैडर कंट्रोल के जरिए चंद्रशेखर के खिलाफ करेंगे कार्रवाई: प्रहलाद जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने चेतावनी दी है कि केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने पर लोकायुक्त एडीजीपी एम.चंद्रशेखर के खिलाफ कैडर कंट्रोल के जरिए कार्रवाई की जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि अगर इस लोकायुक्त एडीजीपी को सेवा नियमों की कोई जानकारी है तो उन्हें तुरंत माफी मांगनी चाहिए। कोई भी जन प्रतिनिधि, खासकर वह व्यक्ति जो केंद्रीय मंत्री के बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करता है, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कैडर कंट्रोल इस पर गंभीरता से विचार करेगा। कुमारस्वामी ने कभी किसी के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग

नहीं किया। जोशी ने साफ किया कि उन्होंने इस अधिकारी के बारे में अकेले में बात नहीं की। कुमारस्वामी को बुरे शब्दों में संबोधित करना अधिकारी के अहंकार की पराकाष्ठा है और उन्होंने चेतावनी दी कि उन्हें निकट भविष्य में इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। अगर कोई सरकारी आदेश है तो इसकी जांच करायी जाये। अगर कुमारस्वामी ने आरोप लगाया है तो सामने वाले को सम्मानजनक भाषा और विनम्र शब्दों में स्पष्टीकरण देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा इस तरह खराब तरीके से संबोधित करने से किसी अधिकारी का सम्मान नहीं होता। लोकायुक्त एडीजीपी ने एक जन प्रतिनिधि के बारे में अपशब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने पूछा कि क्या कांग्रेस ऐसे अधिकारियों को पाल रही है, यह सरकार राज्य में हमेशा के लिए नहीं रहेगी। जोशी ने चन्द्रशेखर को सचेत होकर बोलने और काम करने की चेतावनी दी।

सांसद ने उत्तर भारत में फंसे बुजुर्गों के समूह की मदद की

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
उत्तर भारत की यात्रा पर निकले उडुपी जिले के 80 वरिष्ठ नागरिकों का एक समूह ट्रेन की अत्यधिक देरी के कारण फंस गया, जिसकी मदद सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने की। उन्होंने समूह के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की। उत्तर भारत की यात्रा पूरी कर चुके इस समूह को मुंबई पहुंचकर मत्स्यगंधा एक्सप्रेस से उडुपी जाना था। लेकिन, मुंबई एक्सप्रेस के 10 घंटे देरी से चलने के कारण वे रांची से मुंबई के बीच में ही फंस गए। जब तक वे मुंबई पहुंचे, मत्स्यगंधा एक्सप्रेस पहले ही रवाना हो चुकी थी। इसके बाद समूह ने सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी से मदद मांगी। पुजारी ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए रेल मंत्रालय से परामर्श के बाद सीएसटी-मेंगलूरु ट्रेन के लिए विशेष डिब्बे की व्यवस्था की। रेलवे बोर्ड ने सेंट्रल रेलवे से संपर्क किया और सीएसटी-मेंगलूरु ट्रेन में एक अतिरिक्त बोगी जोड़ी गई, जिससे उडुपी समूह यात्रा कर अपने मूल स्थान तक पहुंच सका।

सांसद पुजारी ने रेल राज्य मंत्री

सोमन्ना और उनके कार्यालय के कर्मचारियों के प्रति उनकी त्वरित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया। समूह का नेतृत्व करने वाले चेम्पी प्रकाश भट्ट ने कहा हमेशा की तरह, मैं उडुपी जिले के विभिन्न हिस्सों से 50 से अधिक लोगों को अयोध्या और काशी जैसी जगहों की तीर्थयात्रा पर ले गया। लौटते समय, हम मत्स्यगंधा एक्सप्रेस से चूक गए और सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी से मदद मांगी। उन्होंने तुरंत प्रतिक्रिया दी और वैकल्पिक व्यवस्था की। सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने कहा उडुपी से अयोध्या और काशी गए तीर्थयात्री रांची-मुंबई एक्सप्रेस की अत्यधिक देरी के कारण तीर्थयात्रा से लौटते समय मत्स्यगंधा ट्रेन से चूक गए। जब यह बात मेरे संज्ञान में आई, तो मैंने केंद्रीय रेल मंत्री और संबंधित अधिकारियों से वैकल्पिक व्यवस्था करने का अनुरोध किया। उन्होंने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए, सीएसटी-मेंगलूरु एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त बोगी जोड़ दी। मैं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, राज्य रेल मंत्री वी सोमन्ना और रेलवे अधिकारियों का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूँ।

मोदी ने महाराष्ट्र में 11,200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन किया

पुणे, 29 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए महाराष्ट्र में 11,200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखी, उद्घाटन किया और राष्ट्र को समर्पित किया।

श्री मोदी ने कहा, खराब मौसम के कारण दो दिन पहले मुझे पुणे में अपने कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा था। उन्होंने रविवार के आभासी कार्यक्रम के लिए प्रौद्योगिकी को श्रेय दिया और कहा कि महाराष्ट्र विकास में एक नया अध्याय देख रहा है। प्रधानमंत्री ने आज जिला न्यायालय से स्वर्गेट तक पुणे मेट्रो खंड के उद्घाटन और पुणे मेट्रो चरण -1 के स्वर्गेट-कात्रज विस्तार की आधारशिला रखने का उल्लेख किया।

उन्होंने सावित्रीबाई फुले स्मारक की आधारशिला रखी, जिसमें कौशल विकास केंद्र, पुस्तकालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल होंगी। इसके साथ ही शहर से सीधा हवाई संपर्क स्थापित करने के लिए सोलापुर हवाई अड्डे के उद्घाटन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, भगवान विट्ठल के भक्तों को भी आज एक विशेष उपहार मिला है। श्री मोदी ने बताया कि टर्मिनल की क्षमता में वृद्धि हुई है और मौजूदा हवाई अड्डे के उन्नयन कार्य के पूरा होने के बाद यात्रियों के लिए नई सेवाएं और सुविधाएं बनाई गई हैं, जिससे भगवान विट्ठल के भक्तों के लिए सुविधा बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे से व्यवसाय, उद्योग और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और उन्होंने विकास परियोजनाओं के लिए महाराष्ट्र के लोगों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज महाराष्ट्र को नए संकल्पों के साथ बड़े लक्ष्यों की जरूरत है। उन्होंने पुणे जैसे शहरों को प्रगति और शहरी विकास का केंद्र बनाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि पुणे मेट्रो के बारे में चर्चा वर्ष 2008 में शुरू हुई थी, लेकिन इसकी आधारशिला वर्ष 2016 में रखी गई, जब उनकी सरकार ने त्वरित निर्णय लिए। श्री मोदी ने महाराष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित करने में विकास-संचालित शासन के महत्व को रेखांकित किया और इस बात पर जोर दिया कि इस निरंतरता में किसी भी तरह की बाधा से राज्य को काफी नुकसान हो सकता है। उन्होंने मेट्रो पहल से लेकर मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन और किसानों के लिए महत्व-पूर्ण सिंचाई परियोजनाओं तक कई रुकी हुई परियोजनाओं पर प्रकाश डाला, जो डबल इंजन सरकार के आने से पहले ही विलंबित हो गई थीं।

प्रधानमंत्री ने बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र के बारे में बात की, जो तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यकाल के दौरान परिकल्पित ऑरिक सिटी का एक महत्वपूर्ण घटक है। दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे पर स्थित इस परियोजना को बाधाओं का सामना करना पड़ा है, लेकिन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में इसे पुनर्जीवित किया गया। प्रधानमंत्री ने सामाजिक परिवर्तन में महिला नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने महाराष्ट्र की महिला सशक्तीकरण की विरासत, विशेष रूप से सावित्रीबाई फुले के प्रयासों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने पहला बालिका विद्यालय खोलकर महिला शिक्षा के लिए आंदोलन शुरू किया था।

झारखंड का भविष्य तय करेगा आने वाला चुनाव : चिराग पासवान

धनबाद, 29 सितंबर (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष एवं केंद्र मंत्री चिराग पासवान ने झारखंड में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को राज्य का भविष्य तय करने वाला बताया और कहा कि एक गलत निर्णय ने प्रदेश के पांच साल खराब कर दिए।

श्री पासवान ने रविवार को यहां कहा कि इस बात हर झारखंडवासी को अपना बहुमूल्य मत देकर ऐसा झारखण्ड बनाना है ताकि झारखण्ड के किसी युवा को रोजगार, व्यापार,शिक्षा के लिए दूसरे प्रान्त न जाना पड़े। एक गलत निर्णय लेकर पिछला पांच साल हमने खराब किए।राज्य वासियों ने ऐसे मुख्यमंत्री को देखा जिसे पद पर रहते भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाना पड़ा, उन्हें शर्मसार होना पड़ा। केंद्रीय मंत्री ने कहा, आपके एक-एक मत से झारखण्ड का निर्माण होगा। ऐसे प्रतिनिधि को विधानसभा भेजे जो झारखण्ड को विकसित राज्य बनाने की दिशा में काम कर सके। महिलाओं, युवाओं हर वर्ग की चिंता करे ऐसे विधायक का चयन करे।

तमात संसाधनों के होने के बावजूद दुर्भाग्य है इस राज्य का की आज भी विकसित राज्य की सूची में नही आ सका। व्यवस्था को बदलने की जरूरत है व्यवस्था ऐसी बनानी है की किसी को दूसरे राज्य न जाना पड़े।

श्री पासवान ने अपने पिता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान को याद करते हुए कहा कि जन्म के समय बिहार झारखण्ड एक ही था, उनके पिता की भी और मेरी भी कर्म भूमि झारखण्ड रही है। पिता ने जात-पात धर्म से उठकर गरीबो का उत्थान के दिशा में कार्य किया। हर किसी के पास मोबाईल फोन का वादा रामविलास जी ने किया था, वह सपना पूरा किया।

सोमनाथ में अवैध मस्जिद, मजार और दरगाह ध्वस्त किए गए

सोमनाथ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के सोमनाथ शहर में अब तक की सबसे बड़ी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की गई, जिसमें प्रशासन ने अवैध रूप से बने कई मजहबी निर्माणों को भी ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई में 36 बुलडोजर, 70 ट्रैक्टर-ट्रॉली, और 1500 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। गिर सोमनाथ में विशेष रूप से समुद्री इलाकों और पूजा स्थलों के आसपास के अवैध निर्माणों को हटाने के उद्देश्य से यह मेगा अभियान चलाया गया।

यह विध्वंस अभियान सुबह 5 बजे शुरू किया गया, जिसमें प्रशासन ने भारी सुरक्षा इंतजाम किए थे। पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में बदल दिया गया, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

मीडिया की एंट्री पर भी बैन लगा दिया गया था। तोड़फोड़ के लिए 36 बुलडोजर और 5 हिताची मशीनों का इस्तेमाल किया गया, जबकि मलबा हटाने के लिए 50 ट्रैक्टर और 10 बड़े डंपरों को लगाया गया। इस मेगा ड्राइव के दौरान प्रशासन ने ईदगाह और मस्जिद सहित कई अवैध मजहबी स्थलों को हटाया, जिससे कुछ स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लोग विरोध में एकत्रित हो गए। विरोध के बावजूद, प्रशासन ने सख्ती से स्थिति को नियंत्रण में लिया और कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। सोशल मीडिया पर इस विध्वंस के कई वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें धार्मिक स्थलों को हटाते हुए देखा जा सकता है।

इस अभियान की संवेदनशीलता को देखते हुए जिले के कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद थे। गिर सोमनाथ, जूनागढ़ और पोरबंदर जिलों से लगभग 1500 पुलिसकर्मियों को इस कार्रवाई के लिए तैनात किया गया। इनमें 3 एसपी, 6 डिप्टी एसपी, 50 इंस्पेक्टर और 2 एसआरपी कंपनियां भी शामिल थीं। जिला कलेक्टर दिग्विजयसिंह जाडेजा, रेंज आईजी नीलेश झांजड़िया, एसपी मनोहरसिंह जाडेजा जैसे अधिकारी भी इस महत्वपूर्ण ऑपरेशन का हिस्सा थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने हंगामा किया, लेकिन प्रशासन की तैयारी के आगे वे ज्यादा कुछ नहीं कर सके। 70 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया, जो कि कार्रवाई में बाधा डालने की कोशिश कर रहे थे।

यह विध्वंस अभियान पिछले एक महीने से तैयार किया जा रहा था। प्रशासन ने करीब एक महीने तक सर्वेक्षण किया और सभी अवैध निर्माणों की पहचान की। हाजी मंगरोलीशा पीर दरगाह, हजरत माईपुरी, सीपे सालार और मस्तानशा बापू जैसी प्रमुख दरगाहों को भी इस कार्रवाई के दौरान हटाया गया। प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि इस प्रक्रिया के दौरान शांति व्यवस्था बनी रहे और विध्वंस कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो सके।

सुकमा : सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के कैंप को किया ध्वस्त

बस्तर/जगदलपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षा बलों ने बस्तर संभाग के सुकमा जिले के दंतेशपुरम इलाके में नक्सलियों के एक कैंप को ध्वस्त कर दिया तथा वहां से सामानों का जखीरा बरामद किया। जवानों को देख हालांकि नक्सली भाग खड़े हुए। सुकमा जिले के भेजी थाना क्षेत्र के दंतेशपुरम गांव में कोंटा एरिया कमेटी के नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद डीआरजी व बस्तर फाईटर के जवान आपरेशन के लिए निकले थे। जवानों को देख नक्सली भाग गए और मौके से टीवी, भरमार बंदूक समेत नक्सलियों द्वारा डंप की गई सामग्री बरामद हुई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक भेजी थानाक्षेत्र के दंतेशपुरम इलाके में लगातार नक्सलियों के होने की सूचनाएं मिल रही थी। जिसके बाद शनिवार की रात डीआरजी व बस्तर फाईटर के जवानों को दंतेशपुरम, भंडारपदर व नागाराम इलाके में आपरेशन हेतु रवाना किया गया। रविवार की सुबह लगभग आठ बजे दंतेशपुरम के जंगलों में जवानों की हलचल देख नक्सली जंगल की आड़ लेकर भाग निकले। उसके बाद जब जवानों ने आसपास इलाके की सर्चिंग की तो मौके से नक्सल सामग्री बरामद हुई। उसके बाद जवान वापस सकुशल कैंप लौट आए। घटना स्थल से सर्चिंग के दौरान एक भरमार बंदूक, टीवी, टिफन बम, प्रेशर आईईडी, सिरिंज, ढफली, ढोलक, बम फटाका, मोबाइल चार्जर, बैटरी पिन, नक्सली बैनर, नक्सली साहित्य व दवाईयां बरामद हुईं।

भारत में कोई बड़ा हमला हुआ तो पाकिस्तान में घुस कर मारेंगे: राजनाथ

श्रीनगर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर भारत में कोई बड़ा आतंकवादी हमला होता है, तो पाकिस्तान के अंदर घुसकर मारा जाएगा। श्री सिंह ने जम्मू-कश्मीर में बांदीप-ोरा जिले के सीमावर्ती इलाके गुएज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान लगातार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि जम्मू-कश्मीर में फिर से आतंकवाद फैल जाए। रक्षा मंत्री ने कहा, वे (पाकिस्तान) नहीं चाहते कि यहां लोकतंत्र पनपे। लेकिन लोगों का साहस देखने के बाद मुझे यकीन है कि अब दुनिया की कोई भी ताकत यहां के लोकतंत्र को कमजोर नहीं कर सकती है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को यह नहीं भूलना चाहिए कि यह एक नया भारत है और आतंकवाद के खिलाफ, अगर जरूरत पड़ी तो वह सीमा पार जाकर उसका सामना कर सकता है। उन्होंने कहा, और जो लोग सीमा पार से भारत को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं, मैं उनसे भी कहना चाहता हूं कि अगर भारत में कोई बड़ा आतंकवादी हमला होता है, तो वे जहां भी बैठे हों, हम घुस कर मारेंगे। श्री सिंह ने कहा कि जब से उनकी सरकार सत्ता में आई है, कश्मीर में शांति है और इस सच्चाई से कोई इनकार नहीं कर सकता। उन्होंने पाकिस्तान की वित्तीय सेहत को लेकर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, वर्ष 2014-15 में जम्मू-कश्मीर को विशेष पीएम पैकेज दिया गया था। आज पीएम पैकेज 90,000 करोड़ रुपये का है। और आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यह राशि कितनी है। जिस राशि के लिए पूरा पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सामने भीख मांग रहा था, हमारी सरकार ने उससे कहीं ज्यादा जम्मू-कश्मीर को दी है।

उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर के विकास और यहां के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम करती है। श्री सिंह ने कहा, और पाकिस्तान में वित्तीय सहायता का इस्तेमाल आतंकवाद की फैक्टरियां चलाने के लिए किया जाता है और यह लंबे समय से चल रहा है। आतंकवाद का यह कारोबार लंबे समय तक नहीं चलने वाला है। मैं आपको यह आश्वासन देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में आतंकवाद की हर घटना के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। पूरी दुनिया में आतंकवाद फैलाने के लिए पाकिस्तान बेनकाब हो चुका है। रक्षा मंत्री ने भारत की ओर से पाकिस्तान से संपर्क बढ़ाने का जिक्र करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी पैदल ही पाकिस्तान गये थे। उन्होंने श्री मोदी की वर्ष 2015 की लाहौर यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी सभी प्रोटोकॉल तोड़कर नवाज शरीफ के लिए पाकिस्तान गये। भारत में हर सरकार ने पाकिस्तान को समझाया है कि वह अपनी धरती पर चल रहे आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को बंद करे, लेकिन आज तक उसने उन्हें बंद नहीं किया। यहां तक कि अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद भी पाकिस्तान अपनी कायराना हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। श्री सिंह ने कहा कि पाकिस्तान हमेशा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत और कश्मीर को बदनाम करने की कोशिश करता है।उन्होंने कहा, इस बार तुर्की ने पाकिस्तान का साथ छोड़ दिया और उसने संयुक्त राष्ट्र के भाषण में कश्मीर का जिक्र नहीं किया। तुर्की ने भी पाकिस्तान को समझ लिया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के दो परिवारों अब्दुल्ला और मुफ्ती पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्होंने प्रदेश में केवल राजनीति की है। रक्षा मंत्री ने लोगों से गुरेज घाटी के समग्र विकास को देखने के लिए भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने का आग्रह करते हुए कहा, जम्मू-कश्मीर का चुनाव सरल नहीं है। यह भारत के लोकतंत्र की ताकत है। और यह इसकी विशिष्टता की अभिव्यक्ति है। इस देश के निर्माण में हर व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। एक महत्वपूर्ण वोट देकर आप अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

कठुआ मुठभेड़

एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया

जम्मू, 29 सितंबर (ब्यूरो)। कठुआ जिले के बिलावर इलाके में रविवार को चल रही मुठभेड़ में एक अज्ञात आतंकवादी मारा गया है। इस बीच समाचार भिजवाए जाते समय राजौरी में आतंकियों के साथ मुठभेड़ शुरू हुई थी। इस मुठभेड़ में 2 से 3 आतंकियों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह बिलावर में ऑपरेशन फिर से शुरू किया गया और गोलीबारी के दौरान एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया और उसका शव भी बरामद कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि इलाके में ऑपरेशन अभी भी जारी है, एडीजीपी जम्मू आनंद जैन व्यक्तिगत रूप से पूरे ऑपरेशन की निगरानी कर रहे हैं।

कल, सुरक्षा बलों द्वारा एक विशेष इनपुट प्राप्त होने के बाद बिलावर में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई थी। आतंकवादियों के साथ शुरुआती गोलीबारी के दौरान एक हेड कांस्टेबल मारा गया, जबकि एक डीएसपी और एक एएसआई घायल हो गए और उनकी हालत स्थिर बताई गई है

इस बीच राजौरी जिले के मनियाल गली इलाके में रविवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी हुई और फिर यह मुठभेड़ में बदल गई। अधिकारियों पे बताया कि सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर लिया है। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, राजौरी के मनियाल गली (पी/एस थानामंडी के जे/डी) में सुरक्षा बलों द्वारा संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि संपर्क स्थापित हो गया है और दोनों ओर से कुछ राउंड फायर किए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण के लिए मंच तैयार

40 सीटों पर 415 प्रत्याशियों के लिए 39.18 लाख डालेंगे वोट

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 29 सितंबर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पांडुरंग के पोल ने बताया कि एक अक्टूबर 2024 को केंद्र शासित प्रदेश के 7 जिलों के 40 विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण के दौरान 39.18 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं।

कश्मीर डिवीजन में, करनाह, त्रेहगाम, कुपवाड़ा, लोलाब, हंदवाड़ा, लंगेट, सोपोर, रफियाबाद, उड़ी, बारामुला, गुलमर्ग, वागूरा-क्रीरी, पट्टन, सोनावारी, बांदीपोरा, गुरेज (एसटी) सहित 16 विधानसभा क्षेत्र और जम्मू डिवीजन में 24 विधानसभा क्षेत्र जिनमें उधमपुर पश्चिम, उधमपुर पूर्व, चनेनी, रामनगर (एससी), बनी, बिलावर, बसोहली, जसरोटा, कठुआ (एससी), हीरा शामिल हैं। जबकि, रामगढ़ (एससी), सांबा, विजयपुर, बिश्नाह (एससी), सुचेतगढ़ (एससी), आरएस पुरा, जम्मू दक्षिण, बाहु, जम्मू पूर्व, नगरोटा, जम्मू पश्चिम, जम्मू उत्तर, अखनूर (एससी), छंब में भी इस चरण में मतदान होगा। इस चरण में कुपवाड़ा, बारामुला, बांदीपोरा, उधमपुर, सांबा, कठुआ और जम्मू के 7 जिलों में 5060 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर पीठासीन अधिकारी सहित चार चुनाव कर्मचारियों की तैनाती होगी। कुल मिलाकर, तीसरे चरण के चुनाव के लिए 20,000 से अधिक मतदान कर्मचारी ड्यूटी पर तैनात किए जा रहे हैं।

कुल 39,18,220 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। इनमें से 20,09,033 पुरुष मतदाता, 19,40,092 महिला मतदाता और 57 तृतीय लिंग मतदाता हैं। 18-19 वर्ष की आयु के बीच के 1.94 लाख युवा, 35,860 विकलांग व्यक्ति और 85 वर्ष से अधिक आयु के 32,953 बुजुर्ग मतदाता भी इस चरण में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं।

50 मतदान केंद्र महिलाओं द्वारा प्रबंधित किए जाएंगे, जिन्हें पिंक मतदान केंद्र के रूप में जाना जाता है, 43 मतदान केंद्र विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों द्वारा संचालित किए जाएंगे और 40 मतदान केंद्र युवाओं द्वारा संचालित किए जाएंगे। साथ ही, पर्यावरण संबंधी चिंता के बारे में संदेश फैलाने के लिए 45 ग्रीन मतदान केंद्र और 33 अद्वितीय मतदान केंद्र होंगे। 29 मतदान केंद्र एलओसी/आईबी के पास वहां रहने वाले निवासियों के लिए स्थापित किए गए हैं। इन विशेष मतदान केंद्रों के पीछे का उद्देश्य महिलाओं, विशेष रूप से सक्षम लोगों, पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं जैसे समाज के वर्गों के बीच जागरूकता फैलाना है ताकि वे आगे आएं और अपने वोट के अधिकार का प्रयोग करें।

अध्यात्म और आस्था का सजीव प्रतीक है खाटू श्याम दिल्ली धाम

मंदिर परिसर में हुआ श्रीमद् भागवत धाम का उद्घाटन

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने करनाल रोड स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर दिल्ली धाम में आयोजित कार्यक्रम सम्मिलित हुए। मंदिर परिसर में संतजनों के सानिध्य में श्री बिरला ने नवनिर्मित श्रीमद भागवत धाम का उद्घाटन किया।

श्री बिरला ने बाबा खाटू नरेश के दर्शन कर सभी के जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि खाटू श्याम जी प्रेम, भक्ति और श्रद्धा के प्रतीक हैं, उनकी महिमा असीम और अनन्त है। उनकी कृपा से ही समस्त भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। खाटू श्याम धाम केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है, बल्कि यह अध्यात्म और आस्था का सजीव प्रतीक है। राजस्थान के सीकर जिले के रींगस की तरह ही खाटू श्याम दिल्ली धाम ने पूरे भारत में अपनी विशेष पहचान बनाई है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह धाम सर्वधर्म समभाव का जीवंत प्रमाण है। यहां के 36 धाम, जैन मंदिर, गुरुद्वारा, और भारत माता का मंदिर इस बात का प्रतीक हैं कि खाटू श्याम जी के चरणों में सभी धर्मों, जातियों और सम्प्रदायों के लोग समान रूप से स्थान पाते हैं।

बरेली में अवैध मस्जिद निर्माण को लेकर बवाल

जमकर हुआ पथराव, धरने पर बैठे भाजपा एमएलए

बरेली, 29 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के केला डांडी गांव में हाल ही में अवैध मस्जिद निर्माण के चलते सांप्रदायिक तनाव फैल गया है। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने गांव के अंदर एक अवैध मस्जिद का निर्माण करना शुरू किया। यह मामला तब और बिगड़ गया जब अवैध निर्माण को लेकर हिंदू समाज के लोग सड़कों पर उतर आए और कथित तौर पर मस्जिद की दीवार का एक हिस्सा गिर गया। इस घटना के बाद पूरे गांव में तनाव फैल गया और पुलिस को भारी संख्या में तैनात करना पड़ा।

मुस्लिम समुदाय के फिदा हुसैन और उनके भाई आरिफ ने आबादी के बीच अपना प्लॉट मस्जिद के लिए दान कर दिया। इसके बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने उस प्लॉट पर दीवारें खड़ी कर दीं और वहां मस्जिद का निर्माण शुरू कर दिया।

दीवारों पर मस्जिद की पेंटिंग कर दी गई और नमाज पढ़ी जाने लगी। लेकिन यह निर्माण बिना किसी सरकारी अनुमति के किया गया था, जो विवाद का मुख्य कारण बना। हिंदू समुदाय के लोगों ने करीब तीन महीने पहले ही इस अवैध निर्माण को लेकर प्रशासन से शिकायत की थी। उस समय प्रशासन ने पुलिस की मौजूदगी में निर्माण कार्य रुकवा दिया था और उस स्थान पर ताला भी डलवा दिया था। हालांकि, उसके बाद भी अवैध निर्माण को पूरी तरह से नहीं तुड़वाया गया, जिससे हिंदू समाज में नाराजगी बढ़ने लगी।

स्थिति तब और बिगड़ी जब कथित तौर पर शुक्रवार 27 सितंबर को हिंदू समाज के लोगों ने अवैध मस्जिद की दीवार का एक हिस्सा गिरा दिया। इस घटना के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और अपनी निगरानी में फिर से दीवार बनवा दी। यह कदम पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े करने वाला था, क्योंकि हिंदू समाज का आरोप था कि पुलिस मुस्लिम पक्ष के साथ मिलकर काम कर रही थी और अवैध निर्माण को बढ़ावा दे रही थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हिंदू समाज के लोग फिर से सड़कों पर उतर आए और धरने पर बैठ गए।

विधायक डॉ. एमपी आर्या भी इस विवाद में सक्रिय रूप से शामिल हो गए। जब उन्हें इस मामले की जानकारी हुई, तो वह तुरंत गांव पहुंचे और धरने पर बैठी महिलाओं के साथ शामिल हो गए। उन्होंने भी इस अवैध निर्माण को हटवाने की मांग की और पुलिस-प्रशासन की भूमिका पर कड़ी आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस पूरे मामले की जानकारी दी और पुलिस के रवैये की आलोचना की।

इस विवाद के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आए और गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। एसपी दक्षिणी मुकेश चंद्र मिश्रा ने इस मामले में कहा कि प्रशासन ने पहले भी मस्जिद के अवैध निर्माण को रुकवाने के लिए कदम उठाए थे। उन्होंने बताया कि मजिस्ट्रेट के आदेश पर पहले ही निर्माण कार्य को रुकवाया गया था, लेकिन हिंदू पक्ष का आरोप था कि वहां नमाज अदा की जा रही थी और यह निर्माण चोरी-छिपे फिर से शुरू किया गया था।

इस विवाद ने उस समय और गंभीर रूप ले लिया जब दोनों समुदायों के बीच पथराव होने लगा। सोशल मीडिया पर इस पथराव की कई वीडियो वायरल हो गईं, जिनमें देखा जा सकता है कि दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर पत्थर फेंक रहे हैं। इस घटना के बाद इलाके में और तनाव फैल गया। पुलिस ने मौके पर तुरंत फायर ब्रिगेड की गाड़ी मंगवाई और छतों से फेंके जा रहे पत्थरों को रोकने के लिए सुरक्षा बढ़ाई गई।

पथराव के बाद पुलिस ने 12 लोगों को हिरासत में लिया। ये लोग मुख्य रूप से हिंदू समाज के थे, जिन पर अवैध निर्माण की दीवार गिराने का आरोप था। इस गिरफ्तारी ने हिंदू पक्ष के लोगों में और गुस्सा भर दिया, जिसके चलते उन्होंने विधायक एमपी आर्या के नेतृत्व में धरना देना शुरू कर दिया। धरने पर बैठे लोगों की मुख्य मांग यही थी कि पकड़े गए युवकों को बिना शर्त रिहा किया जाए और अवैध निर्माण को पूरी तरह से खत्म किया जाए। फिलहाल तनावपूर्ण हालात को देखते हुए गांव में कई थानों की पुलिस और पीएसी बल तैनात किया गया।

धर्मांतरण गिरोह से जुड़े लॉ छात्र समेत 4 गिरफ्तार

सैकड़ों को बना चुके हैं ईसाई

गाजियाबाद, 29 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में जबरन धर्मांतरण से जुड़ा एक संगीन मामला सामने आया है, जिसमें मोदीनगर इलाके से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें एक लॉ छात्र भी शामिल है। इन आरोपियों ने अब तक सौ से अधिक लोगों का धर्मांतरण करवाया है, जिसमें वे लोगों को लालच, दबाव, और डर के आधार पर ईसाई धर्म अपनाने के लिए मजबूर करते थे। इससे पहले, इसी प्रकार की घटना नंदग्राम में भी सामने आई थी, जहां एक अन्य गिरोह ने लोगों को धर्मांतरण के लिए फुसलाया था।

मोदीनगर पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें आशु, पोलूस मसीह, पास्टर रासी बालियार, और छट्टू कुमार शाह शामिल हैं। आशु, जो कि लॉ का छात्र है, पर अपनी चाची संगीता पर जबरन धर्मांतरण का दबाव बनाने का आरोप है। आशु अपनी चाची और उनके पति पर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव डाल रहा था, और बीमारी के इलाज और अन्य सुविधाओं का लालच देकर उन्हें कन्वर्ट करने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने जब इस मामले की जांच की, तो आरोप सही पाए गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। यह भी पता चला कि इस मामले में दिल्ली से फंडिंग की जा रही थी। पोलूस मसीह को दिल्ली के एक संगठन से हर महीने 3,000 रुपए की फंडिंग मिलती थी, और उसे धर्म के प्रचार के लिए अलग से पैसे भी दिए जाते थे।

गिरफ्तार आरोपियों ने कबूल किया कि वे अब तक सौ से अधिक लोगों का धर्मांतरण करवा चुके हैं। विशेषकर बीमारी से पीड़ित लोग और युवा, जिन्हें नौकरी और शादी का लालच दिया जाता था, उनके निशाने पर थे। इस गिरोह के तार दिल्ली के अलावा गौतमबुद्ध नगर और अन्य राज्यों से भी जुड़े हुए हैं। नंदग्राम के सेवानगर में पहले सामने आई घटना में भी यही पैटर्न देखा गया था, जहां इंग्राहम स्कूल के पीटीआई और पादरी को गिरफ्तार किया गया था। उस मामले में भी सैकड़ों लोगों का धर्मांतरण करने की बात सामने आई थी, और पुलिस ने इस गिरोह के संबंध मुंबई और केरल से होने की आशंका जताई थी।

धर्मांतरण के इन मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया है। डीसीपी देहात सुरेंद्रनाथ तिवारी के अनुसार, नंदग्राम और मोदीनगर दोनों ही मामलों की जांच के लिए अलग-अलग एसआईटी बनाई गई हैं, जो डीसीपी के तहत काम करेंगी।

पुलिस अब आरोपियों के बैंक खातों, मोबाइल डेटा और विदेशी फंडिंग के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। इसके अलावा, जिन लोगों का धर्मांतरण करवाया गया है, उनकी भी जानकारी एकत्र की जा रही है।

यूपी के बहुमुखी विकास का मॉडल प्रेरणादायक : गोयल

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में केंद्रीय मंत्री ने की योगी सरकार की तारीफ

ग्रेटर नोएडा, 29 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य औद्योगिक मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश जिस तरह बहुमुखी विकास का मॉडल बना है, वह देश को विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाने में काफी सहायक हो रहा है। उन्होंने कहा, इस ट्रेड शो की सफलता उत्तर प्रदेश की बढ़ती हुई ताकत को दर्शाती है। ट्रेड शो में आयोजित वेलिडिक्टरी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आए केंद्रीय मंत्री ने कहा, यहां जिस तरह बॉयर्स आ रहे हैं और उत्पादों के प्रति अपनी रुचि दिखा रहे हैं, वह देश के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

गोयल ने कहा कि प्रदेश सरकार जिस तरह कौशल विकास की तरफ फोकस कर रही है, उससे प्रदेश में कुशल इंप्लायमेंट बढ़ रहा है, जिसका फायदा उद्यमियों को भी मिल रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, योगी सरकार जिस तरह केंद्र की योजनाओं को प्रभावशाली तरीके से लागू कर रही है, वह भी अपने-आप में काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, कौशल विकास, ईज ऑफ डूईंग बिजनेस के साथ ही स्मार्ट सिटीज के डेवलपमेंट पर भी प्रदेश सरकार जिस तरह फोकस कर रही है, उससे प्रदेश, देश की शान बना हुआ है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज, खादी एंड विलेज इंडस्ट्रीज, हैंडलूम एंड टैक्सटाइल मंत्री राकेश सचान ने कहा कि प्रदेश में आज जिस तरह का माहौल है, उससे निवेशक आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 2017 में जहां केवल 88 हजार करोड़ का एक्सपोर्ट होता था, आज यह एक्सपोर्ट दोगुना से ज्यादा बढ़ चुका है। उन्होंने कहा, आने वाले दो वर्षों में एक्सपोर्ट 3 लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य सरकार ने रखा है। उन्होंने कहा, यह एक्सपोर्ट एमएसएमई के साथ ही ओडीओपी के माध्यम से आ रहा है। योगी जी के नेतृत्व में हर स्तर पर प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

कुंभ मेले में आधारभूत ढांचे के निर्माण में हजार करोड़ खर्च करेगा रेल मंत्रालय

कुंभ के दरम्यान चलेंगी 992 विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली/लखनऊ, 29 सितंबर (एजेंसियां)। रेल मंत्रालय कुंभ मेले के लिए बड़ी संख्या में विशेष ट्रेनें चलाने की दिशा में काम कर रहा है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुंभ मेले के दौरान 992 विशेष ट्रेनें संचालित की जाएंगी। कुंभ मेले का आयोजन अगले साल जनवरी में प्रयागराज में होना है। अधिकारियों के अनुसार, विशेष ट्रेनें चलाने के अलावा, मंत्रालय ने यात्रियों के लिए विभिन्न बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के निर्माण के लिए 933 करोड़ रुपए निर्धारित किए हैं।

कुंभ मेले के लिए प्रयागराज डिवीजन और आसपास के क्षेत्रों में 3,700 करोड़ रुपए की लागत से रेलवे ट्रैक के दोहरीकरण का काम तेजी से किया जा रहा है ताकि ट्रेनों की सुचारू आवाजाही हो सके। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उनके डिप्टी रवनीत सिंह बिट्टू और वी सोमन्ना ने 12 जनवरी से शुरू होने वाले कुंभ मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से निपटने के लिए व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए शनिवार को बैठकें कीं। अधिकारी ने बताया कि रेल मंत्री तैयारियों का जायजा लेने के लिए उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे जैसे संबंधित क्षेत्रों के महाप्रबंधकों सहित वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ नियमित वीडियो कॉन्फ्रेंस भी करते हैं।

अधिकारी के अनुसार, प्रयागराज, वाराणसी, दीन दयाल उपाध्याय नगर और लखनऊ जैसे संबंधित रेलवे डिवीजनों के डिवीजनल मैनेजर भी विभिन्न विकास कार्यों पर नियमित अपडेट देने के लिए इन बैठकों में भाग लेते हैं। कुंभ मेले में 30 से 50 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है, इसलिए रेल मंत्रालय ने प्रयागराज के लिए विभिन्न शहरों से 6,580 नियमित ट्रेनों के अलावा 992 विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 2019 में 24 करोड़ से ज़्यादा लोग कुंभ मेले में शामिल हुए थे और हमने अपनी 5,000 नियमित सेवाओं के अलावा 694 स्पेशल ट्रेनें चलाई थीं। उस अनुभव के आधार पर हमने स्पेशल ट्रेनों की संख्या 42 प्रतिशत बढ़ाकर 992 करने का फ़ैसला किया है। उन्होंने कहा, अगर संख्या बढ़ाने की ज़रूरत पड़ी तो हम उसके लिए भी बैकअप प्लान के साथ तैयार हैं।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि विभिन्न रोड ओवरब्रिज के काम पर लगभग 440 करोड़ रुपए खर्च होने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा कि शेष 495 करोड़ रुपए विभिन्न गतिविधियों पर खर्च किए जा रहे हैं, जैसे स्टेशनों तक जाने वाली सड़कों की मरम्मत, प्लेटफ़ॉर्म और उसके आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाना, स्टेशन पर प्रतीक्षालय के अलावा यात्रियों के लिए अतिरिक्त आवास इकाइयां और पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं। वाराणसी और झूसी के बीच रेल लाइनों का दोहरीकरण पूरा हो चुका है, जबकि प्रयागराज-रामबाग-झूसी और जंघई-फाफामऊ लाइन कुंभ मेला शुरू होने से पहले तैयार होने की उम्मीद है।

वैज्ञानिकों ने जाहिर की चिंता

...तो आगरा एक बंजर रेगिस्तान बन कर रह जाएगा

आगरा, 29 सितंबर (एजेंसियां)। ग्लोबल वार्मिंग का असर आगरा की मिट्टी पर भी पड़ने लगा है। तापमान लगातार बढ़ने से खेतों की मिट्टी से ऑर्गेनिक कार्बन, जिसे मिट्टी का खून कहा जाता है, घट रहा है। अधिक तापमान के कारण यह कार्बन डाई ऑक्साइड गैस में तब्दील होकर वायुमंडल में घुल जा रहा है। भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, आगरा के वैज्ञानिकों ने इसको लेकर चिंता जाहिर की है। उनका आकलन है कि अगर यह सिलसिला जारी रहा तो आगामी 20 वर्षों में आगरा की भूमि रेगिस्तान में तब्दील हो जाएगी।

न केवल ऑर्गेनिक कार्बन, बल्कि नाइट्रोजन, पोटाश, सल्फर, फॉस्फोरस, बोरोन और जिंक भी मिट्टी में तेजी से घट रहे हैं। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आरबी मीना ने बताया कि उन्होंने आगरा के फतेहाबाद, बाह, फतेहपुर सीकरी, जगनेर और बिचपुरी जैसे इलाकों की मिट्टी का समय-समय पर परीक्षण किया। इसमें पाया गया कि ऑर्गेनिक कार्बन की मात्रा बहुत तेजी से घट रही है। किसानों से वार्ता करने पर यह सामने आया कि वो रासायनिक खाद और कीटनाशकों का अत्यधिक इस्तेमाल कर रहे थे। इसके अलावा, मई से जुलाई तक तापमान भी 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहता है, जिससे ऑर्गेनिक कार्बन घट रहा है। आकलन है कि ऐसी ही स्थिति रही, तो अगले 20 से 30 वर्षों में सिर्फ 0.05% ऑर्गेनिक कार्बन ही मिट्टी में बचा रहेगा। उस स्थिति में खेतों को बंजर घोषित करना पड़ेगा। भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, आगरा के प्रधान डॉ. एसी राठौर ने बताया कि संस्थान की टीम लगातार मृदा का परीक्षण कर रही है। किसानों को समय-समय पर सचेत किया जा रहा है। सरकार को भी इस विषय पर रिपोर्ट भेजी जाती है।

जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि उनके पास बड़ी संख्या में किसान आते हैं, जो कम उपज, पौधों के कमजोर तने, जड़ों और पौधों की धीमी विकास दर की समस्याओं की शिकायत करते हैं। ऐसी स्थिति में सबसे पहले उनके खेत की मिट्टी का परीक्षण कराया जाता है, जिसमें पोषक तत्वों की कमी पाई जा रही है।

बरौली अहीर ब्लॉक के नगला शीशिया के किसान हरिकांत ने हाल में मृदा परीक्षण लैब, आगरा में अपने खेत की मिट्टी की जांच कराई। इसमें पाया गया कि इनके खेत में नाइट्रोजन की स्थिति 110.25, पोटाश 235, फॉस्फोरस 40 प्रतिशत ही रह गया है। पोषक तत्वों की कमी के कारण इनको फसल की सही उपज नहीं मिल पा रही है। बिचपुरी ब्लॉक के पथौली गांव के किसान जितेंद्र सिंह ने मृदा परीक्षण लैब में अपने खेत की मिट्टी की जांच कराई। इसमें पाया गया कि मिट्टी में नाइट्रोजन तत्व महज 94.5, पोटाश 258 और फॉस्फोरस 54 प्रतिशत ही रह गया है। उनको भी खेती में परेशानी सामने आ रही है। फसल की सही पैदावार नहीं मिल पा रही है। आगरा मंडल की मृदा परीक्षण/कल्चर लैब के सहायक निदेशक विकास सेठ ने बताया कि किसानों के खेत की मिट्टी की जांच के बाद लैब के प्रभारी डॉ. ब्रजराज सिंह रिपोर्ट के आधार पर सलाह दे रहे हैं। किसानों को बताया जा रहा है कि वह अपने खेत में किस प्रकार के और कितनी मात्रा में रसायनों का प्रयोग करें। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आरबी मीना के अनुसार, आगरा की मिट्टी भुरभुरी होने के कारण इसमें तत्व संरक्षण की क्षमता कम है। इसके विपरीत, कोटा (राजस्थान) की मिट्टी काली और चिकनी होती है, जो तत्व संरक्षण में सक्षम होती है। ऑर्गेनिक कार्बन की कमी के कारण आगरा की मिट्टी रेत में तब्दील होती जा रही है।

अफजाल अंसारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

गाजीपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। गांजा को लेकर विवादित बयान देने पर सांसद अफजाल अंसारी के खिलाफ धारा 353 (3) बीएनएस 2023 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। सांसद अफजाल अंसारी ने कुछ दिन पहले गांजा पीने को लेकर विवादित बयान दिया था। अफजाल अंसारी के उस विवादित बयान के बाद साधु संतों ने भी आलोचना की थी। अफजाल अंसारी के उस बयान का संज्ञान लेते हुए सदर कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई।

अफजाल अंसारी ने हाल ही में कहा था कि गांजा को वैध किया जाए। गांजा के बारे में अफजाल ने कहा था कि लाखों लोग खुलेआम गांजा पीते हैं। अफजाल अंसारी ने धार्मिक आयोजन में भी गांजा पीने को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था। गांजा को लेकर अफजाल अंसारी ने कुंभ मेले को भी बदनाम करने का प्रयास किया। अफजाल अंसारी के बयान पर साधु-संतों में आक्रोश देखने को मिला। अखिल भारतीय संत समिति के स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि सांसद अफजाल अंसारी ने जो कुछ कहा वो अमर्यादित है। अन्य साधु संतों ने कहा कि महाकुंभ का आयोजन सनातन का एक महत्वपूर्ण पर्व है। इस पर्व के बारे में इस प्रकार की अमर्यादित टिप्पणी करना बिल्कुल भी उचित नहीं है।

संपादकीय

निर्लज्ज वकालत

यह ज्यादा पुरानी बात नहीं है। पिछले ही माह स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री ने राज्य सरकारों को नसीहत दी थी कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अत्याचारों के मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। भले ही तात्कालिक रूप में उनके कथन का इशारा कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुराचार के बाद की गई नृशंस हत्या की तरफ था। उनकी इस बात को राज्यों को व्यापक संदर्भ में लिया जाना चाहिए। वैसे यह संभव नहीं है कि प्रधानमंत्री की स्मृति में वर्ष 2002 के गुजरात के सांप्रदायिक दंगों के दौरान अमानवीय बर्बरता की शिकार बिलकिस बानो का मामला न रहा हो। इस दुखद घटना में गर्भावस्था के दौरान न केवल उसके साथ दुराचार हुआ था बल्कि उसके भरे-पूरे परिवार के सात सदस्यों की भी हत्या कर दी गई थी। सर्वविदित है कि मोदी उन दिनों गुजरात के मुख्यमंत्री थे। संयोग से यह एक और स्वतंत्रता दिवस था, जब वर्ष 2022 में भारत आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहा था तो गुजरात सरकार ने उन ग्यारह दोषियों को रिहा कर दिया था, जिन्हें इस मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनायी गई थी। दलील दी गई कि तकनीकी तौर पर वे उम्रकैद की निर्धारित अवधि पूरी कर चुके हैं और उनका जेल में व्यवहार संतोषजनक है। जैसे ही ये दोषी ठहराये लोग गोधरा उप-जेल से बाहर निकले, उनका फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया गया था। जैसे वे अक्षम्य अपराध के अपराधी नहीं बल्कि समाज के नायक हों। उल्लेखनीय है कि इस कांड के दोषियों को रिहा करने के चौंकाने वाले फैसले पर विवाद होने और न्यायिक सक्रियता के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद्द कर दिया था। इस मामले में न केवल राजनीतिक स्तर पर विरोध हुआ बल्कि पीड़ित पक्ष ने दोषियों की रिहाई का कड़ा प्रतिवाद किया था। पीड़ित पक्ष ने दोषियों की रिहाई को अपनी सुरक्षा के लिये खतरा बताते हुए न्यायिक संरक्षण की मांग की थी। इसके बावजूद राज्य सरकार इस मामले में लगातार बचाव करती रही है। अब इस फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली राज्य सरकार की कोशिश को शीर्ष अदालत ने खारिज कर दिया है। इस कोशिश से संदेह करने की कोई गुंजाइश नहीं रह जाती कि राज्य के अधिकारियों ने दो साल पहले सजा माफी के लिये आधार तैयार करने के लिये तथ्यों को छिपाकर अदालत की दूसरी पीठ को भ्रमित किया था। उल्लेखनीय है कि पीड़ित पक्ष ने इस मामले में अदालती सुनवाई गुजरात से बाहर करने की मांग की थी। उन्हें आशंका थी कि यदि राज्य में मामले में मुकदमा चलता है तो गवाहों पर दबाव बनाकर न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित किया जा सकता है। इन्ही बातों के मद्देनजर इस मामले में महाराष्ट्र में मुकदमा चला और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद दोषियों को सजा सुनाई गई थी। निश्चित रूप से इस मामले में माफी आदेश पारित करने का अधिकार भी सिर्फ और सिर्फ महाराष्ट्र सरकार का था। जबकि येन-केन-प्रकारेण गुजरात सरकार ने यह अधिकार हथिया लिया। इसी कड़ी में कालांतर केंद्र सरकार ने आजीवन कारावास की सजा काट रहे लोगों की समय पूर्व रिहाई पर अपनी मोहर लगा दी थी। अब जब एक बार फिर गुजरात सरकार ने इस मामले में मुंह की खाई है तो निश्चित रूप से इस घटनाक्रम ने उसे आत्मनिरीक्षण करने को बाध्य किया होगा। वहीं दूसरी ओर गुजरात सरकार को प्रधानमंत्री के वे शब्द नहीं भूलने चाहिए, जिसमें उन्होंने कहा था- 'हमें महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वालों में डर की भावना पैदा करने की जरूरत है।' अब चाहे कोई भी राज्य सरकार हो, उसे अपराधियों को संरक्षण देते नजर नहीं आना चाहिए। निश्चित रूप से इससे सरकार की विश्वसनीयता पर आंच ही आएगी। वहीं दूसरी ओर सरकारों की ऐसी भूमिका से अपराधियों का हौसला ही बढ़ेगा। सरकारों का दायित्व बनता है कि वे धर्म व जाति की सीमाओं से परे पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने की ईमानदार कोशिश करें। साथ ही समाज में न्याय होता नजर भी आना चाहिए।

भले ही तात्कालिक रूप में उनके कथन का इशारा कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुराचार के बाद की गई नृशंस हत्या की तरफ था। उनकी इस बात को राज्यों को व्यापक संदर्भ में लिया जाना चाहिए। वैसे यह संभव नहीं है कि प्रधानमंत्री की स्मृति में वर्ष 2002 के गुजरात के सांप्रदायिक दंगों के दौरान अमानवीय बर्बरता की शिकार बिलकिस बानो का मामला न रहा हो। इस दुखद घटना में गर्भावस्था के दौरान न केवल उसके साथ दुराचार हुआ था बल्कि उसके भरे-पूरे परिवार के सात सदस्यों की भी हत्या कर दी गई थी। सर्वविदित है कि मोदी उन दिनों गुजरात के मुख्यमंत्री थे। संयोग से यह एक और स्वतंत्रता दिवस था, जब वर्ष 2022 में भारत आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहा था तो गुजरात सरकार ने उन ग्यारह दोषियों को रिहा कर दिया था, जिन्हें इस मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनायी गई थी। दलील दी गई कि तकनीकी तौर पर वे उम्रकैद की निर्धारित अवधि पूरी कर चुके हैं और उनका जेल में व्यवहार संतोषजनक है। जैसे ही ये दोषी ठहराये लोग गोधरा उप-जेल से बाहर निकले, उनका फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया गया था।

भारतीय चिकित्सा विधाओं में समन्वय की दिशा में सार्थक पहल करने का श्रेय दिया जाना चाहिए

योग एवं योग-निद्रा के चमत्कारी प्रभाव से वैज्ञानिक सहमत

ललित गर्ग

अमेरिका, यूरोप व खासकर चीन में योग को लेकर बड़े शोध किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार के सम्मानित एक अमेरिकी न्यूरो सर्जन ने माना था कि प्राणायाम मानसिक रोगों के उपचार में सबसे ज्यादा प्रभावी है। हाल ही में आईआईटी व एम्स दिल्ली द्वारा एमआरआई के जरिये कराये गए एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि योग निद्रा से न केवल नींद की गुणवत्ता बढ़ती है बल्कि मन के भटकाव को रोककर नींद को भी नियंत्रित किया जा सकता है। योग अनेक असाध्य बीमारियों को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो रहा है।

विश्व में भारतीय योग की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, योग के चमत्कारी प्रभावों को अब विज्ञान भी स्वीकारने लगा है। अमेरिका, यूरोप व खासकर चीन में योग को लेकर बड़े शोध किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार के सम्मानित एक अमेरिकी न्यूरो सर्जन ने माना था कि प्राणायाम मानसिक रोगों के उपचार में सबसे ज्यादा प्रभावी है। हाल ही में आईआईटी व एम्स दिल्ली द्वारा एमआरआई के जरिये कराये गए एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि योग निद्रा से न केवल नींद की गुणवत्ता बढ़ती है बल्कि मन के भटकाव को रोककर नींद को भी नियंत्रित किया जा सकता है। योग अनेक असाध्य बीमारियों को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार को देश-विदेश में योग को प्रतिष्ठित करने तथा एलोपैथी व अन्य भारतीय चिकित्सा विधाओं में समन्वय की दिशा में सार्थक पहल करने का श्रेय दिया जाना चाहिए। उनके प्रयत्नों से भारतीय योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्जा एवं एक अनूठी पहचान हासिल करने में सफल हो रहा है।

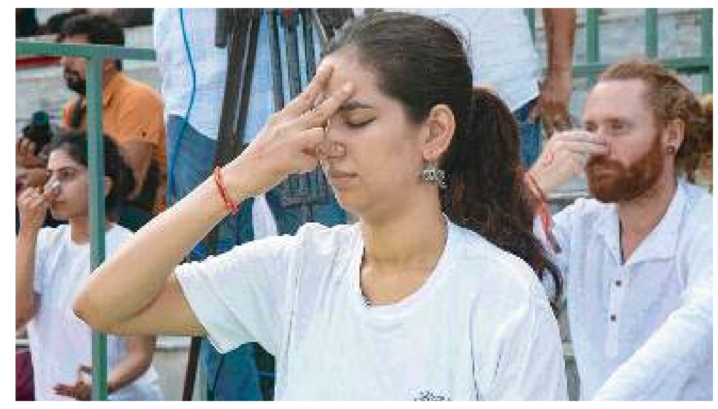

आज हर व्यक्ति एवं परिवार अपने दैनिक जीवन में अत्यधिक तनाव/दबाव एवं अनिद्रा महसूस कर रहा है। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वंद्व और मानसिक उथल-पुथल की जिंदगी जी रहा है। मनुष्य के सम्मुख जीवन का संकट खड़ा है। मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो रहा है। मानसिक संतुलन का अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में तालमेल स्थापित करना, जिसका सशक्त एवं प्रभावी माध्यम योग ही है। योग एक ऐसी तकनीक है, एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करती है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करती है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम और कसरत करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से खुश और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करती है। नये शोध से तथ्य सामने आया है कि नियमित योग व ध्यान करने वाले प्रतिभागियों की नींद को नियंत्रित करने की क्षमता सामान्य प्रतिभागियों से अधिक पायी गई। इस नये वैज्ञानिक शोध में ऐसे कई महत्वपूर्ण खुलासे हुए। निस्संदेह, जिन लोगों को कई तरह के मनोकायिक रोग होते हैं, उनके लिये योग निद्रा रामबाण सिद्ध हो सकती है। यही वजह है कि अमेरिका व आस्ट्रेलिया आदि देशों में व्यावसायिक तनाव कम करने हेतु योग निद्रा पर जोर दिया जाता है। दिल्ली में हुए शोध में योग निद्रा से चेतना के उच्चतम स्तर को हासिल करने के तथ्य को भी स्वीकारा गया। शोधकर्ताओं ने माना कि योग निद्रा के जरिये गहरे अवचेतन मन में दबी कुंठाओं को मानसिक सतह पर लाकर, कालांतर उनसे मुक्ति में मदद मिलती है। जिससे व्यक्ति की सेहत में सुधार होता है। पिछले दिनों कनाडा के ओंटेरियो यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन के अनुसार कुंठा और तनाव के लगभग 64 प्रतिशत मरीजों ने माना कि उन्हें इस बात का अंदाज नहीं था कि उनकी खास बीमारी की वजह अंदर दबा गुस्सा हो सकता है। यह गुस्सा दूसरों की वजह से शुरू होता है और अंततः इसे आप अपने ऊपर निकालने लगते हैं। कुछ मामलों में मरीजों ने अपने आपको नुकसान भी पहुंचाया।

विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है- जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे योग को अपनाना होगा। बार-बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, नींद न आना, मूड का बिगड़ते रहना- ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लड़ने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं। इनसे ग्रस्त व्यक्ति बहुत जल्दी बीमार पड़ जाता है। हमें अपनी भीतरी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम योग को अपनी जीवनशैली बनायेंगे। हमारी हजारों साल के योग की विरासत की सार्थकता निर्विवाद है। लेकिन प्रगतिशील कहे जाने वाले एक तबके का तर्क होता है कि योग को विज्ञान की कसौटी पर कसा जाए। इसी के मध्यनजर तरह-तरह के शोध एवं अनुंसधान योग को लेकर हो रहे हैं, अब आईआईटी व एम्स दिल्ली के शोध में यह बात सामने आयी है कि योग से आराम के गहरे अहसास होते हैं। दरअसल, योग निद्रा सोने और जागने के बीच एक सचेतन अवस्था है। जिसका उपयोग योगी ध्यान साधना के लिये करते रहे हैं। योग निद्रा की मानसिक सेहत के लिये उपयोगिता निर्विवाद रही है। शोध के दौरान बनाये गए दो समूहों में से नियमित योग करने वाले समूह के लोगों के मस्तिष्क के पैटर्न के तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि योग निद्रा हमारे मस्तिष्क को कैसे नियंत्रित करती है। योगी बताते हैं कि कुछ मिनटों की योग निद्रा कई घंटे की सामान्य नींद के मुकाबले ज्यादा आराम देने वाली होती है। व्यक्ति धीरे-धीरे योग निद्रा की अवधि बढ़ाकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकता है। वहीं यह हमारे ध्यान को गहरा बनाने में भी मददगार साबित हो सकती है।

अभी कुछ दिन पहले ही एक बात समाचारपत्रों में पढ़ी कि कैंसर क्यों होता है, इसके कई कारण हैं। एक कारण यह है कि जो लोग मस्तिष्क का सही उपयोग करना नहीं जानते उनके कैंसर हो सकता है। मस्तिष्क विज्ञानी तो यह भी कहते हैं कि मस्तिष्क की शक्तियों का केवल चार या पांच प्रतिशत उपयोग आदमी करता है, शेष शक्तियां सुप्त पड़ी रहती है। यह भी कहा जाता है कि कोई मस्तिष्क की शक्तियों का उपयोग सात या आठ प्रतिशत करने में समर्थ हो जाए तो वह दुनिया का सुपर जीनियस बन सकता है। इस आधार पर तो हम यही कह सकते हैं कि हम अपने मस्तिष्क का सही और पूरा उपयोग करना नहीं जानते। चाहे कर्म का क्षेत्र हो या धर्म का क्षेत्र हो, दोनों में हम पिछड़े हुए हैं। सबसे पहले हमारी जानकारी मस्तिष्क विद्या के बारे में होनी चाहिए। योग विद्या भारत की सबसे प्राचीन विद्या है। योगविद्या के आचार्यों ने मस्तिष्क विद्या से दुनिया का परिचय कराया था।

बहुत सारी शारीरिक एवं मानसिक समस्याएं अज्ञान के कारण पैदा होती हैं। शरीर और उसके विभिन्न अवयवों के बारे में जानकारी के अभाव में आदमी के सामने अनेक शारीरिक कठिनाइयां खड़ी हो जाती हैं। हमारे मस्तिष्क में एक पर्त है एनीमल ब्रेन की। वह पर्त सक्रिय होती है तो आदमी का व्यवहार पशुवत हो जाता है। जितने भी हिंसक और नकारात्मक भाव हैं, वे इसी एनीमल ब्रेन की सक्रियता का परिणाम है।

दृष्टि कोण

असहाय भाव से मुक्त कीजिए युवाओं को

अपने हालिया अमेरिकी दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका में बसे भारतीयों को पिछले एक दशक में हुए भारत के विकास का विवरण दे रहे थे। उन्होंने आंकड़े देकर बताया कि इस दौरान भारत में कितने आईआईटी और कितने आईआईएम खोले गए। उनका यह भाषण देश के टीवी चैनलों पर शायद लाइव दिखाया जा रहा था। मुम्बई की लोकल गाड़ी में मेरे साथ बैठे कुछ युवा मोबाइल पर यह सब देख रहे थे। तभी उनमें से एक बोल पड़ा, 'इनको पता ही नहीं है कि देश के कितने नौजवान बेकार बैठे हैं...' वह आगे कुछ और भी कह रहा था, पर मेरा ध्यान इसी वाक्यांश पर अटक गया कि 'इनको पता ही नहीं है।' इनको यानी उन सबको जिनके कंधों पर यह जानने का बोझ है कि उनकी नीतियों से देश का नौजवान कितना लाभान्वित हो रहा है। उस दिन एक खबर आई थी टी.वी. पर। खबर हरियाणा के बारे में थी, जहां आजकल दिन-रात हमारे नेतागण अपनी तारीफों और दूसरों की बुराइयों में लगे हुए हैं। खबर में बताया गया था कि सफाई कर्मचारी के पद पाने के लिए तीन लाख 95 हजार युवाओं ने आवेदन किया है। खबर में यह भी बताया गया था कि इनमें से चालीस हजार तो स्नातक पदवीधारी हैं और लगभग सवा लाख बारहवीं पास हैं! कोई भी काम छोटा नहीं होता, लेकिन इस खबर से यह तो पता चल ही रहा है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था का नागरिकों के जीवन-यापन से कितना और कैसा रिश्ता है। सफाई का काम कर पाने के लिए किसी को कितनी पढ़ाई करने की आवश्यकता है? किसी का स्नातक होना तो इसकी अर्हता हो ही नहीं सकती। होनी भी नहीं चाहिए। सफाई कर्मचारी की नौकरी पाने के लिए तो यह लगभग चालीस हजार युवा नहीं पढ़ रहे थे। कुछ सपने होंगे इनके भी। निश्चित रूप से जीवन की विवशताओं के समक्ष हार मानने के बाद ही इन युवाओं ने इस नौकरी के लिए आवेदन किया होगा। क्या उन्हें यह बात पता है जिन्हें पता होनी चाहिए? मुम्बई की लोकल गाड़ी में सफर करने वाले उस युवक ने अपने प्रधानमंत्री का भाषण सुनते हुए कहा था, 'इन्हें पता ही नहीं है...' सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनमी (सीएमआईई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, अखिल भारतीय बेरोजगारी की दर 9.2 प्रतिशत है। अपने विकसित देश होने का सपना देखने वाले देश के लिए यह आंकड़े चिंता और शर्म दोनों का विषय होने चाहिए। हमारे नेता यह बात करते नहीं थकते कि पिछले एक दशक में हमारी अर्थव्यवस्था 90 प्रतिशत बढ़ गई है और भारत के लोग नए विश्वास से भरे हुए हैं। ये दोनों बातें सही हो सकती हैं, पर इस तथ्य को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि आज देश में रोजगार के अवसर उतने नहीं हैं जितने होने चाहिए। आईआईएम और आईआईटी संबंधी दावों के बरक्स सच्चाई यह भी है कि हमारे विश्वविद्यालयों में से एक भी ऐसा नहीं है जिसकी गणना दुनिया के श्रेष्ठ समझे जाने वाले पहले सौ विश्वविद्यालयों में की जा सकती हो! अमेरिका में अपने भाषण में प्रधानमंत्रीजी ने हमारे सदियों पुराने विख्यात नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से साकार करने का सपना दिखाया है। कौन नहीं चाहेगा कि उनका यह सपना साकार हो? पर इस सच्चाई को भी नहीं झुठलाया जा सकता कि अमेरिका में बसे जिन भारतीयों को वे संबोधित कर रहे थे, उनमें से अधिसंख्य वहां के श्रेष्ठ समझे जाने वाले विश्वविद्यालयों में पढ़ने गए थे। यूक्रेन और बांग्लादेश जैसे छोटे देशों में भी हमारे देश के विद्यार्थी पढ़ने जा रहे हैं! बेहतर स्वास्थ्य, बेहतर शिक्षा और बेहतर जीवन-स्तर किसी भी देश के विकसित होने को सही तरीके से परिभाषित करते हैं। किसी भी अर्थव्यवस्था की सफलता और मजबूती का बुनियादी मानदंड यही है कि हर हाथ को काम, हर सिर को छत, और हर नागरिक को आगे बढ़ने का उचित और पर्याप्त अवसर मिले।

कुछ अलग

प्रतिभाओं से छल

सुप्रीम कोर्ट की उस तल्ख टिप्पणी के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है जिसमें अदालत ने सख्त लहजे में कहा- 'पंजाब में एनआरआई कोटे का बिजनेस बंद हो, यह धोखाधड़ी है।' शायद, कोर्ट निर्लज्ज राजनीति पर इससे ज्यादा सख्त टिप्पणी नहीं कर सकता। कोर्ट ने तो यहां तक कह दिया कि मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश में मनमानी कुछ और नहीं सिर्फ पैसा घुमाने की मशीन है। निस्संदेह, मेडिकल कॉलेजों के कर्ताधर्ताओं से मिलीभगत करके एनआरआई की व्यापक परिभाषा का उपयोग आर्थिक लाभ पाने की मंशा से किया जा रहा था। राजनीतिक जिद देखिये कि पंजाब सरकार के इस बाबत जारी अध्यादेश को पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट पहले ही रद्द कर चुका है। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट में मामले को ले जाया गया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि यह फर्जीवाड़ा बंद होना चाहिए। एनआरआई के दूर के रिश्तेदारों को आरक्षण का लाभ देकर मेधावी छात्रों के भविष्य पर कुठाराघात किया जाता। जिसकी अनुमति किसी भी सूरत में नहीं दी जा सकी। इस कदम से एनआरआई कोटे का मूल मकसद ही समाप्त हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला व जस्टिस मनोज मिश्र शामिल थे। मुख्य न्यायाधीश का कहना था कि मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिये संशोधन का प्रयास प्रॉस्पेक्टस जारी होने के बाद किया गया, जो सरकार की नीयत-नीति पर सवाल पैदा करता है। अदालत का मानना था कि एनआरआई कोटे का मूल मकसद एनआरआई व उनके बच्चों को लाभ पहुंचाना था। जिससे उन्हें भारत में मेडिकल शिक्षा पाने का मौका मिल सके। सरकार की हालिया पहल नीति के मूलभूत उद्देश्य को बाधित करती है। तभी शीर्ष अदालत ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट के अध्यादेश पर रोक लगाने के फैसले को उचित ठहराया। निस्संदेह, यदि सरकार अपने मकसद में कामयाब हो जाती तो नीट परीक्षा में कई गुना अधिक नंबर हासिल करने वाले छात्र मेडिकल कालेजों में दाखिला पाने से वंचित हो जाते। निस्संदेह, राज्य सरकार की ऐसी कोशिशों से उन मेधावी छात्रों के साथ अन्याय होता, जो सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं। ये कोशिश नैसर्गिक न्याय के विरुद्ध होती। फिर यह डॉक्टरी जैसे गंभीर संवेदनशील पेशे के लिये भी घातक होता कि अयोग्य लोग मरीजों का उपचार करने के अधिकारी बन जाते। यानी हम समाज में अयोग्य डॉक्टरों को उपचार करने की अनुमति देते। जो दूसरे शब्दों में नीम-हकीम खतराये जान वाली कहावत को चरितार्थ करता। फिर जो लोग लाखों-करोड़ की फीस देकर डॉक्टरी की डिग्री हासिल करते, वे चिकित्सा पेशे में सेवा के पवित्र मकसद के बजाय मुनाफे के मेवे पर ध्यान केंद्रित करते। जो समाज में लगातार महंगे होते उपचार को बढ़ावा देने वाला ही होता। इसी तरह चिकित्सा के पेशे में आने वाले तमाम मेधावी छात्रों के साथ भी यह अन्याय होता। यह विडंबना है ही कि देश में चिकित्सा की पढ़ाई लगातार महंगी होती जा रही है। सामान्य परिवारों के लिये चिकित्सा शिक्षा हासिल करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। इस संकट को निजी मेडिकल कालेजों की मुनाफाखोरी ने बढ़ावा ही दिया है। जिस देश में पहले ही आबादी के मुकाबले डॉक्टरों की संख्या विश्व मानकों के अनुपात में कम है, वहां महंगी होती मेडिकल शिक्षा स्थिति को और विकट ही बनाएगी। बहुत संभव है कि एनआरआई कोटे से शिक्षा हासिल करने वाले छात्रों की प्राथमिकता देश के बजाय विदेश में प्रेक्टिस करने की होती।

देश दुनिया से

श्रीलंका की दिशा-दशा तय करेंगे दिसानायके

राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद बने माहौल में संसद के लिये नया जनादेश पाने के लिये उन्होंने संसद को भंग कर दिया है। इस मामले में भारतीय कूटनीति की दाद देनी होगी कि श्रीलंका में राजनीतिक रुझान को महसूस करके गत फरवरी में अनुरा दिसानायके का सफल भारत दौरा आयोजित किया गया। अब ये आने वाला वक्त बताएगा कि वामपंथी रुझान वाले दिसानायके दिल्ली की दक्षिणपंथी रुझान वाली सरकार से कैसा तालमेल बनाएंगे। बहरहाल, श्रीलंका में राजनीतिक भ्रष्टाचार, आर्थिक बदहाली व परंपरागत सत्ताधीशों के प्रति अविश्वास से मुक्त कराने के वादे ने दिसानायके को ताकत दी है। दो साल पहले धराशायी अर्थव्यवस्था में प्राण फूंकने के उनके आश्वासन पर श्रीलंका की जनता ने विश्वास किया है।

श्रीलंका के हालिया राष्ट्रपति चुनाव में अनुरा दिसानायके की जीत ने राजनीतिक पंडितों को चौंकाया है। वजह यह है कि पिछले राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें महज तीन फीसदी मत ही मिले थे। वहीं संसद में उनके गठबंधन के महज तीन सांसद थे। यही वजह है कि राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद बने माहौल में संसद के लिये नया जनादेश पाने के लिये उन्होंने संसद को भंग कर दिया है। इस मामले में भारतीय कूटनीति को दाद देनी होगी कि श्रीलंका में राजनीतिक रुझान को महसूस करके गत फरवरी में अनुरा दिसानायके का सफल भारत दौरा आयोजित किया गया। अब ये आने वाला वक्त बताएगा कि वामपंथी रुझान वाले दिसानायके दिल्ली की दक्षिणपंथी रुझान वाली सरकार से कैसा तालमेल बनाएंगे। बहरहाल, श्रीलंका में राजनीतिक भ्रष्टाचार, आर्थिक बदहाली व परंपरागत सत्ताधीशों के प्रति अविश्वास से मुक्त कराने के वादे ने दिसानायके को ताकत दी है। दो साल पहले धराशायी अर्थव्यवस्था में प्राण फूंकने के उनके आश्वासन पर श्रीलंका की जनता ने विश्वास किया है। दूसरे राउंड में मिले अधिक मतों से वे पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को तीसरे स्थान में धकेलने में कामयाब हो गए। निस्संदेह, दिसानायके की यह जीत चौंकाने वाली है, जिसके मूल में भ्रष्टाचार के खिलाफ मुखरता और गरीबों को राहत देने के उनके एजेंडे को सार्थक प्रतिसाद मिला है। वे जनता में भरोसा जगाने में कामयाब हुए कि अब भी देश को मंदी व आर्थिक बदहाली के भंवर से निकाला जा सकता है। कभी भारत के मुखर विरोधी रहे राजनीतिक दल जनता विमुक्ति पेरामुना यानी जेवीपी से जुड़े रहे दिसानायके अब सरकार के खिलाफ चले हिंसक खूनी आंदोलन को गलत मानते हैं। केंद्रीय श्रीलंका के गालेवेला में 24 नवंबर, 1968 में जन्मे दिसानायके ने उस दौर में छात्र राजनीति में सक्रियता बढ़ाई जब रक्तपात से गुजरते श्रीलंका में वर्ष 1987 के दौरान भारत-श्रीलंका समझौता हुआ था। मध्य वर्गीय परिवार में जन्मे दिसानायके की शिक्षा सरकारी स्कूल में हुई। उन्होंने भौतिक विज्ञान में डिग्री हासिल की थी। तब युवाओं में पनपे देशव्यापी आक्रोश के बीच जेवीपी हिंसक अभियानों के लिये जाना जाता था। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गये थे। कालांतर में वर्ष 1997 में वे जेवीपी की केंद्रीय कमेटी के लिये चुने गए थे। वैसे हाल में उन्होंने उस दौर में रक्तपात के लिये माफी भी मांगी है। उन्होंने स्वीकारा कि यह हिंसक संघर्ष नहीं होना चाहिए था। वहीं उन्होंने वर्ष 2019 के सिलसिलेवार धमाकों की जांच कराने का भी वादा किया है, जिसमें तीन सौ के करीब लोग मारे गए थे। लोग गोटाबाया राजपक्षे पर जांच को बाधित करने के आरोप लगाते हैं। दरअसल, इस चुनाव में दिसानायके ने राजनेताओं के भ्रष्टाचार, आर्थिक नीतियों की विफलता, कानून अव्यवस्था के लिये तत्कालीन सत्ताधीशों को दोषी बताते हुए नई पारदर्शी शासन व्यवस्था देने का वादा किया। उन्होंने आर्थिक संकट से जनता को हुए कष्टों के लिये नेताओं को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे देश को बदहाली से मुक्त करा सकते हैं। दरअसल, कुशासन, कोरोना संकट व राजनीतिक भ्रष्टाचार से जहां देश पर अरबों डालर कर्ज चढ़ा, वहीं मुद्रास्फीति कुलांचें भरने लगी। विदेशी मुद्रा भंडार निचले स्तर पर जा पहुंचा। हालांकि, विक्रमसिंघे के प्रयासों से आईएमएफ से मिले कर्ज व भारतीय मदद से हालात में सुधार हुआ, लेकिन स्थितियां पहले जैसी नहीं हो सकीं। यह वजह है कि श्रीलंका के जनमानस ने बदलाव के लिये दिसानायके को राष्ट्रपति चुना। दिसानायके देश के जनमानस को यह भरोसा दिलाने में सफल रहे कि वे देश को राजनीतिक भ्रष्टाचार व कुशासन से मुक्ति दिला सकते हैं। उनका कहना है कि वे जनता पर लगे टैक्स कम करेंगे और नये सिरे से कल्याणकारी योजनाएं शुरू करेंगे। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएंगे। यही वजह है कि मतदाताओं ने आर्थिक चिंताओं के बीच दिसानायके में नई उम्मीद देखी। दरअसल, आम मतदाता कष्टदायी महंगाई से मुक्त होकर सामान्य जीवन जीने का आकांक्षी है। वैसे आईएमएफ से मिले राहत पैकेज और उसके लिये लागू सख्त आर्थिक अनुशासन से मुक्त होना दिसानायके के लिये आसान भी नहीं होगा। इसमें संतुलन बनाकर ही उन्हें जनता का विश्वास हासिल करना होगा। उन्हें सरकार के खर्चों में कटौती संग राजस्व के नये स्रोत तलाशने होंगे। अब कयास यह लगाये जा रहे हैं कि दिसानायके के वामपंथी रुझान के बीच श्रीलंका के संबंध चीन से अधिक मजबूत होंगे या भारत से। हालांकि, गत फरवरी में भारत का दौरा करने वाले दिसानायके भारत के साथ अच्छे संबंधों की बात कर रहे हैं। कभी भारत विरोधी रहे जेवीपी के भारत के प्रति रुझान में हाल के वर्षों में बदलाव आया है।

आप का नजरिया

दर्द बांटती दवा

यह खबर परेशान करने वाली है कि बुखार, दर्द, उच्च रक्तचाप, मधुमेह आदि से मुक्ति दिलाने का दावा करने वाली 53 दवाइयां जांच में गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं। देश में धड़ल्ले से इस्तेमाल होने वाली पैरासिटामोल भी इन दवाओं में शुमार है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। केंद्रीय औषधि नियामक ने गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी की है। आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध-अनुसंधान की जरूरत है। विडंबना देखिए कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से गुरेज करती हैं। जिसकी कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है। विडंबना देखिए कि लोगों द्वारा आमतौर पर ली जाने वाली पैरासिटामोल भी जांच में फेल पायी गई। आम धारणा रही है कि गाहे-बगाहे होने वाले बुखार-दर्द आदि में इस दवा का लेना फायदेमंद होता है। निश्चय ही केंद्रीय औषधि नियामक की गुणवत्तारहित दवाओं की सूची में इसके शामिल होने से लोगों के इस विश्वास को ठेस पहुंचेगी। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों में इस हद तक गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये दुखी मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। व्यथित करने वाली बात है कि सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन यानी सीडीएससीओ ने हालिया मासिक रिपोर्ट में जिन गुणवत्ता रहित दवाओं का उल्लेख किया है, उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। जिन्हें बड़ी कंपनियों के नाम से बेचा जा रहा है। इससे उन मरीजों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ जाएंगी जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं। बताते हैं कि फेल होने वाली दवाओं में पेट में इंफेक्शन रोकने वाली एक चर्चित दवा भी शामिल है। यद्यपि सीडीएससीओ ने 53 दवाओं की गुणवत्ता की जांच की थी, लेकिन 48 दवाओं की सूची ही अंतिम रूप से जारी की गई। वजह यह बतायी जा रही है कि सूची में शामिल पांच दवाइयां बनाने वाली कंपनियों के दावे के मुताबिक, ये दवाइयों उनकी कंपनी की नहीं हैं वरन बाजार में उनके उत्पाद के नाम से नकली दवाइयां बेची जा रही हैं।

श्रीलंका में एनपीपी को रोकने के लिए गठबंधन बनाने में जुटी हैं चंद्रिका

कोलंबो, 29 सितंबर (एजेंसियां)।

श्रीलंका की पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिका भंडारनायके कुमारतुंगा (सीबीके) नवंबर 2024 में होने वाले आम चुनाव को लेकर सक्रिय हो गई हैं और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) का विरोध करने के लिए एक व्यापक गठबंधन बनाने के लिए प्रभावशाली राजनेताओं के साथ गुप्त बैठकें कर रही हैं।

एलईएन की रिपोर्ट के अनुसार सुश्री कुमारतुंगा पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, सामगी जन बलवेगया (एसजेबी) के विपक्षी नेता साजिद प्रेमदासा, तमिल और मुस्लिम राजनीतिक नेता और दक्षिणी क्षेत्रों के कई छोटे, निष्क्रिय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कथित तौर पर बैठकें कर रही हैं। वह जिन लोगों के साथ बैठकें कर रही है, उनके साथ 1994 से 2005 तक राष्ट्रपति के तौर पर काम कर चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन बैठकों का लक्ष्य कथित तौर पर एनपीपी के खिलाफ गठबंधन बनाना है, जो नव निर्वाचित राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके (एकेडी) के नेतृत्व में अधिक से अधिक शक्तिशाली होता जा रहा है।

सुश्री कुमारतुंगा कथित तौर पर हाल के हफ्तों में कोलंबो में एक विशेष उच्चायोग का कई बार दौरा कर चुकी हैं। इस मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि वह इस विदेशी संस्था से राजनीतिक सलाह और समर्थन मांग रही हैं, जिससे यह अटकलें और तेज हो गई हैं कि पड़ोसी देश एनपीपी के खिलाफ गठबंधन बनाने के उनके प्रयासों का समर्थन कर रहा है। इस देश के एक उच्च पदस्थ राजनयिक के साथ सुश्री कुमारतुंगा की बैठकों पर कड़ी नजर रखी गई है, जिससे श्रीलंका की राजनीतिक प्रक्रिया में संभावित विदेशी हस्तक्षेप के बारे में सवाल उठ रहे हैं। इन रिपोर्टों ने विभिन्न संगठनों और पर्यवेक्षकों को चिंतित कर दिया है।

विशेषज्ञों को चिंता है कि सुश्री कुमारतुंगा के कार्यों से चुनावों से पहले देश में अस्थिरता पैदा हो सकती है। वह श्रीलंका के सबसे स्थायी राष्ट्राध्यक्षों में से एक के रूप में प्रसिद्ध हैं, लेकिन उनका का कार्यकाल विवादों से अछूता नहीं रहा है।

आलोचकों ने उनके नेतृत्व पर सवाल उठाए हैं, जिसमें पद पर रहते हुए सतत विकास को लागू करने में उनकी अक्षमता और उनके कार्यकाल के दौरान हुए मानवाधिकारों के उल्लंघन का हवाला दिया गया है।

कुछ आलोचकों का तर्क है कि उनकी वर्तमान राजनीतिक गतिविधि सत्ता पर काबिज रहने की इच्छा से उपजी है, खासकर आम लोगों के बीच एनपीपी के बढ़ते समर्थन को देखते हुए।

बढ़ती उम्र और कथित स्मृति हानि के कारण, इस गठबंधन को बनाने के प्रयास में सुश्री कुमारतुंगा की भागीदारी पर भी संदेह जताया गया है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि उनकी वापसी एनपीपी की बढ़ती लोकप्रियता को कम करने का एक प्रयास प्रतीत होता है।

न्यूज ब्रीफ

मशहूर पेंटर वैन गॉग की पेंटिंग बिकी 32.2 मिलियन डॉलर में

विक्टोरिया। चीन प्रशासनिक क्षेत्र हांगकांग के मशहूर पेंटर विन्सेंट वैन गॉग की पेंटिंग 'लेस कैनोट्स अमारेस' ने इतिहास रच दिया। इस पेंटर की पेंटिंग 32.2 मिलियन डॉलर में बिकी। भारतीय करेंसी में यह राशि 269 करोड़ 24 लाख 07 हजार 830 रुपये के बराबर है। वैन गॉग द्वारा यह पेंटिंग 1887 में बनाई गई थी, जब वह पेरिस के बाहरी इलाके में बोटिंग हब के आस-पास मौजूद थे। वैन गॉग की इस पेंटिंग की बिक्री ने यह साबित कर दिया कि कला के प्रति रुचि आज भी उच्चतम स्तर पर बनी हुई है और यह आने वाले समय में और भी बढ़ने की संभावना है। यह पेंटिंग उनके द्वारा बनाई गई कुल 40 पेंटिंग में से एक है, जो उनके पुराने यथार्थवादी पेंटिंग बनाने के तरीके को छोड़कर एक जीवंत पैलेट और ब्रश के साथ बनी थी। वैन गॉग ने अपनी बहन विलेमियन को अक्टूबर 1887 में लिखे एक पत्र में कहा था कि उन्होंने उस गर्मी में असनीरेस में लैंडस्केप बनाते समय पहले से कहीं अधिक रंग देखे। जानकारी के अनुसार, हाउस ऑफ बॉर्बन टू सिसिली की राजकुमारी कैमिला ने इस पेंटिंग को वैन गॉग के करियर के महत्वपूर्ण क्षणों में से एक बताया।

उन्होंने कहा कि एशियाई बाजार में संग्रहकर्ताओं के मजबूत और बढ़ते आधार को देखते हुए पेंटिंग की बिक्री के लिए चीनी शहर का चयन किया गया, जो पश्चिमी कला में तेजी से रुचि रखते हैं। विन्सेंट वैन गॉग, जो 1853 में नीदरलैंड में जन्मे थे, पश्चिमी कला के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक माने जाते हैं। उनकी मृत्यु 1890 में हुई, लेकिन इससे पहले तक उन्होंने लगभग 2,100 पेंटिंग बनाई, जिनमें से लगभग 860 तेल रंगों की थीं।

कनाडा में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने वालों की लाइन

ओटावा। कनाडा में भारतीयों की संख्या लगातार बढ़ती जा रहा ही है। यहां ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए भारतीयों की लंबी कतार लगी हुई थी। इसका वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें चीनी लड़की कनाड़ा में भारतीयों की संख्या देखकर हैरान है। इस वीडियो को सोशल मीडिया साइट एक्स पर शेयर किया गया है, जहां यह तेजी से चर्चा में आ गया है। वीडियो में लड़की कनाडा में ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट सेंटर के बाहर खड़ी है और वहां मौजूद भारतीयों की संख्या को देखकर अपनी हैरानी जताती है। वीडियो में लड़की कहती है, यह ऐसा लगता है मानो मैं कनाडा में नहीं, बल्कि भारत में हूं। यह भयानक है। मैं ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट वाली जगह पर हूं और यहां हर तरफ भारतीय ही नजर आ रहे हैं। वीडियो में उसने वहां इंतजार कर रहे लोगों की तस्वीरें भी दिखाई।यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो गया है और इसे अब तक 2.8 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

चिंपांजी ने कर दी 8 माह की बच्ची की हत्या, मां की गोद से छीनकर ले गया

लंदन । बंदर और उनकी विभिन्न प्रजातियां इंसानों के काफी करीब मानी जाती हैं, उनके व्यवहार में इंसानों की तरह प्यार, गुस्सा और भावुकता दिखाती है। लेकिन हाल ही में गिनी में हुई एक घटना ने सभी को चौंका दिया है। इस घटना में एक चिंपांजी ने महिला की गोद से उसकी 8 माह की बेटी को छीना और फिर बेरहमी से बच्ची की हत्या कर दी। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह दुखद घटना गिनी के बोसू में हुई। सेनी जोगबा नाम की एक मां अपने बच्चे योह हेलेन के साथ कसावा फल के खेतों में काम कर रही थी, तभी अचानक एक चिंपांजी वहां आ पहुंचा। इस चिंपांजी ने पहले मां को काटा और फिर बच्ची को छीनकर जंगल की ओर भाग गया। चिंपांजी ने बच्ची को निंबा माउंटेंस नेचर रिजर्व से करीब 3 किलोमीटर दूर ले जाकर उसकी हत्या कर दी। जब बच्ची की लाश मिली, तब देख पाना भी मुश्किल था। यह चिंपांजी, इस जेजे नाम से जाना जाता है, इंसानों द्वारा बनाए गए औजारों का इस्तेमाल करने के लिए जाना जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस चिंपांजी ने औजारों से बच्ची के शरीर को काटकर उसके टुकड़े कर दिए। इस भयावह घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आक्रोशित होकर एक जू में तोड़फोड़ की और एन्वायरोमेंटल रिसर्च इंस्टिट्यूट के अंदर भी घुसकर महत्वपूर्ण दस्तावेजों में आग लगा दी। बंदरों के विशेषज्ञ जेन यामाकोशी ने कहा कि पहले चिंपांजी इंसानों से डरते थे, लेकिन अब उनकी धारणा बदल गई है।

नेपाल में बाढ़ से भीषण तबाही, अब तक 112 लोगों की मौत, सौ से अधिक लापता

बाढ़ के कारण सैकड़ों लोगों के घायल होने की जानकारी गृह मंत्रालय के तरफ से दी गई है। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन के कारण देश के 48 राजमार्ग पूरी तरह से बंद हो गए हैं। काठमांडू को जोड़ने वाले सभी राजमार्ग और अन्य रास्ते भूस्खलन के कारण बंद हैं।

काठमांडू, 29 सितंबर (एजेंसियां) ।

नेपाल में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण अब तक 112 लोगों की मौत हो चुकी है। बाढ़ और भूस्खलन के कारण सौ से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। राजधानी काठमांडू और आसपास के इलाके में सबसे अधिक तबाही देखने को मिल रही है। काठमांडू का अधिकांश हिस्सा डूबा हुआ है। जानमाल का सबसे अधिक नुकसान यहीं देखने को मिला है। काठमांडू का अपने आसपास के दूसरे जिले से सड़क संपर्क टूट गया है। लगातार बारिश के कारण काठमांडू सहित देशभर के विमान स्थलों को बंद कर दिया गया है। बारिश के कारण बिजली के पोल गिरने से बिजली की सप्लाई बंद है और इंटरनेट सेवा भी बाधित है।

नेपाल में 323 मिलीमीटर की रिकार्ड बारिश के कारण पिछले 24 घंटे में 100 लोगों की मौत हो गई है। अब तक 100 से अधिक लोगों के लापता होने की भी जानकारी दी गई है। बाढ़ के कारण सैकड़ों लोगों के घायल होने की जानकारी गृह मंत्रालय के तरफ से दी गई है। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन के कारण देश के 48 राजमार्ग पूरी तरह से बंद हो गए हैं। काठमांडू को जोड़ने वाले सभी राजमार्ग और अन्य रास्ते भूस्खलन के कारण बंद हैं। देश के कई जिलों का काठमांडू से किसी भी माध्यम से संपर्क टूट चुका है। शुक्रवार शाम से ही कई यात्री वाहक बस जगह-जगह पर फंसे हुए हैं। कुछ यात्री बसों के भूस्खलन की चपेट में आने से यात्रियों की जान गई है। शनिवार शाम ऐसे ही दो बसों के पता लगने के बाद से उनमें से 14 शव निकाले गए।

लगातार बारिश के कारण देशभर के हवाई अड्डों को बंद कर दिया गया है। काठमांडू विमानस्थल से आंतरिक उड़ानों पर रोक लगा दी गई है। मौसम खराब और कम विजिबिलिटी के कारण शनिवार को अधिकांश इंटरनेशनल एयरलाइंस को भारत की तरफ डाइवर्ट कर दिया गया था। जिन कुछ विमानों का उड़ान रविवार सुबह हो भी पाया उनके यात्री विमानस्थल नहीं पहुंच पाए। गोरखा से दो दिन पहले काठमांडू के लिए रवाना हुई दो बसों का अब तक कोई पता नहीं लग पाया है।

गृह मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि लगातार बारिश और बाढ़ के कारण देशभर के 15 बड़ी पुल ध्वस्त हो गई है। इनमें नेपाल और चीन को जोड़ने वाली दो बेलीब्रिज भी शामिल है।

नेतन्याहू के तीखे तेवर बोले-वो तुमको मारे इससे पहले तुम उसे मार डालो

न्यूयॉर्क , 29 सितंबर (एजेंसियां) ।

इजरायल द्वारा हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह की हत्या के बाद अपने पहले सार्वजनिक बयान में प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल ने अनगिनत इजरायलियों और कई अमेरिकी और फ्रांसीसी नागरिकों की हत्याओं के लिए जिम्मेदार एक मास मर्डरर (सामूहिक हत्यारे) से अपना हिसाब चुकता कर लिया है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र की अपनी यात्रा से लौटने के बाद उन्होंने कहा कि हसन नसरल्लाह की हत्या एक ऐतिहासिक मोड़ था। उन्होंने कहा कि नसरल्लाह की मौत इजरायल के टारगेट्स को हासिल करने के लिए एक जरूरी शर्त थी। पीएम ने यहां तक कह दिया की दुश्मन आपको मारने के लिए उठे इससे पहले आप उसे मार डालो।

नेतन्याहू ने कहा कि ये महत्वपूर्ण दिन हैं, हम उस स्थिति में हैं जिसे ऐतिहासिक मोड़ के रूप में देखा जाएगा। एक साल पहले, 7 अक्टूबर को, हमारे दुश्मनों ने हम पर हमला किया और सोचा कि इज़रायल का सफाया होने वाला है। एक साल बाद हमने एक के बाद एक झटके दिए और एक के बाद एक उपलब्धि हासिल की। हम जीत रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने दुश्मनों पर हमला जारी रखने, अपने निवासियों को उनके घरों में वापस लाने और अपने सभी बंधकों को वापस लाने के लिए दृढ़ हैं। हम उन्हें एक पल के लिए भी नहीं भूलते। मेरे भाइयों और बहनों, प्रिय इज़राइल के नागरिकों, आज मैं आपको ज़ोर देकर कहता हूं कि फिर से हम साथ मिलकर लड़ेंगे। और ईश्वर की मदद से हम साथ मिलकर जीतेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने हसन नसरल्लाह को निशाना बनाकर हमले करने के निर्देश दिए थे, क्योंकि हाल के दिनों में इजरायली रक्षा बलों द्वारा हिज्बुल्लाह पर किए जा रहे हमले पर्याप्त नहीं थे। नेतन्याहू ने आगे कहा कि नसरल्लाह ईरान की बुराई की धुरी का केंद्रीय इंजन था। उन्होंने कहा कि इजरायल अपने दुश्मनों पर हमला जारी रखने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

हानिया, सिनवार और नसरल्लाह के खात्मे के बाद अब किसका नंबर है?

तेहरान, 29 सितंबर (एजेंसियां) ।

नसरल्लाह की हत्या के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई ने खुद को सुरक्षित जगह पर छिपा लिया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि उन्हें भी इजरायली हमलों का डर सताने लगा है। अब देखना होगा कि इजरायल गाजा और लेबनान के बाद अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी ईरान पर भी हमला करता है या नहीं।

इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से चल रही अदावत से दुनिया वाकिफ है, और इस नई घटना ने इस संघर्ष को और भी तीव्र बना दिया है। अब सवाल उठने लगा है कि आखिरकार हानिया,सिनवार और नसरल्लाह के बाद अब इजरायल की रडार पर कौन है।

नसरल्लाह की मौत के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या इजरायल अपने दुश्मन ईरान से भी बदला लेगा, क्योंकि हिजबुल्लाह और हमास को पर्दे के पीछे से समर्थन देने वाला मुख्य खिलाड़ी ईरान ही है। हिजबुल्लाह के साथ लंबे समय से जुड़े नसरल्लाह ने संगठन को बेहद ताकतवर बनाया था, और ईरान के साथ उसके गहरे संबंध थे।

नसरल्लाह की मौत के बाद, इजरायल के लिए राहत की सांस लेना स्वाभाविक है, क्योंकि हिजबुल्लाह अब एक बड़े झटके का सामना कर रहा है।

इजरायल इससे पहले हमास के चीफ इस्माइल हानिया और याह्या सिनवार को भी मार चुका है, जिससे हमास की शक्ति को भी काफी कमजोर कर दिया गया था। 7 अक्टूबर के हमलों के बाद से इजरायल अपने दुश्मनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहा है, और अब उसने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह को मौत के घाट उतार दिया है।

इजरायली सेना द्वारा की गई एयरस्ट्राइक में नसरल्लाह की मौत की पुष्टि खुद हिजबुल्लाह ने भी की है। नसरल्लाह का मारा जाना इजरायल के लिए एक बड़ी जीत मानी जा रही है, क्योंकि वह इजरायल का प्रमुख दुश्मन था और पिछले कई दशकों से लेबनान और ईरान की मदद से इजरायल के खिलाफ मोर्चा संभाले हुए था।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव : डोनाल्ड ट्रंप ने कमला हैरिस को बताया मानसिक विकलांग

वाशिंगटन, 29 सितंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव चल रहा है और नंवबर में राष्ट्रपति के नाम पर अंतिम मोहर लगेगी। इससे पहले दोनों उम्मीदवारों के बीच तीखे हमले तेज होते जा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं और एक दूसरे पर तीखे हमले कर रहे हैं। इस बार रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर तीखा व्यक्तिगत हमला किया है।

ट्रंप ने शनिवार को एक रैली में कमला हैरिस की बुद्धिमत्ता पर सवाल उठाते हुए उन्हें मानसिक रूप से विकलांग तक कह दिया। यह बयान उस समय आया जब हैरिस ने दक्षिणी सीमा का दौरा किया और शरणार्थियों पर नकेल कसने के साथ सुरक्षा बढ़ाने का वादा किया था।

हैरिस की हालिया सीमा यात्रा का उद्देश्य अवैध रूप से सीमा पार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना और शरणार्थियों पर नियंत्रण स्थापित करना था। ट्रंप ने उनकी इन टिप्पणियों को बकवास करार देते हुए उनकी आलोचना की। चुनावी अभियान के दौरान ट्रंप की यह टिप्पणी एक और विवाद खड़ा कर सकती है, विशेष रूप से ऐसे वक्त में जब वे अपने बयानबाजी में आक्रामक रुख अपना रहे हैं। विस्कॉन्सिन के प्रेयरी डू चिएन में आयोजित रैली में ट्रंप ने एक घंटे से ज्यादा समय तक चले अपने भाषण में हैरिस को बार-बार निशाना बनाया। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडेन की मानसिक क्षमताओं पर भी सवाल उठाते हुए कहा, जो बाइडेन मानसिक रूप से विकलांग हो गए हैं, कमला का जन्म इसी तरह हुआ था। ट्रंप ने हैरिस की सीमा नीतियों पर टिप्पणी करते हुए कहा, केवल एक मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति ही हमारे देश के साथ ऐसा होने की अनुमति दे सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब चुनावी सर्वेक्षणों में उम्मीदवारों के बीच कड़ी टक्कर देखी जा रही है। हालिया सर्वेक्षण में 69 प्रतिशत मतदाताओं ने हैरिस को बुद्धिमान बताया, जबकि ट्रंप के लिए यह आंकड़ा 60 प्रतिशत से कम था। इस सर्वे में हैरिस को 71 प्रतिशत स्वतंत्र मतदाताओं का समर्थन भी मिला।

सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष से वापस लाने का मिशन शुरु, फरवरी में धरती पर होगी लैंडिंग

न्यूयॉर्क, 29 सितंबर (एजेंसियां) ।

जून में कुछ दिनों के लिए नासा के अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर, जो अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर भेजा गया था। इसके बाद कुछ तकनीकि कारणों के चलते उनकी वापसी अभी तक नहीं हो पाई है। लेकिन अब पूरी तैयारी के साथ दोनों वैज्ञानिकों को धरती पर लाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने इस रेस्क्यू मिशन के लिए अपने कैप्सूल को अंतरिक्ष में भेजा है। इस मिशन की जिम्मेदारी नासा के अनुभवी अंतरिक्ष यात्री निक हेग और रूस के अलेक्जेंडर गोरबुनोव पर है, जो आईएसएस के लिए उड़ान भर रहे हैं। दोनों का मुख्य कार्य विलियम्स और विल्मोर को सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाना है। इस मिशन की सफलता के बाद विलियम्स और विल्मोर को फरवरी के अंत तक धरती पर वापस लाया जाएगा। इस दौरान, सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष स्टेशन के कमांडर के रूप में प्रोमोट किया गया है, जबकि नासा की टीम उनके सुरक्षित वापसी के लिए लगातार काम कर रही है।

विलियम्स और विल्मोर की वापसी से आईएसएस पर क्रू की संख्या फिर से सामान्य हो जाएगी, क्योंकि फिलहाल आईएसएस पर नौ लोग मौजूद हैं, जबकि क्षमता सिर्फ सात लोगों की है। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर इसी साल जून में कुछ दिनों के लिए आईएसएस पर भेजे गए थे, लेकिन तकनीकी कारणों से उनकी वापसी में देरी हो गई। बोइंग के स्टारलाइनर यान, जो उन्हें वापस लाने के लिए भेजा गया था, थ्रस्टर और हीलियम लीक जैसी समस्याओं के कारण खाली लौट आया। इस असफलता के बाद नासा ने स्पेसएक्स के साथ समझौता किया और उनके यान को इस मिशन के लिए इस्तेमाल करने का निर्णय लिया।

नासा ने इस बचाव मिशन के लिए स्पेसएक्स के यान में दो सीटें खाली रखने का समझौता किया है। स्पेसएक्स के इस कैप्सूल में चार सीटें हैं, जिनमें से दो सीटें निक हेग और अलेक्जेंडर गोरबुनोव के लिए और दो विलियम्स और विल्मोर की वापसी के लिए रखी गई हैं। हालांकि नासा हर छह महीने में आईएसएस के क्रू को बदलता है, लेकिन इस आपात स्थिति के कारण कुछ योजनाओं में बदलाव करना पड़ा है। शुरुआत में नासा ने ज़ेना कार्डमैन और स्टेफ़नी विल्सन को इस मिशन में भेजने का निर्णय लिया था, लेकिन उनके स्थान पर अब रेस्क्यू मिशन को प्राथमिकता दी गई है।

कानपुर टेस्ट : तीसरे दिन का खेल भी रद्द, नहीं फेंकी जा सकी एक भी गेंद

कानपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां) । भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल भी नहीं हो पाया है। रविवार को मैदान गीला होने के कारण तीसरे दिन का खेल भी रद्द कर दिया गया है। तीसरे दिन एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। इससे पहले दूसरा दिन का खेल भी पूरी तरह बारिश से धुल गया था, जबकि पहले दिन केवल 35 ओवर की खेल ही हो पाया था।

रविवार को तीसरे दिन अंपायर्स ने लगातार मैदान का निरीक्षण किया। सुबह 10 बजे, फिर दोपहर 12 बजे और इसके बाद 2 बजे मैदान का निरीक्षण किया गया। आज बारिश नहीं हुई, लेकिन मैदान गीला था। ऐसे में मैदान का तीन बार निरीक्षण करने के बाद तीसरे दिन के खेल को रद्द कर दिया गया। रविवार को मैच देखने दर्शक भी बड़ी संख्या में पहुंचे थे। उन्हें भी मायूस होकर लौटना पड़ा। अब दर्शक चौथे दिन खेल होने की उम्मीद कर रहे हैं।

मैच के पहले दिन टॉस जीतकर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला क?िया था। बांग्लादेश ने बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 3 विकेट पर 107 रन बना लिये थे। मोमिनुल हक 40 और मुश्फिकुर रहीम 6 रन बनाकर खेल रहे थे। भारतीय टीम के लिए दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने पहले दिन दो विकेट लिये।

उन्होंने बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन (0) और शादमान इस्लाम (24) को आउट किया, जिससे बांग्लादेश का स्कोर 29 रन पर 2 विकेट हो गया। इसके बाद कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो और मोमिनुल हक के बीच 51 रन की साझेदारी हुई, जिसे रविचंद्रन अश्विन ने तोड़ा। अनुभवी ऑफ स्पिनर ने शान्तो को 31 रन पर आउट किया। इसके बाद मोमिनुल और मुश्फिकुर रहीम ने बांग्लादेश की पारी को 100 के स्कोर पर पहुंचाया। 35वें ओवर के बाद खराब रोशनी के कारण खेल को रोका गया और फिर बारिश आ गई। इसके बाद पहले दिन के खेल को समाप्त घोषित कर दिया गया।

मैच के दूसरे दिन का खेल बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। दूसरे दिन शनिवार को एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी थी। सुबह से ही मैदान कवर्स से ढके थे। अब तीसरे दिन का खेल भी मैदान गीला होने के कारण रद्द कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि चेन्नई में पहला टेस्ट 280 रनों से जीतने के बाद मेजबान टीम दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 1-0 से आगे चल रही है। भारतीय टीम वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिका में शीर्ष पर है। बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के बाद न्यूजीलैंड तीन टेस्ट मैचों के दौरे के लिए भारत आएगा।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल खेलने वाले खिलाड़ियों को मिलेंगे हर मैच के 7.5 लाख : जय शाह

मुम्बई। अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों को प्रति गेम 7.5 लाख रुपए की मैच फीस मिलेगी। ये उनके अनुबंध के अलावा 1.05 करोड़ रुपए हो सकती है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने सोशल मीडिया पर ये जानकारी दी है। जय शाह ने कहा कि हर फ्रेंचाइजी सत्र के लिए मैच फीस के रूप में 12.60 करोड़ रुपए रखेगी। जय शाह ने सोशल मीडिया पर कहा, आईपीएल में निरंतरता और उत्कृष्ट प्रदर्शन का जश्न मनाने के लिए एक हम अपने क्रिकेटरों के लिए प्रति गेम 7.5 लाख रुपए की मैच फीस शुरू करने से उत्साहित हैं। इससे एक सत्र में सभी लीग मैच खेलने वाले क्रिकेटर को उनकी अनुबंधित राशि के अलावा 1.05 करोड़ रुपए भी मिलेंगे। वहीं हर फ्रेंचाइजी सीजन के लिए मैच फीस के रूप में 12.60 करोड़ रुपए आवंटित करेगी। इससे आईपीएल खेलने वाले हमारे खिलाड़ियों को लाभ होगा। वहीं आईपीएल नियम में भब बदलाव किया गया है। अब टीमें 6 खिलाड़ियों को रिटने कर पायेंगी।

केकेआर के मेंटर बने ड्वेन ब्रावो

मुम्बई। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर ड्वेन ब्रावो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2025 सत्र के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर होंगे। इससे पहले वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में गेंदबाजी कोच रहे थे। ब्रावो को केकेआर में गौतम गंभीर की जिम्मेदारी दी गयी है। ब्रावो ने 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग से भी संन्यास ले लिया था। इस क्रिकेटर ने कहा कि मैंने केकेआर का मेंटर बनने का प्रस्वाव स्वीकार कर लिया है। मैं इससे पहले सीएसके में रहा था इसलिए उसका भी आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही कहा कि सीएसके में मेरे प्रशंसकों और दुनिया भर के सभी सीएसके प्रशंसकों से मैं आपसे हमेशा की तरह मुझे अपना आशीर्वाद और समर्थन देने का अनुरोध करता हूं। मुझे पता है कि यह आप लोगों के लिए एक मुश्किल क्षण है पर यह एक ऐसा क्षण है जिसके लिए मैं आपको प्रोत्साहित करता हूं। मैं जो कुछ भी करता हूं उसमें मेरा समर्थन करना जारी रखें। ब्रावो ने आईपीएल में सीएसके के साथ 4 आईपीएल खिताब जीते हैं। उनके नाम आईपीएल इतिहास में 183 विकेट हैं। उन्होंने 2013 और 2015 में पर्पल कैप भी जीती थी। ब्रावो अपने जीवन में आने वाले नए अध्याय को लेकर उत्साहित हैं।

लंबी उम्र तक खेलने के लिए फिटनेस जरुरी : रोहित शर्मा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए 500 मैच खेलने के करीब हैं जिससे वह उत्साहित हैं क्योंकि काफी कम खिलाड़ी ही ये उपलब्धि हासिल कर पाते हैं। साथही कहा कि इतनी लंबी उम्र तक खेलने के लिए जीवन में फिटनेस की अहम भूमिका भूमिका होती है। रोहित ने कहा, मैं पिछले 17 साल से खेल रहा हूं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए 500 मैच खेलने के करीब पहुंच गया हूं। 500 मैच, दुनिया भर में काफी कम क्रिकेटरों ने ही खेले हैं। इतने लंबे समय तक खेलने के लिए आपको अपनी फिटनेस बनाने के साथ ही मानसिक रुप से भी तैयारी करनी होती है क्योंकि हमारा काम खेल के लिए 100 फीसदी तैयार रहना होता है। फिर अगर आप पीछे की ओर जाते हैं, तो उस तैयारी में फिटनेस भी शामिल होती है। रोहित ने इसके साथ ही कहा कि टी20 विश्व कप के बाद उन्होंने टी20 प्रारुप से इसलिए संन्यास लियास क्योंकि ये सही समय था। इसके साथ ही कई युवा खिलाड़ी भी आगे आ रहे थे जिनके लिए जगह भी बनानी थी। विश्वकप जीतने के बाद मुझे लगा कि अब इस प्रारुप से आगे जाना चाहिये। गौरतलब है कि रोहित ने 151 टी20आई मैचों में 4,231 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने करियर में पांच शतक और 32 अर्द्धशतक बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121 रन रहा है। रोहित इस प्रारूप में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं। रोहित ने कहा कि एक क्रिकेटर के रूप में उनके लिए फिटनेस का मतलब शारीरिक रूप से दिखना नहीं है, बल्कि यह है कि वे मैदान पर अपनी टीम को क्या दे सकते हैं। उन्होंने कहा, क्या आप टेस्ट मैच में 5 दिनों में पूरी तीव्रता के साथ टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकते हैं और क्या आप वनडे में 100 ओवरों तक अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकते हैं।

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप

भारतीय निशानेबाजों ने टीम स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते

लीमा(पेरु), 29 सितंबर (एजेंसियां) । भारतीय निशानेबाजों ने पेरू के लीमा में चल रही आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में पुरुषों और महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में टीम स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की लेकिन एक निशानेबाज पर देर से पहुंचने के कारण दो अंक का जुर्माना लगाया गया।

उमेश चौधरी, प्रद्युम्न सिंह और मुकेश नेलवल्ली की जूनियर पुरुष टीम ने 1726 अंकों के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल में टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। भारतीय टीम दूसरा स्थान हासिल करने वाले रोमानिया से 10 अंक आगे रही। इटली ने 1707 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। चौधरी हालांकि फाइनल के लिए देर से रिपोर्ट करने के कारण दो अंक का जुर्माना लगने से पदक हासिल करने से चूक गए।

चौधरी और प्रद्युम्न ने क्वालिफिकेशन राउंड में क्रमश: तीसरे और चौथे स्थान पर रहते हुए व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई थी। चौधरी ने 580 और प्रद्युम्न ने 578 का स्कोर किया, लेकिन फाइनल में वे क्रमश: छठे और आठवें स्थान पर रहे। नेलवल्ली 574 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में नौवें स्थान पर रहे और इस तरह से फाइनल में जगह नहीं बना पाए।

व्यक्तिगत वर्ग में रोमानिया के लुका जोल्डिया ने स्वर्ण पदक जबकि चीनी ताइपे के हसिह सियांग चेन ने रजत पदक जीता। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में कनिष्का डागर, लक्षिता और अंजलि चौधरी की भारतीय टीम ने 1708 का स्कोर करके स्वर्ण पदक हासिल किया। भारतीय टीम ने अजरबेजान को एक अंक से पीछे छोड़ा। यूक्रेन की टीम ने कांस्य पदक हासिल किया।

डागर और कनक ने क्वालीफाइंग दौर में समान 573 का स्कोर बनाया। डागर ने हालांकि 10 अंक के अधिक स्कोर बनाए थे और इस कारण वह तीसरे जबकि कनक पांचवें स्थान पर रही। फाइनल में कनक ने 217.6 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता जबकि डागर आठवें स्थान पर रहीं। चीनी ताइपे की चेन यू-चुन ने स्वर्ण पदक जबकि स्लोवाकिया की मांजा स्लैक ने रजत पदक हासिल किया।

गुलवीर सिंह ने चैलेंज कप में नए रिकॉर्ड के साथ जीता सोना

निगाटा। भारत के गुलवीर सिंह ने जापान के निगाटा में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के योगिबो एथलेटिक्स चैलेंज कप में पुरुषों के 5000 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम करते हुए स्वर्ण पदक जीता। पिछले साल हांगझोऊ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले गुलवीर ने विश्व एथलेटिक्स के इस 'ब्रॉन्ज लेवल मीट' में 13 मिनट 11.82 सेकंड के समय के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर अपने पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। 26 वर्षीय खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल में 13 मिनट 18.92 सेकंड के समय के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया था। गुलवीर के नाम 10,000 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। उन्होंने इस साल मार्च में कैलिफोर्निया में 'टेन ट्रैक मीट' में कायम किया था। उन्होंने उस समय 27 मिनट 41.18 सेकंड का समय लिया था।

श्रीलंका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को एक पारी और 154 रनों से हराकर 2-0 से सीरीज जीती

गॉल, 29 सितंबर (एजेंसियां) । मेजबान श्रीलंका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को एक पारी और 154 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से जीत ली है। न्यूजीलैंड की टीम इस मैच में चौथे दिन फालोआन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में 360 रन ही बना पायी। वहीं न्यूजीलैंड के बल्लेबाज श्रीलंकाई स्पिनरों के सामने टिक नहीं पाये और पहली पारी में केवल 88 रनों पर आउट हो गये। इस प्रकार उसे 514 रनों से पीछे होने के कारण फॉलोऑन खेलना पड़ा। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में टॉम ब्लंडेल (62), ग्लेन फिलिप्स (78) और मिशेल सेंटनर (67) की अच्छी पारियों से 360 रन बनाये पर ये पर्याप्त नहीं थे। कीवी टीम ने सुबह पांच विकेट पर 199 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन उसने पहले सत्र में ही तीन विकेट गंवा दिए जिससे श्रीलंका की बड़ी जीत तय हो गयी थी।

यह पिछले 15 वर्षों में पहला अवसर है जबकि उसने न्यूजीलैंड को श्रृंखला में हराया। श्रीलंका की जीत में बाएं हाथ से स्पिनर प्रभात जयसूर्या और रहे कामिंदु मेंडिस की अहम भूमिका रही। प्रभात ने पहले मैच की तरह ही इस में भी 9 विकेट लिए और इस प्रकार सीरीज में 18 विकेट के साथ ही उन्हें सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला। वहीं कामिंदु मेंडिस को मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला। कामिंदु ने नाबाद 182 रन बनाए जिससे श्रीलंका ने अपनी पहली पांच विकेट पर 602 रन बनाये थे। कामिंदु ने इस पारी के साथ ही सबसे तेज 1000 टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रुप से तीसरा स्थान हासिल किया। तीसरे स्थान पर पहुंच गए। प्रभात ने पहले टेस्ट मैच में भी 9 विकेट लिए थे। श्रीलंका ने अब लगातार तीन टेस्ट मैच जीत लिए हैं और इससे उसने अगले जून में लॉर्ड्स में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की उसकी संभावनाएं बढ़ गयी हैं।

पूरन टी20 में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

जमैका। वेस्टइंडीज के क्रिकेटर निकोलस ने सीपीएल 2024 में एक नया रिकार्ड बनाया है। पूरन एक कैलेंडर वर्ष में टी20 में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इस प्रकार उन्होंने पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान का रिकार्ड तोड़ दिया। पूरन ने ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए बारबाडोस रॉयल्स के खिलाफ 15 गेंदों में 27 रन बनाये। इसी के साथ ही पूरन इस साल टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये। उन्होंने 66 मैचों की 65 पारियों में 42.02 की औसत से कुल 2,059 रन बनाए हैं।

यश, गुनी, मान्या, लगन तथा आराध्या का नेशनल जूडो टूर्नामेंट में हुआ चयन

मुरादाबाद, 29 सितंबर (एजेंसियां) । आरएसडी अकादमी पब्लिक स्कूल में सीबीएसई नॉर्थ जोन जूडो टूर्नामेंट के विजयी खिलाड़ियों के लिये रविवार को सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। प्रधानाचार्य अभिषेक शर्मा ने बताया कि इस टूर्नामेंट में विजयी एकेडमी के विद्यार्थी यश दिवाकर, गुनी चौधरी, मान्या शर्मा , लगन यादव तथा आराध्या का चयन सीबीएसई नेशनल जूडो टूर्नामेंट के लिये हुआ है। आरएसडी अकेडमी समूह के निदेशक डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि तीन दिन पूर्व सीबीएसई नॉर्थ जोन जूडो टूर्नामेंट का आयोजन मेरठ में हुआ था। उसमें आरएसडी के यश दिवाकर, गुनी चौधरी ने गोल्ड मेडल, मान्या शर्मा, लगन यादव व आराध्या ने सिल्वर मेडल तथा अंशुमन चौधरी व सुरम्या ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रधानाचार्य ने बताया कि आज संपूर्ण आरएसडी अकादमी परिवार के लिये यह गौरव का विषय है कि इस टूर्नामेंट में विजयी एकेडमी के पांच छात्र- छात्राओं का चयन सीबीएसई नेशनल जूडो टूर्नामेंट के लिये हुआ है। सम्मान समारोह में विद्यालय के निदेशिक डॉ. जी कुमार, डॉ. गौरव कुमार, डॉ. अजय शर्मा, डॉ. गरिमा शर्मा, डॉ. मयंक शर्मा ने टूर्नामेंट में विजयी विद्यार्थियों तथा नेशनल के लिए चयनित सभी विधार्थियों तथा कोच मयंक कश्यप को बहुत-बहुत बधाई दी।

बांग्लादेश के खिलाफ सूर्यकुमार की कप्तानी में टी20 सीरीज में उतरेगी भारतीय टीम

मुंबई, 29 सितंबर (एजेंसियां) । सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में उतरेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की है। इस टीम में तेज गेंदबाज मयंक यादव को प्रवेश मिला है। मयंक ने आईपीएल में 157 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। वह चोटिल होने के कारण तीन मैचों के बाद ही बाहर हो गये थे। वहीं अब फिट होकर इस तेज गेंदबाज ने वापसी की है। इसके अलावा स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भी टीम में जगह मिलने से सभी हैरान हैं। भारतीय टीम को टी20 सीरीज में तीन मैच ग्वालियर, नई दिल्ली और हैदराबाद में खेलने हैं। नितीश कुमार रेड्डी टीम में नये चेहरे हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ 3 टी20 मैचों के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, रियान पराग, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मयंक यादव। टी20 में दोनों टीमें के बीच अब तक 14 टी20 मैच हुए हैं। इसमें बांग्लादेश को केवल एक ही मैच में जीत मिली है। वहीं भारतीय टीम ने 13 मुकाबले जीते हैं।

मैचों का कार्यक्रम इस प्रकार है

06-अक्टूबर पहला टी20, ग्वालियर, 09 अक्टूबर दूसरा टी20, नई दिल्ली, 12 अक्टूबर तीसरा टी20, हैदराबाद तीनों ही मैच शाम 7 बजे शुरु होंगे।

अब 6 खिलाड़ी रिटेन कर सकेंगी आईपीएल टीमें : गवर्निंग काउंसिल

इंम्पैक्ट प्लेयर नियम भी जारी रहेगा

बेंगलूरु/मुंबई, 28 सितंबर (एजेंसियां) । आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन पॉलिसी में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत ही अब फ्रेंचाइजी को अपनी पिछली टीम से 4 की जगह पर 6 खिलाड़ियों को रिटेन (बरकारार) रख सकेंगी। इसमें नीलामी का एक 'राइट टू मैच' (आरटीएम) कार्ड भी शामिल रहेगा। इसकी कीमत 120 करोड़ रुपये के बढ़े हुए टीम पर्स में से 75 करोड़ रुपये होगी। इससे पहले साल 2022 में आयोजित पिछली मेगा नीलामी में एक टीम को अधिकतम चार खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति दी गयी थी। फ्रेंचाइजी को अगले सत्र के लिए 'नीलामी के साथ ही रिटेनशन' के लिए 120 करोड़ रुपये की रकम के अलावा 12.60 करोड़ रुपये की अतिरिक्त रकम भी आवंटित करनी होगी। बीसीसीआई के एक अधिकारी के अनसार पहले रिटेनशन का खर्चा 18 करोड़ रुपये होगा। उसके बाद 14 करोड़ रुपये की दूसरी और 11 करोड़ रुपये की तीसरी रिटेनशन राशि रहेगी। वहीं अगर कोई फ्रेंचाइजी चौथे और पांचवें रिटेनशन का विकल्प चुनती है तो उन्हें फिर से 18 करोड़ रुपये और 14 करोड़ रुपये अदा करने होंगे।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए कोई भी फ्रेंचाइजी अगर सभी पांच रिटेनशन का विकल्प रखती है तो उसके पास खरीदने के लिए केवल 45 करोड़ रुपये रहेंगे। यहां तक कि वह अपने आरटीएम कार्ड का उपयोग करके भी अन्य 15 खिलाड़ी खरीदकर एक टीम तैयार कर सकती है। भारतीय और विदेशी रिटेनशन को लेकर कोई सीमा नहीं है।' अधिकांश मजबूत फ्रेंचाइजी छह से आठ खिलाड़ियों को रिटेन करने के पक्ष में थीं जबकि कुछ अन्य फ्रेंचाइजी के पास ज्यादा बड़े खिलाड़ी नहीं थे इसलिए वह इसका विरोध कर रहे थे।

इसके अलावा विवादास्पद 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को भी बनाये रखा गया है। इस नियम को आईपीएल 2023 के दौरान पेश किया गया था और तब से ही इस नियम पर आम राय नहीं बन पायी थी और इसके विरोधियों का कहना था कि इससे ऑलराउंडरों का महत्व कम हो गया था।

नीलामी में चुने जाने के बाद खेलने से इंकार करने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर लगेगा प्रतिबंध

अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नीलामी में खरीदे जाने के बाद उपलब्ध नहीं रहने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगेगा। आईपीएल जनरल काउंसिल (आईपीएल जीसी) ने नीलामी में चुने जाने के बाद बिना किसी वैध कारण के नहीं खेलने वाले विदेश खिलाड़ियों पर दो साल का प्रतिबंध लगेगा। हालांकि चोटिल होने या किसी और आवश्यक कार्य से बाहर रहने वाले खिलाड़ियों पर कार्रवाई नहीं होगी। आईपीएल जीसी की ओर से कहा गया, कोई भी खिलाड़ी जो नीलामी के लिए पंजीकरण करता है और नीलामी में चुने जाने के बाद सत्र की शुरुआत से पहले अपने को उपलब्ध नहीं बताता है तो उसे दो सत्र के लिए नीलामी में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। वहीं अनफिट होने पर उसकी पुष्टि उसके घरेल बोर्ड को करनी होगी तभी उसे सही माना जाएगा। प्रतिबंध के अलावा आईपीएल ने मिनी-नीलामी में खिलाड़ियों की फीस को विनियमित करने के लिए भी उपाय पेश किए हैं। विदेशी खिलाड़ियों को अब बाद की मिनी नीलामी में शामिल होन के लिए मेगा नीलामी में पंजीकरण करना होगा। यह नियम खिलाड़ियों को मिनी नीलामी में संभावित रूप से उच्च बोली हासिल करने के लिए मेगा नीलामी को छोड़ने से रोकता है। आईपीएल ने मिनी-नीलामी में विदेशी खिलाड़ियों के लिए अधिकतम शुल्क भी लागू किया है। यह सीमा 18 करोड़ रुपए की उच्चतम प्रतिधारण कीमत या पिछली मेगा नीलामी से उच्चतम नीलामी मूल्य, जो भी कम हो उस पर निर्धारित की जाएगी। इसका उद्देश्य मिनी नीलामी में खिलाड़ियों की कीमतों में वृद्धि को रोकना है, जहां टीमें अक्सर विशिष्ट स्क्वाड अंतराल को भरने के लिए प्रीमियम दरों का भुगतान करती हैं।

अक्टूबर–नवंबर में 6 से अधिक कंपनियां आईपीओ से जुटाएगी 60,000 करोड़

नई दिल्ली, 29 सितंबर (एजेंसियां) ।

अक्टूबर- नवंबर माह में हुंदै मोटर इंडिया, स्विगी और एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी सहित 6 से अधिक कंपनियां लगभग 60,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना बना रही हैं।

मर्चेंट बैंकिंग सूत्रों ने यह जानकारी दी। इन तीन कंपनियों के अलावा एफकॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर, वारी एनर्जीज, निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस, वन मोबिक्विक सिस्टम्स और गरुड़ कंस्ट्रक्शन उन कंपनियों में हैं, जो अक्टूबर–नवंबर के दौरान आईपीओ लाने पर विचार कर रही हैं।

ये कंपनियां मिलकर आईपीओ से 60,000 करोड़ रुपये तक जुटा सकती हैं। इक्विरास के एक वरिष्ठ अधिकारी को उम्मीद है कि सितंबर के अंत से दिसंबर के बीच 30 से अधिक आईपीओ आएंगे। ये आईपीओ विभिन्न क्षेत्रों और आकार के होंगे। इनमें नए शेयर जारी किए जाएंगे और बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल होगी।

दक्षिण कोरिया की हुंदै मोटर कंपनी की भारतीय अनुषंगी हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड आईपीओ से 25,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है। यह देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। यह भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के 21,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के आंकड़े को पार कर सकता है। स्विगी नए शेयरों की बिक्री और ओएफएस के जरिये 10,414 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य बना रही है।

इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी की नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी नवंबर के पहले सप्ताह में अपना 10,000 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने की योजना बना रही है।

न्यूज ब्रीफ

पिछले वित्त वर्ष जीसीएमएमएफ का कारोबार बढ़कर 59,445 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । अमूल ब्रांड के तहत डेयरी उत्पाद बेचने वाली गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) ने कहा कि बेहतर बिक्री के चलते बीते वित्त वर्ष 2023–24 में उसका कारोबार आठ प्रतिशत बढ़कर 59,445 करोड़ रुपये हो गया है। सहकारी समिति ने अपनी 50वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद एक बयान में कहा कि जीसीएमएमएफ के स्वर्ण जयंती वर्ष में संगठन ने वित्त वर्ष 2023–24 के लिए आठ प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 59,545 करोड़ रुपये (सात अरब डॉलर) का कारोबार किया। ब्रांड अमूल का समूह कारोबार वित्त वर्ष 2023–24 में बढ़कर 80,000 करोड़ रुपये हो गया, जो 2022–23 में 72,000 करोड़ रुपये ब्रिटेन स्थित दुनिया की अग्रणी ब्रांड परामर्श कंपनी ब्रांड फाइनेंस के अनुसार अमूल को दुनिया का सबसे मजबूत खाद्य ब्रांड और सबसे मजबूत डेयरी ब्रांड का दर्जा दिया गया है। जीसीएमएमएफ ने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी किसान–स्वामित्व वाली डेयरी सहकारी संस्था है, जिसके गुजरात के 18,600 गांवों में 36 लाख किसान जुड़े हुए हैं। इसके 18 सदस्य संघ प्रतिदिन 300 लाख लीटर दूध खरीदते हैं। जीसीएमएमएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जीसीएमएमएफ ने अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में दुनिया में सबसे मजबूत खाद्य ब्रांड के रूप में उभरने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है ।

नवरात्र से पहले 2 से 3 रुपए सस्ता हो सकता है पेट्रोल-डीजल, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आखिरी बार दो रुपए प्रति लीटर की कटौती की गई थी

नई दिल्ली । पेट्रोल–डीजल की कीमतों में राहत मिलने के संकेत नजर आ रहे हैं। दरअसल कच्चे तेल की कीमतों में हाल के सप्ताहों में आई कमी से पेट्रोलियम कंपनियों के वाहन ईंधन पर मुनाफे में सुधार हुआ है। इससे सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को पेट्रोल तथा डीजल की कीमतों में 2 से 3 रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की गुंजाइश मिली है। एक रेटिंग एजेंसी ने ये जानकारी दी है। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल की कीमत सितंबर में औसतन 74 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी, जो मार्च में 83–84 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आखिरी बार दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी। इक्रा ने एक नोट में कहा गया है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी के साथ हाल के सप्ताहों में भारतीय पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए मोटर वाहन ईंधन की खुदरा बिक्री पर विपणन मुनाफे में सुधार हुआ है। रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें वर्तमान स्तर पर स्थिर रहीं तो खुदरा ईंधन कीमतों में कमी की गुंजाइश है। एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अनुमान लगाया जा रहा है कि 17 सितंबर तक अंतरराष्ट्रीय उत्पाद कीमतों की तुलना में ओएमसी की शुद्ध प्राप्ति पेट्रोल के लिए 15 रुपये प्रति लीटर और डीजल के लिए 12 रुपये प्रति लीटर अधिक रही। इन ईंधन के खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) मार्च, 2024 से यथावत हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि अगर कच्चे तेल की कीमतें स्थिर रहती हैं तो उनके दो से तीन रुपये प्रति लीटर की कमी करने की गुंजाइश है।

आरईसी ने ग्रीन बॉन्ड के जरिए 50 करोड़ डॉलर जुटाए

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की आरईसी लिमिटेड ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को समर्थन देने के लिए हरित बॉन्ड के जरिये 50 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। आरईसी ने बयान में कहा कि पांच–वर्षीय बॉन्ड पर कूपन दर (ब्याज) 4.75 प्रतिशत सालाना है, जिसका भुगतान छमाही आधार पर किया जाएगा। इसकी पूर्ण होने की तिथि 27 सितंबर, 2029 है। यह 2024 में किसी भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम द्वारा जारी किया जाने वाला पहला डॉलर बॉन्ड है। यह कोष कंपनी के वैश्विक स्तर पर 10 अरब डॉलर जुटाने के वैश्विक मध्यम अवधि कार्यक्रम का हिस्सा है। आरईसी लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक वित्तीय माहौल के बीच हमारे हरित बॉन्ड की भारी मांग, हरित वित्त बाजार में भारत की मजबूत स्थिति को दर्शाती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आतंकवादी हिज्बुल्लाह...

प्रदर्शन कराए गए और अप्रिय दृश्य पैदा करने की कोशिश की गई। इस मुद्दे पर राज्य प्रशासन और केंद्र सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने तो नसरल्लाह की मौत पर अपने देख का खुलेआम प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, लेबनान और गाजा के शहीदों, खास तौर पर हसन नसरल्लाह के साथ एकजुटता दिखाने के लिए मैं अपना प्रचार अभियान रद्द कर रही हूं। हम इस दुख की घड़ी में फिलिस्तीन और लेबनान के लोगों के साथ खड़े हैं। सिर्फ मुफ्ती ही नहीं बल्कि जम्मू–कश्मीर अंजुमन–ए–शरी के अध्यक्ष शियान आगा सैयद हसन मोसवी अल सफवी ने भी नसरल्लाह की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए बड़ी हास्यास्पद बातें कहीं। उन्होंने कहा, हम हसन नसरल्लाह की मौत पर चाहे जितना भी शोक मनाएं, यह हमेशा कम होगा। शांति होनी चाहिए, नसरल्लाह का मिशन यही था। उन पर आतंकवाद में शामिल होने का आरोप लगाया गया था ताकि लोगों को पता न चले कि वह मानवता के लिए क्या कर रहे थे और क्या चाहते थे।

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी हिज्बुल्ला कमांडर नसरल्लाह की मौत पर मातम मनाने वाले भारतीयों में शामिल हैं। उमर ने कहा, महबूबा मुफ्ती की चुनावी रैली रद्द होने पर मेरी कोई निजी राय नहीं है। लेकिन हमने पिछले एक साल से इज़राइल द्वारा लगातार की जा रही बमबारी और बल प्रयोग की निंदा की है। हमने कई बार इसका विरोध किया है। दुनिया को इजरायल पर दबाव बनाना चाहिए। पिछले एक साल से लगातार निर्दोष लोगों की हत्या कर रहा इज़राइल इसे बंद कर दे। चाहे हमला गाजा में हो रहा हो या लेबनान में, सब बंद होना चाहिए। कल जिस तरह की घटना हुई उसके बाद ऐसा लग रहा है कि पूरे क्षेत्र में युद्ध के बादल छाए हुए हैं। भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अन्य देशों के नेताओं को इज़राइल पर दबाव बनाकर वहां शांति स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए। उमर अब्दुल्ला भी बांग्लादेश या पाकिस्तान में हिंदुओं पर होने वाले अत्याचार पर आदतन चुप रहते हैं। हमास ने इज़राइल पर हमला करके जो हिंसा की शुरुआत की थी, उस पर अब्दुल्ला या मुफ्ती ने आज तक एक शब्द नहीं कहा।

नसरल्लाह के बाद...

आईडीएफ के एक सटीक हमले में मार गिराया गया। नबील काऊक हिजबुल्ला के वरिष्ठ कमांडरों का करीबी था और सीधे तौर पर इज़राइल और उसके नागरिकों के खिलाफ आतंकवादी हमलों में शामिल था।

आईडीएफ के अनुसार, नबील काऊक 1980 के दशक में हिजबुल्ला में शामिल हुआ और वो अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता का एक महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता था, उसने ऑपरेशनल काउंसिल में दक्षिणी क्षेत्र के डिप्टी कमांडर, दक्षिणी क्षेत्र के कमांडर और ऑपरेशनल काउंसिल के डिप्टी कमांडर के रूप में काम किया था। आईडीएफ ने कहा, वो हिजबुल्ला आतंकवादी संगठन के कमांडरों पर हमला करना और उन्हें खत्म करना जारी रखेगा और इज़राइल के नागरिकों को धमकी देने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

अब भारत को...

कार्रवाई की आलोचना की थी। उन्होंने जम्मू–कश्मीर की तुलना फिलिस्तीन से की थी।

भारत की ओर से जवाब देते हुए भारतीय राजनयिक भाविका मंगलनंदन ने कहा, पाकिस्तान ने लंबे समय से अपने पड़ोसियों के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। इसने हमारी संसद, हमारी वित्तीय राजधानी मुंबई, बाजारों और तीर्थस्थलों पर हमला किया है। यह सूची लंबी है। ऐसे देश के लिए कहीं भी हिंसा के बारे में बात करना सबसे बड़ा पाखंड है। आतंकवाद पर पाकिस्तान को लताड़ लगाते हुए भाविका मंगलनंदन ने कहा, पाकिस्तान को यह समझना चाहिए कि भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद के परिणाम उसे निश्चित रूप से भुगतने होंगे। यह हास्यास्पद है कि एक राष्ट्र जिसने 1971 में नरसंहार किया और जो आज भी अपने अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार करता है, वह असहिष्णुता और भय के बारे में बोलने की हिम्मत करता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान से दो टूक कहा कि भारत के खिलाफ सीमापार से चलाए जा रहे आतंकवाद की सजा उसे निश्चित रूप से भुगतनी होगी। जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच हल किया जाने वाला मुद्दा अब सिर्फ पाकिस्तान की ओर से अवैध रूप से कब्जा किए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना और आतंकवाद को समर्थन देना बंद करना है।

महासभा के 79वें सत्र में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि हमने इसी मंच से कुछ अनोखी बातें सुनी। मैं भारत की स्थिति साफ कर देना चाहता हूं। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की सीमापार आतंकवाद की नीति कभी सफल नहीं होगी। उसे इसके नतीजे भी भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान के कर्मों का ही फल है कि उसके समाज को बुराइयां निगल रही हैं। जयशंकर ने कहा कि कई देश इसलिए पिछड़ जाते हैं, क्योंकि हालात उनके नियंत्रण में नहीं होते, पर कुछ देश अपनी इच्छा से विनाशकारी परिणाम चुनते हैं। हमारा पड़ोसी पाकिस्तान इसका सटीक उदाहरण है। हम देख रहे हैं पाकिस्तान ने दूसरे देशों के लिए जो परेशानियां पैदा करनी चाही, वही उसकी समाज को खत्म कर रही है। वह इसका आरोप दूसरों पर नहीं मढ़ सकता है।

जयशंकर ने सुरक्षा परिषद में वैश्विक आतंकियों की घोषणा के रास्ते में अड़ंगा डालने पर भी चीन को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आतंक उन सभी चीजों के उलट है, जिनके लिए दुनिया खड़ी है। आतंकवाद के सभी रूपों का सख्ती से विरोध किया जाना चाहिए। वैश्विक आतंकियों की घोषणा में राजनीतिक कारणों से बाधा नहीं डाली जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की जीडीपी को केवल कट्टरपंथ और आतंकवाद के निर्यात के संदर्भ में ही मापा जा सकता है। पाकिस्तान जो बुराइयां दूसरे देशों पर थोपना चाहता है, वह उसके ही समाज को निगल रही हैं। इसके लिए दुनिया को दोष नहीं दे सकता, यह उसके कर्मों का फल है। दूसरों की जमीन का लालच करने वाले इस निष्क्रिय देश को बेनकाब किया जाना चाहिए, विरोध किया जाना चाहिए।

अमेरिका से वापस...

10 साल पहले मन की बात का प्रारंभ 3 अक्टूबर को विजयादशमी के दिन हुआ था और ये कितना पवित्र संयोग है कि इस साल 3 अक्टूबर को जब मन की बात के 10 वर्ष पूरे होंगे, तब नवरात्रि का पहला दिन होगा। मन की बात के 10 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी मोदी ने कहा, आज का यह एपिसोड मुझे भावुक कर देने वाला है। इसका कारण यह है कि मन की बात में हमारी इस यात्रा के 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा, हमारे देश में कितने प्रतिभावान लोग हैं, उनमें देश और समाज की सेवा करने का कितना जज्बा है। वो लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा करने में अपना पूरा जीवन समर्पित कर देते हैं। उनके बारे में जानकर मैं ऊर्जा से भर जाता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मन की बात की इस लंबी यात्रा के कई ऐसे पड़ाव हैं, जिन्हें मैं कभी भूल नहीं सकता। मन की बात के करोड़ों श्रोता हमारी इस यात्रा के ऐसे साथी हैं, जिनका मुझे निरंतर सहयोग मिलता रहा। देश के कोने–कोने से उन्होंने जानकारियां उपलब्ध कराई।

मन की बात के 114वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, पिछले कुछ हफ्तों से देश के अलग–अलग हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। बारिश का यह मौसम हमें याद दिलाता है कि जल संरक्षण कितना महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, झांसी में कुछ महिलाओं ने घुरारी नदी को नया जीवन दिया है। ये महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं और उन्होंने जल सहेली बनकर इस अभियान का नेतृत्व किया है। पीएम मोदी ने कहा, मुझे मध्य प्रदेश के दो बड़े ही प्रेरणादायी प्रयासों की जानकारी मिली है। यहां डिंडौरी के रयपुरा गांव में एक बड़े तालाब के निर्माण से भू–जल स्तर काफी बढ़ गया है।

इसका फायदा इस गांव की महिलाओं को मिला। यहां शारदा आजीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को मछली पालन का नया व्यवसाय भी मिल गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन जल सहेलियों ने बोरियों में बालू भरकर चेकडैम तैयार किया, बारिश का पानी बर्बाद होने से रोका और नदी को पानी से लबालब कर दिया। महिलाओं ने सैकड़ों जलाशयों के निर्माण और उनके रिवाइवल में भी बढ़–चढ़कर हाथ बटाया है। इससे इस क्षेत्र के लोगों की पानी की समस्या तो दूर हुई ही है, उनके चेहरों पर खुशियां भी लौट आई हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, उत्तराखंड के उत्तरकाशी में एक सीमावर्ती गांव है झाला। यहां के युवाओं ने अपने गांव को स्वच्छ रखने के लिए एक खास पहल शुरू की है। वे अपने गांव में धन्यवाद प्रकृति अभियान चला रहे हैं। इसके तहत गांव में रोजाना दो घंटे सफाई की जाती है। गांव की गलियों में बिखरे हुए कूड़े को समेटकर गांव के बाहर तय जगह पर डाला जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा, जब हमारे दृढ़ संकल्प के साथ सामूहिक भागीदारी का संगम होता है तो पूरे समाज के लिए अदभुत नतीजे सामने आते हैं। इसका सबसे ताजा उदाहरण है एक पेड़ मां के नाम–ये अभियान अद्भुत अभियान रहा, जन–भागीदारी का ऐसा उदाहरण वाकई बहुत प्रेरित करने वाला है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर शुरू किए गए इस अभियान में देश के कोने–कोने में लोगों ने कमाल कर दिखाया है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारी संथाली भाषा को डिजिटल नवाचार की मदद से नई पहचान देने का अभियान शुरू किया गया है। संथाली, हमारे देश के कई राज्यों में रह रहे संथाल जनजातीय समुदाय के लोग बोलते हैं। भारत के अलावा बांग्लादेश, नेपाल और भूटान में भी संथाली बोलने वाले आदिवासी समुदाय मौजूद हैं।

पीएम मोदी ने कहा, मन की बात ने साबित किया है कि देश के लोगों में सकारात्मक जानकारी की कितनी भूख है। सकारात्मक बातें, प्रेरणा से भर देने वाले उदाहरण, हौसला देने वाली गाथाएं, लोगों को बहुत पसंद आती हैं। जैसे एक पक्षी होता है चकोर, जिसके बारे में कहा जाता है कि वो सिर्फ वर्षा की बूंद ही पीता है। मन की बात में हमने देखा कि लोग भी चकोर पक्षी की तरह देश की उपलब्धियों को, लोगों की सामूहिक उपलब्धियों को, कितने गर्व से सुनते हैं। उन्होंने कहा, मन की बात की 10 वर्ष की यात्रा ने एक ऐसी माला तैयार की है, जिसमें हर कार्यक्रम के साथ नई गाथाएं, नए कीर्तिमान, नए व्यक्तित्व जुड़ जाते हैं। हमारे समाज में सामूहिकता की भावना के साथ जो भी काम हो रहा हो, उन्हें मन की बात के द्वारा सम्मान मिलता है। मेरा मन भी तभी गर्व से भर जाता है, जब मैं मन की बात के लिए आई चिट्ठियों को पढ़ता हूं।

पीएम मोदी ने कहा, 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत मिशन के 10 साल पूरे हो रहे हैं। यह अवसर उन लोगों के अभिनंदन का है, जिन्होंने इसे भारतीय इतिहास का इतना बड़ा जन–आंदोलन बना दिया। ये महात्मा गांधी को भी सच्ची श्रद्धांजलि है, जो जीवनपर्यंत, इस उद्देश्य के लिए समर्पित रहे। मुझे केरल में कोझिकोड में एक शानदार प्रयास के बारे में पता चला। यहां 74 साल के सुब्रह्मण्यन 23 हजार से अधिक कुर्सियों की मरम्मत करके उन्हें दोबारा काम लायक बना चुके हैं।

कनाडा में महाराजा...

इस मामले में पुलिस से शिकायत की जा चुकी है। मामले की कनाडा पुलिस जांच कर रही है। फिलिस्तीन के समर्थन के लिए निकाले गए विरोध प्रदर्शन के दौरान फिलिस्तीन समर्थकों ने इस घटना को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि प्रतिमा को खंडित करने वाले उपद्रवी का नाम होशाम हमदान है।

कनाडा का ब्रैम्पटन वही शहर है, जहां खालिस्तान समर्थक पर भी बड़ी संख्या में रहते हैं और भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देते रहते हैं। कई मौकों पर उन्होंने इसका प्रदर्शन किया है। हालांकि, फिलिस्तीनी द्वारा महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा को अपवित्र करने के बावजूद अभी तक उनकी तरफ से कोई बयान नहीं आया है।

महाराजा रणजीत सिंह भारतीय इतिहास के प्रभावशाली राजाओं में से एक थे। वे सिख धर्म के एक महान राजा थे। उनका जन्म 13 नवंबर 1780 को पंजाब के गुजरांवाला में (अब पाकिस्तान में) हुआ था। सिर्फ 10 साल की उम्र में उन्होंने अपने जीवन का पहला युद्ध लड़ा था। मात्र 12 साल की उम्र में उन्होंने राजगद्दी संभाली और 18 साल की उम्र में लाहौर को जीत लिया था। महाराजा रणजीत सिंह ने 40 वर्षों के अपने शासनकाल में कई मुस्लिम शासन को खत्म किया।

वहीं, अंग्रेजों को वे अपने साम्राज्य के आसपास भी फटकने भी नहीं दिया। महाराजा रणजीत सिंह जब 12 साल के थे, तभी उनके पिता की मृत्यु हो गई थी। 12 साल की उम्र में उन्होंने गद्दी संभाली, लेकिन पंजाब के महाराजा के रूप में उनकी ताजपोशी 20 साल होने के बाद 12 अप्रैल 1801 को की गई। ताजपोशी के बाद 1802 में उन्होंने अमृतसर को अपने साम्राज्य में मिला लिया और 1807 में अफगानी शासक कुतुबुद्दीन को हराकर कसूर पर कब्जा कर लिया। उन्होंने सन 1818 में मुल्तान और 1819 में कश्मीर पर अधिकार कर लिया। उन्होंने शक्तिशाली अफगानों को भी हरा दिया था। उन्हें प्रशासन में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और यूरोपीय भी शामिल थे।

बचपन में चेचक के कारण वे एक आंख से देख नहीं पाते थे। वे एक महान शासक, योद्धा और रणनीतिकार थे। उनकी उदारता की कई कहानियां भी प्रचलित हैं। उन्होंने सिख साम्राज्य की स्थापना की थी। इस कारण उन्हें पंजाब का शेर कहा जाता था। महाराजा रणजीत सिंह की 27 जून 1839 को निधन हो गया था।

हमें डॉक्टर...

यही हमारा इरादा है और कुछ इरादा नहीं है। हमें देश में मदरसा शिक्षा नहीं चाहिए, हमें डॉक्टर और इंजीनियर चाहिए, मुल्ला नहीं।

असम के सीएम ने यह बयान सोनीपत से भाजपा उम्मीदवार निखिल मदान की के लिए वोट मांगते हुए जनसभा के दौरान दिया। सरमा ने यहां मीडिया से भी बात की। इस दौरान हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा के दावे पर असम सीएम ने कहा, हुड्डा जी का एड्रेस थोड़ा गलत हो गया है। कांग्रेस आ जरूर रही है, लेकिन भारत में नहीं, इटली में आ रही है। किसानों और सरपंचों को पीटने के राहुल गांधी के आरोप को लेकर सरमा बोले, राहुल गांधी ने क्या–क्या किया, आप बताइए? पंजाब में सिख हत्या से लेकर असम में नरसंहार तक, कांग्रेस ने क्या–क्या नहीं किया? कांग्रेस तो अपने भारतीयों के खून से नहाती है, यही उनका काम है।

कांग्रेस की गारंटियों पर असम के सीएम ने कहा, 8 हजार 5 सौ रुपए खटाखट वाली गारंटी आपको याद है ही। वह गारंटी कोई काम में आई? हिमाचल में गारंटी देकर आए थे, काम में एक भी लागू हुई क्या? कांग्रेस की गारंटी पंचर टायर जैसी है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने कर्नाटक में वादा किया, हिमाचल में वादा किया। कौन सा वादा निभाया है उन्होंने? हम बोलते हैं 21 सौ, वह रात में बोल देते हैं 5 हजार। वह ऐसा करते हैं क्योंकि उनका कुछ है ही नहीं कि सरकार बनाकर वादा निभाना है। उनका तो एक ही काम है कि मैं बाप हूं तो बेटा को स्थापित करना है। अगर मां हूं तो बेटा को स्थापित करना है।

सरमा ने कहा, अभी क्यों नहीं बोलते संविधान की बात? अभी क्यों नहीं करते आरक्षण की बात? क्यों नहीं बोल रहे खटाखट की बात? क्या 3 महीने में ही भूल गए? इनका कुछ नहीं है। सरकार भाजपा की ही आएगी। दिल्ली में मां–बेटा, हरियाणा में बाप–बेटा। दिल्ली में उनकी पैकिंग हो चुकी है, हरियाणा में भी अब पैकिंग हो जाएगी इनकी। वहीं, चुनाव में आम आदमी पार्टी की चुनौती को असम सीएम ने सिरे से नकार दिया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल अभी तिहाड़ से आए हैं। थोड़ा रेस्ट लेने दीजिए उनको।

राहुल गांधी झूठ ...

तब तक जम्मू–कश्मीर में केवल तिरंगा ही लहराएगा। राहुल बाबा की तीन पीढ़ी भी 370 वापस नहीं ला सकती। उन्होंने लोगों से सवाल किया कि क्या जम्मू–कश्मीर से 370 जानी चाहिए थी या नहीं।

गृह मंत्री ने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार के दौरान 36 बिरादरी का विकास हुआ है और हो रहा है। बिना खर्ची व पर्ची के नौकरियां दी गईं। कांग्रेस ने बिना घूस के नौकरियां दी ही नहीं। दिल्ली के दामाद को सैकड़ों एकड़ जमीन दे दी। गुरुग्राम को बर्बाद कर दिया। केंद्र सरकार द्वारा हरियाणा में विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से किए गए सवालों पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि यूपीए सरकार ने 2004–2014 के दौरान 41 हजार करोड़ रुपए दिए थे जबकि मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में दो लाख 92 हजार करोड़ रुपए दिए। बिजली, पानी, सड़क सभी क्षेत्रों में काम किया गया। द्वारका एक्सप्रेस–वे जैसी योजना के पर काम किया गया। उन्होंने हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि आयुष्मान योजना की सीमा पांच लाख से बढ़ाकर 10 लाख की जाएगी। बुजुर्गों के लिए यह सीमा 15 लाख तक रहेगी। इनसे पहले बादशाहपुर से भाजपा प्रत्याशी राव नरबीर सिंह ने खुले रूप से स्वीकार किया कि पिछले पांच साल के दौरान गठबंधन की सरकार की वजह से काम सही से नहीं हुए। गुरुग्राम जिले में हर तरफ समस्याएं दिख रही हैं। आप जीताकर भेजो, कहीं समस्याएं दिखाई नहीं देंगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल बाबा अमेरिका में जाकर आरक्षण समाप्त करने की बात करते हैं, उन्होंने कहा कि भाजपा ओबीसी और एसी आरक्षण को खत्म करने नहीं देगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा राज में हरियाणा में काफी काम हुए हैं। रैली में उन्होंने कार्यों को गिनाया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस के राहुल बाबा झूठ बोलने की मशीन हैं। उनका कहना है कि अग्निवीर योजना इसलिए लाई गई है क्योंकि सरकार उन्हें पेंशन वाली नौकरी नहीं देना चाहती। अग्निवीर योजना सिर्फ हमारी सेना को जवान बनाए रखने के लिए बनाई गई है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि अपने बेटों को सेना में भेजने से पहले संकोच न करें। हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी मिलेगी।

तीन संशोधन...

तीसरा विधेयक एक साधारण विधेयक होगा। जो विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेशों जैसे- पुडुचेरी, दिल्ली और जम्मू–कश्मीर से संबंधित होगा। जो तीन कानूनों के प्रावधानों में संशोधन करेगा। ताकि इन सदनों की शर्तों को अन्य विधानसभाओं और लोकसभा के साथ सरेखित किया जा सके।

जिसे पहले संविधान संशोधन विधेयक में प्रस्तावित किया गया है। इसमें जिन कानूनों में संशोधन करने का प्रस्ताव है, वे हैं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम–1991, केंद्र शासित प्रदेश सरकार अधिनियम–1963 और जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम–2019। प्रस्तावित विधेयक एक साधारण कानून होगा, जिसके लिए संविधान में बदलाव की आवश्यकता नहीं होगी और राज्यों द्वारा अनुसमर्थन की भी आवश्यकता नहीं होगी। उच्च स्तरीय समिति ने तीन अनुच्छेदों में संशोधन करने, मौजूदा अनुच्छेदों में 12 नए उप–खंडों को शामिल करने और विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित तीन कानूनों में फेरबदल करने का प्रस्ताव दिया था। एक देश एक चुनाव के लिए संविधान में संशोधनों और नए सम्मिलनों की कुल संख्या 18 है।

2 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या पर श्रद्धा और विश्वास के साथ दें पितरों को विदाई

श्राद्ध पक्ष चल रहे हैं और अब सभी को सर्वपितृ अमावस्या का इंतजार है। उस दिन ज्ञात-अज्ञात पितरों का श्राद्ध किया जाता है। इस बार सर्वपितृ अमावस्या 2 अक्टूबर को है। इसे आश्विन अमावस्या, बड़मावस और दर्श अमावस्या भी कहा जाता है। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्वपितृ अमावस्या कहा जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि इस समय पितरों का दिन पितृपक्ष चल रहा है। पितृपक्ष 2 अक्टूबर तक रहेगा। सर्व पितृ अमावस्या श्राद्ध पक्ष का अंतिम दिन होता है। यह पितरों की विदाई का दिन होता है। इसे पितृ विसर्जन अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। 2 अक्टूबर के दिन सर्व पितृ अमावस्या है। हिन्दू पंचांग के अनुसार आश्विन मास की अमावस्या पितृ अमावस्या कहलाती है। यह अमावस्या पितरों के लिए मोक्षदायिनी अमावस्या मानी जाती है। पितृ पक्ष में सर्व पितृ अमावस्या को सबसे अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन श्राद्ध पक्ष का समापन होता है और पितृ लोक से आए हुए पितृजन अपने लोक लौट जाते हैं। पितृ विसर्जन अमावस्या के दिन ब्राह्मण भोजन तथा दान आदि से पितृजन तृप्त होते हैं और जाते समय अपने पुत्र, पौत्रों और परिवार को आशीर्वाद देकर जाते हैं। सर्वपितृ अमावस्या पर दुर्लभ ब्रह्म योग समेत कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में पितरों की पूजा करने से व्यक्ति विशेष पर पूर्वजों की विशेष कृपा बरसेगी।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि मान्यता के अनुसार ऐसा कहा जाता है कि गुरुवार का दिन पितरों के विसर्जन के लिए उत्तम माना जाता है। इस दिन पितरों को विदा करने से पितृ देव बहुत प्रसन्न होते हैं। क्योंकि यह मोक्ष देने वाले भगवान विष्णु की पूजा का दिन माना जाता है। इस कारण सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों का विसर्जन विधि विधान से किया जाना चाहिए।

हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन माह की अमावस्या तिथि 01 अक्टूबर, 2024 को रात्रि 09:39 मिनट पर शुरू होगी। वहीं इसका समापन 03 अक्टूबर, 2024 को रात्रि 12:18 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए सर्वपितृ अमावस्या बुधवार 02 अक्टूबर को मनाई जाएगी। इस दिन उन पितरों का श्राद्ध किया जाता है जिनकी मृत्यु की तिथि याद ना हो। एक तरह से सभी भूले बिसरों को इस याद कर उनका तर्पण किया जाता है। ब्रह्म पुराण के अनुसार जो वस्तु उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम पर उचित विधि से दिया जाता है, वह श्राद्ध कहलाता है। सर्व पितृ अमावस्या के दिन भी भोजन बनाकर इसे कौवे, गाय और कुत्ते के लिए निकाला जाता है। ऐसा कहा जाता है कि पितर देव ब्राह्मण और पशु पक्षियों के रूप में अपने परिवार वालों दिया गया तर्पण स्वीकार कर उन्हें खूब आशीर्वाद देते हैं। इस दिन अपने पूर्वजों के निमित्त के योग्य विद्वान ब्राह्मण को आमंत्रित कर भोजन कराना चाहिए। इसके अलावा आप गरीबों को भी अन्न का दान कर सकते हैं। पितरों के निमित्त श्राद्ध 11:36 बजे से 12:24 बजे में ही करना चाहिए।

माना जाता है कि जो व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास से नमन कर अपने पितरों को विदा करता है उसके पितृ देव उसके घर-परिवार में खुशियां भर देते हैं। जिस घर के पितृ प्रसन्न होते हैं पुत्र प्राप्ति और मांगलिक कार्यक्रम उन्हीं घरों में होते हैं। पितृ अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठकर बिना साबुन लगाए स्नान करें और फिर साफ-सुथरे कपड़े पहनें। पितरों के तर्पण के निमित्त सात्विक पकवान बनाएं और उनका श्राद्ध करें। शाम के समय सरसों के तेल के चार दीपक जलाएं। इन्हें घर की चौखट पर रख दें। एक दीपक लें। एक लोटे में जल लें। अब अपने पितरों को याद करें और उनसे यह प्रार्थना करें कि पितृपक्ष समाप्त हो गया है इसलिए वह परिवार के सभी सदस्यों को आशीर्वाद देकर अपने लोक में वापस चले जाएं। यह करने के पश्चात जल से भरा लोटा और दीपक को लेकर पीपल की पूजा करने जाएं। वहां भगवान विष्णु जी का स्मरण कर पेड़ के नीचे दीपक रखें जल चढ़ाते हुए पितरों के आशीर्वाद की कामना करें। पितृ विसर्जन विधि के दौरान किसी से भी बात न करें।

सर्व पितृ अमावस्या तिथि

हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन माह की अमावस्या तिथि 01 अक्टूबर, 2024 को रात्रि 09:39 मिनट पर शुरू होगी। वहीं इसका समापन 03 अक्टूबर, 2024 को रात्रि 12:18 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए सर्वपितृ अमावस्या बुधवार 02 अक्टूबर को मनाई जाएगी। इस दिन को कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए किया गया तर्पण उन्हें मोक्ष प्रदान करता है।

ब्रह्म योग

आश्विन अमावस्या पर दुर्लभ ब्रह्म योग का संयोग बन रहा है। इस योग का समापन 03 अक्टूबर को देर रात 03:22 मिनट पर होगा। ज्योतिष ब्रह्म योग को शुभ मानते हैं। इस योग में पूजा-उपासना करने से दोगुना फल प्राप्त होता है। इस समय पितरों का तर्पण करने से पूर्वजों की आत्मा को अवश्य शांति मिलती है।

सर्वार्थ सिद्धि योग

सर्वपितृ अमावस्या पर सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है। इस योग का निर्माण दोपहर 12:23 मिनट से हो रहा है। वहीं, सर्वार्थ सिद्धि योग का समापन 03 अक्टूबर को सुबह 06:15 मिनट पर होगा। सर्वार्थ सिद्धि योग में भगवान शिव की पूजा करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होगी। इस दिन उत्तराफाल्गुनी और हस्त नक्षत्र का शुभ संयोग बन रहा है।

ऐसे करें पितरों का तर्पण

सर्व पितृ अमावस्या के दिन सुबह जल्दी स्नान करके स्वच्छ कपड़े पहनकर पितरों को श्राद्ध दें। अपने परिजनों का पिंडदान या तर्पण जैसा अनुष्ठान किया जाता तब इसमें परिवार के बड़े सदस्यों को करना चाहिए। पितरों को तर्पण के दौरान जौ के आटे, तिल और चावल से बने पिंड अर्पण करना चाहिए।

अर्पित करें भोजन

सर्व पितृ अमावस्या के दिन बने भोजन को सबसे पहले कौवे, गाय और कुत्तों को अर्पित करना चाहिए। मान्यता है पितरदेव ये रूप धारण कर भोज करने आते हैं। कौए को यम का दूत माना जाता है।

पीपल के पेड़ के नीचे जलाएं दीपक

पितृ मोक्ष अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठकर पितरों के निमित्त घर बना मिष्ठान व शुद्ध जल की मटकी पीपल के पेड़ के नीचे अपने पितरों के निमित्त रखकर वहां दीपक जलाना चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

ब्राह्मणों को दान-दक्षिणा

इस दिन ब्राह्मणों को भोजन और दान-दक्षिणा के साथ अग्नि और गुरुड़ पुराण का पाठ करवाना चाहिए और पितृपक्ष से संबंधित मंत्रों का जाप करना चाहिए।

जलाएं चौमुखा दीप

मोक्ष अमावस्या के दिन अपने पितरों के लिए चौमुखा दीपक रखें। यह दीपक सूर्यास्त के बाद घर की छत पर रखें और ध्यान रखें कि आपका मुख दक्षिण दिशा में हो।

देशी घी का दीपक

सर्व पितृ अमावस्या के दिन शाम के समय घर के ईशान कोण में पूजा वाले स्थान पर गाय के घी का दीपक जलाएं। ऐसा करने से आपको सभी सुखों की प्राप्ति होगी।

मछलियों को खिलाएं

सर्व पितृ अमावस्या के दिन आटे की गोलियां बनाकर किसी तालाब या नदी के किनारे जाकर ये आटे की गोलियां मछलियों को खिला दें। ऐसा करने से करने से आपकी सभी परेशानियों का अंत होगा।

चीटियों को खिलाएं

सर्व पितृ अमावस्या पर काली चीटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। ऐसा करने से आपको सभी पापों से मुक्ति मिलेगी।

सर्व पितृ अमावस्या की पौराणिक कथा

सर्व पितृ अमावस्या की पौराणिक कथा के अनुसार श्रेष्ठ पितृ अग्निष्वात और बर्हिषपद की मानसी कन्या अक्षोदा घोर तपस्या कर रही थीं। वह तपस्या में इतनी लीन थीं कि देवताओं के एक हजार वर्ष बीत गए। उनकी तपस्या के तेज से पितृ लोक भी प्रकाशित होने लगा और सभी श्रेष्ठ पितृगण अक्षोदा को वरदान देने के लिए एकत्र हुए। उन्होंने अक्षोदा से कहा कि हे पुत्री हम सभी तुम्हारी तपस्या से बहुत प्रसन्न हैं इसलिए जो चाहों वर मांग लो। लेकिन अक्षोदा ने पितरों की तरफ ध्यान नहीं दिया। वहीं उनमें से अति तेजस्वी पितृ अमावसु को बिना पलके झपकाए देखती रहीं। पितरों के बार- बार कहने पर उसने कहा कि हे भगवान क्या आप मुझे सच में वरदान देना चाहते हैं। इस पर तेजस्वी पितृ अमावसु ने कहा हे अक्षोदा वरदान मांगो। अक्षोदा ने कहा कि अगर आप मुझे वरदान देना चाहते हैं तो मैं इसी समय आपके साथ आनंद चाहती हूं।

अक्षोदा की यह बात सुनकर सभी पितृ क्रोधित हो उठे और उन्होंने अक्षोदा को श्राप दे दिया कि वह पितृ लोक से पतित होकर पृथ्वी लोक पर जाएगी। जिसके बाद अक्षोदा पितरों से क्षमा याचना करने लगी। इस पर पितरों को दया आ गई और उन्होंने कहा कि तुम पृथ्वी लोक पर मत्स्य कन्या के रूप में जन्म लोगी। वहां पराशर ऋषि तुम्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार करेंगे और तुम्हारे गर्भ से व्यास जन्म लेंगे। जिसके बाद तुम पुन: पितृ लोक में वापस आ जाओगी। अक्षोदा के इस अधर्म के कार्य को अस्वीकार करने पर सभी पितरों ने अमावसु को आशीर्वाद दिया कि हे अमावसु आज यह तिथि आपके नाम से जानी जाएगी। जो भी व्यक्ति वर्ष भर में श्राद्ध या तर्पण नहीं कर पाता और अगर वह इस तिथि पर श्राद्ध और तर्पण करता है तो उसे सभी तिथियों का पूर्ण फल प्राप्त होगा।

यहां स्थित है चौथ माता का सबसे पुराना मंदिर

दर्शन से मिलता है अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद

करवा चौथ का पर्व हिंदुओं के प्रमुख-व्रत त्योहारों में से एक माना जाता है, जो मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी उम्र के लिए रखा जाता है।

इस दिन चौथ माता का चित्र बनाकर उनकी पूजा-अर्चना की जाती है। चौथ माता को असल में देवी पार्वती का ही एक रूप माना जाता है। ऐसे में आज हम आपको देश के सबसे पुराने एक ऐसे करवा चौथ माता मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके दर्शन मात्र से साधक को अखंड सौभाग्य का वरदान मिलता है।

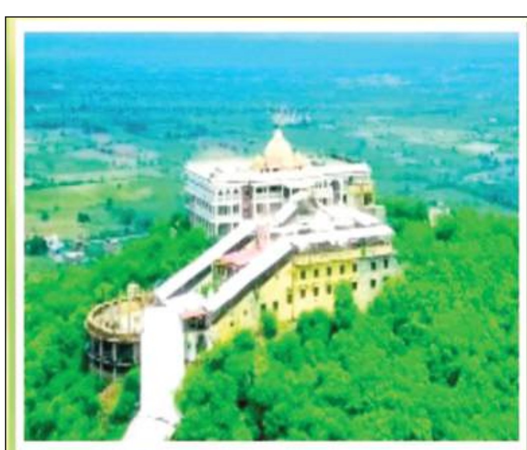

कहां स्थित है मंदिर

चौथ माता का मंदिर राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के बरवाड़ा गांव में स्थित है। यह मंदिर करीब एक हजार फीट की ऊंचाई पर अरावली पर्वत पर बना है। इस मंदिर में चौथ माता के साथ-साथ भगवान गणेश और भैरव की मूर्तियां भी स्थापित हैं। यह मंदिर जन आस्था का केन्द्र होने के साथ-साथ एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण भी है।

इस मंदिर की खास बातें

चौथ माता का मंदिर सफेद संगमरमर से बना हुआ है। आपको मंदिर तक पहुंचने के लिए 700 सीढ़ियां चढ़नी होंगी। मंदिर की खूबसरती के साथ-साथ मंदिर के आसपास का प्राकृतिक सौंदर्य भी मन मोहने के लिए काफी है। यहां करवा चौथ, भाद्रपद चौथ, माघ चौथ और लक्खी मेला भी लगता है, जिसमें भाग लेने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इसी के साथ नवरात्र के दौरान भी यहां विशेष रूप से धार्मिक आयोजन किए जाते हैं।

किसने की थी स्थापना

कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण सन 1451 में महाराजा भीमसिंह चौहान ने करवाया था। 1452 में मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया था। वहीं, सन 1463 में मंदिर मार्ग पर बिजल की छतरी और तालाब का निर्माण कराया गया था।

यह मंदिर राजपूताना शैली का भी एक अद्भुत उदाहरण है। बता दें कि राजस्थान के बूंदी राजघराने में चौथ माता की कुलदेवी के रूप में पूजा की जाती है।

गंगाजल को घर में इस दिशा में रखकर देखें, बदल जाएगी जीवन की दशा

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का बहुत महत्व है। यह पूरा शास्त्र ही दिशाओं पर आधारित है। इसमें प्रत्येक वस्तु को एक निश्चित कोण पर रखने के लिए कहा जाता है। सही दिशा में रखने से शुभ फल की प्राप्ति होती है और गलत दिशा में रखने से अशुभ परिणाम सामने आते हैं। बात गंगाजल की करें तो हिंदू धर्म में इसे पवित्र माना जाता है। इसलिए लोग इसे अपने घर में, पूजा कक्ष में रखते हैं।

धन की प्राप्ति

वास्तु कहता है कि अगर घर में गंगाजल को सही दिशा में रख दिया जाए तो घर में धन और संपदा का लाभ होता है। इतना ही नहीं, घर के सदस्यों के जीवन में भी तरक्की और बरकत बनी रहती है।

इस दिशा में रखें

गंगाजल को हमेशा ईशान कोण मतलब कि उत्तर पूर्व दिशा में ही प्रतिष्ठित करके रखना चाहिये। मान्यता है कि यह दिशा गंगाजल के लिए शुभ होती है।

देवों का वास

ईशान कोण में गंगाजल इसलिए रखना चाहिये क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इस कोण में देवी व देवताओं का वास होता है। इससे परिवार में मंगल परिणाम देखने को मिलते हैं।

रुके काम बनते हैं

निश्चित दिशा में गंगाजल को रखने से हमारे अटके हुए काम भी पूरे होते हैं और कहीं लंबे समय से पैसा अटका हुआ है तो उसकी प्राप्ति के भी रास्ते खुल जाते हैं।

मनी प्लांट में दूध डालने से क्या होता है? वास्तु शास्त्र में बताए गए हैं ये चमत्कारी उपाय

वास्तु और ज्योतिष शास्त्र में मनी प्लांट का विशेष महत्व बताया गया है। यह सकारात्मक ऊर्जा देने वाला पौधा है, जिसे घर के अंदर लगाया जाता है। मनी प्लांट लगाने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि आती है और लक्ष्मी जी की विशेष कृपा होती है। मनी प्लांट को लेकर एक सवाल अक्सर लोगों के मन में उठता है कि क्या इसके पानी या इसकी मिट्टी में दूध डाला जा सकता है? और ऐसा करने से क्या होता है?

मनी प्लांट में दूध डालने के फायदे

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, मनी प्लांट में दूध डालने शुभ माना गया है। इससे लक्ष्मी जी की कृपा कई गुना बढ़ जाती है। मनी प्लांट का पौधा लगाते समय गमले की मिट्टी में थोड़ा सा दूध डाल दें।

मान्यता है कि ऐसा करने से आय में वृद्धि होती है। कर्ज से मुक्ति मिलती है। परिवार में सकारात्मकता बनी रहती है। सभी सदस्य एक दूसरे के साथ सामंजस्य बनाकर काम करते हैं।मनी प्लांट में दूध डालने से ग्रह शांति का लाभ मिलता है। ऐसे मनी प्लांट को सही दिशा में रखा जाए, तो कुंडली में किसी ग्रह की विपरीत दशा का भी असर कम किया जा सकता है।

मनी प्लांट में किस दिन दूध डालना चाहिए?

मनी प्लांट में दूध डालने के लिए शुक्रवार का दिन शुभ माना गया है। शुक्रवार लक्ष्मी जी का दिन होता है। इस दिन धन की देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के उपाय किए जाते हैं। मनी प्लांट में दूध डालने भी ऐसा ही एक उपाय है।

मनी प्लांट से जुड़े ये उपाय भी आजमाएं

मनी प्लांट से जुड़े अन्य उपायों में शक्कर और कलावा बांधने का वर्णन किया जाता है। मान्यता है कि मनी प्लांट लगाते समय उसकी मिट्टी में थोड़ी सी शक्कर डालना चाहिए। इससे राहु शांत होता है और जीवन में कभी धन हानि नहीं होती है।

इसी तरह मनी प्लांट की जड़ में कलावा बांधने से उसकी रक्षा होती है। पौधा हमेशा हरा-भरा रहता है और शुभ फल प्रदान करता रहता है।

नीम करोली बाबा ने बताए अमीर होने के सटीक उपाय, धन-दौलत से भर जाएगी तिजोरी

बाबा नीम करोली को कलयुग में हनुमान जी का अवतार कहा जाता है। उनके भारत सहित विश्व भर में बड़ी संख्या में भक्त हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के किंग विराट कोहली अपनी पत्नी एक्टर अनुष्का शर्मा के साथ उनके दर पर आए थे। उन्होंने जीवन को लेकर कई बड़ी सीख दी हैं। उनमें से सबसे जरूरी धन के इस्तेमाल का तरीका बताया है। उनकी यह सीख आपको मालामाल कर सकती है।

भूलकर भी न करें फिजूल खर्चे

नीम करोली बाबा ने फिजूल खर्चे करने से साफ मना किया है। उन्होंने कहा था कि आपको अगर अमीर बनना है, तो फिजूल खर्चे पर रोक लगानी होगी। आप बिना किसी कारण के धन को खर्च ना करें। यह घर में दरिद्रता लेकर आते हैं। वह आगे कहते हैं कि हम कई बार देखते हैं कि लोग दिखावे में आकर फिजूल में धन को खर्च कर देते हैं। ऐसा नहीं करना चाहिए। यह धन की बर्बादी होती है, जिससे मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं। आप फिजूल खर्चे ना कर बचत पर पूरी तरह से ध्यान देंगे, तो आप पर मां लक्ष्मी की कृपा बरसेगी।

धन का करें सही उपयोग

नीम करोली बाबा धन के उपयोगिता के बारे में बताते हैं। वह कहते हैं कि धन का सही जगह उपयोग करना बहुत आवश्यक है। आप अमीर केवल धन की बचत कर नहीं बन पाएंगे। आपको धन को सही जगह खर्च करना होगा। ऐसा करने से आपको धन और तेजी से बढ़ेगा, जो कि आपको अमीर बनाएगा।

धार्मिक कार्यों में खर्च करें धन

नीम करोली बाबा ने कहा था कि हर व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार धार्मिक कार्यों में धन को खर्च करना चाहिए। ऐसा करने से उसके ऊपर भगवान की कृपा बन रहती है। उसके सामने आने वाली हर बाधा दूर होती है, जिससे उसके काम बनते रहते हैं। धार्मिक कार्यों में खर्च किए गए रुपये डबल होकर आपके पास आते हैं।

गुरु रंधावा की पहली पंजाबी फिल्म शाहकोट का ट्रेलर जारी

4 अक्टूबर को रिलीज होगी फिल्म

गुरु रंधावा संगीत की दुनिया में एक लोकप्रिय नाम हैं। गायक और म्यूजिक कंपोजर के रूप में उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है।गायिकी में अपनी छाप छोडऩे के बाद रंधावा ने फिल्म कुछ खट्टा हो जाए (2024) के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा।पिछले लंबे समय से रंधावा अपनी पहली पंजाबी फिल्म शाहकोट को लेकर चर्चा में हैं।अब निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।गुरु रंधावा, जिनकी आवाज़ हमेशा दिल को छूने वाली रही है, इस बार एक प्रमुख भूमिका में नजर् आएंगे। ट्रेलर में उनकी एक्टिंग की झलक देखकर यह कहना मुश्किल नहीं कि यह फिल्म उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है। दर्शकों को उनकी अभिनय क्षमता का नया पहलू देखने को मिलेगा। फिल्म की कहानी एक एक होनहार म्यूजिशियन के एयर टिकट घूमती है जिसका किरदार गुरु रंधावा द्वारा निभाया गया है और दिखाया गया है की किस तरह से उनकी इस म्यूजिकल जर्नी में विभिन्न प्रकार की समस्याएं आ रही हैं, उनके सपने को पूरा करने में कौन-कौन सी बाधाएं उनका इंतज़ार कर रही हैं।ईशा तलवार, जिनकी परफॉर्मेंस हमेशा प्रभावशाली रही है, इस फिल्म में एक ऐसा किरदार निभा रही हैं जो दर्शकों को गहराई से छूने वाला होगा। उनके अभिनय से फिल्म में एक भावनात्मक और मानवीय आयाम जुड़ता है, जो इसे और भी ख़ास बनाता है।ट्रेलर में फिल्म की शानदार सिनेमैटोग्राफी और दिल को छूने वाला संगीत दर्शकों को प्रभावित करता है। यह फिल्म एक सांस्कृतिक और भावनात्मक यात्रा का वादा करती है, और इसके रिलीज होने के साथ ही दर्शकों को एक अनोखा अनुभव मिलने वाला है।शाहकोट में रंधावा की जोड़ी ईशा तलवार के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा।गुरशबाद, हरदीप गिल, सीमा कौशल, नेहा दयाल और मनप्रीत जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। इसके अलावा राज बब्बर भी इस फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे।शाहकोट गुरु की पहली पंजाबी फिल्म है। फिल्म के निर्देशन की कमान राजीव ढींगरा ने संभाली है।यह फिल्म 4 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

प्रज्ञा जैसवाल ने साड़ी पहन दिखाईं शोख अदाएं

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्ड लुक्स को लेकर फेमस हैं। वो काफी बेहतरीन फैशन आइकन हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच आते ही ट्रेंड करने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुस्क पर अपना दिल हार जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोज शेयर किए हैं।इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का बोल्ड और हॉट अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उसपर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी लोग दिलखोलकर लाइक कर रहे हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने ब्लैक एंड व्हाइट प्रिंटेड साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और सटल बेस मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनकी कातिलाना अदाएं फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं।प्रज्ञा जैसवाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका सेक्सी अंदाज इंटरनेट पर आते ही अक्सर तबाही मचाने लगता है।

बंगाली फिल्म बोहरूपी का नया गाना हुआ रिलीज

दाकतिया बंशी पर झूमे लोग

टाइम्स म्यूजिक की डिविजन जंगली म्यूजिक और विंडोज प्रोडक्शन मिलकर बंगाली फिल्मों की सनसनीखेज लाइनअप के साथ एक बार फिर दर्शकों को एंटरटेन करने की तैयारी कर रहे हैं। ये पावरहाउस कोलैबोरेशन साल 2013 से बंगाली सिनेमा में एक बेंचमार्क रहा है। वहीं अब जंगली म्यूजिक और विंडोज प्रोडक्शन ने अपनी चार अपकमिंग फिल्मों में से दो के नाम भी जारी कर दिए हैं।इनमें से पहली फिल्म बोहरूपी है जो अक्टूबर 2024 को रिलीज होगी। वहीं दूसरी फिल्म अमर बॉस है। ये मूवी दिसंबर 2024 में रिलीज होगी। इन दो फिल्मों के अलावा दो और के भविष्य में रिलीज करने की तैयारी की जा रही है।बता दें कि जंगली म्यूजिक और विंडोज प्रोडक्शन ने इससे पहले भी कई बंगाली फिल्मों के जरिए धमाल मचाया है। इनमें बेलाशे, बेलाशुरू, गोत्रो, कोन्थो और रोसोगोला जैसी फिल्में शामिल हैं। उनके हिट्स के ट्रैक रिकॉर्ड ने जंगली म्यूजिक और विंडोज प्रोडक्शन को इनोवेटिव म्यूजिक स्टोरीटेलिंग में लीडिंग के रूप में स्थापित किया है।वहीं अपकमिंग फिल्मो को लेकर काफी बज बना हुआ है। खासतौर पर ट्रैक दाकतिया बंशी की काफी चर्चा हो रही है। इस गाने को बोनी चक्रवर्ती द्वारा कंपोज किया गया है और श्रेष्ठ दास, नानीचोरा दास बाउल और खुद बोनी चक्रवर्ती ने इसे गाया भी है। ये मोस्ट अवेटेड आइटम सॉन्ग, अपनी शानदार साउंड और रिदम की वजह से साल के बड़े हिट में से एक होने के लिए तैयार है।वहीं जंगली म्यूजिक/टाइम्स म्यूजिक के सीईओ मंदार ठाकुर ने अपनी एक्साइटमेंट शेयर करते हुए कहा, विंडोज प्रोडक्शन के साथ हमारे एसोसिएशन का हमेशा शानदार रिजल्ट रहा है। साथ में, हमने ऐसा म्यूजिक बनाया है जो न केवल बंगाली दर्शकों के बीच गूंजता है बल्कि देश भर के श्रोताओं तक पहुंचता है। हमारे अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में, हम इस विरासत को जारी रखने के लिए एक्साइटेड हैं।वहीं विंडोज प्रोडक्शन के को-फाउंडर शिबोप्रसाद मुखर्जी ने कहा, जंगली म्यूजिक के साथ हमारा जुड़ाव 2013 से शुरू होकर 10 सालों से ज्यादा की एक रिमार्केबल जर्नी रही है। साथ में, हमने बंगाली फिल्म इंडस्ट्री को कुछ सबसे आइकॉनिक हिट जैसे रंगबती और तापा तिनी दिए हैं। जंगली म्यूजिक ने हमेशा हमारी फिल्मों में अपने शानदार संगीत से अहम भूमिका निभाई है, और उनका सपोर्ट हमारे लिए अमूल्य रहा है।हम इस साल के अंत में बोहरूपी और अमर बॉस की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं आज बोहरूपी के एक और डांस एंथम के लॉन्च की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं, हम इस ट्रैक के साथ हैट्रिक की उम्मीद कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि यह गाना जंगली म्यूजिक के साथ हमारे ऐतिहासिक जुड़ाव की विरासत को जारी रखेगा और एक बार फिर दर्शकों के बीच तालमेल बिठाएगा। बता दें कि बोहुरुपी 8 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं इस फिल्म का पूरा एल्बम 6 अक्टूबर को सभी म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगा।

मां बनने के खूबसूरत अहसास के बाद सेट पर लौटीं यामी गौतम

लंबे समय से पर्दे से दूर रहने और मां बनने के खूबसूरत अहसास के बाद अभिनेत्री यामी गौतम काम पर लौट आई हैं। हाल ही में उन्हें एक विशेष कार्यक्रम में देखा गया, जहां से अभिनेत्री ने अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं।इंस्टाग्राम पर 1.97 करोड़ फॉलोअर्स वाली यामी ने अपने खूबसूरत लुक के साथ एक शानदार फोटो शेयर की। तस्वीरों में उन्हें लाल रंग के सूट में देखा जा सकता है, जिसके साथ उन्होंने मैचिंग दुपट्टा लिया हुआ है। अपनी नेचुरल ब्यूटी को दिखाते हुए यामी ने मिनिमल मेकअप लुक चुना। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है।एक दूसरी फोटो में उन्हें मेकअप करते हुए देखा जा सकता है। यामी ने अपने लुक को सिल्वर इयररिंग्स के साथ कंप्लीट किया।पोस्ट को कैप्शन देते हुए अभिनेत्री ने लिखा, काम पर वापस लौट रही हूं। इस शानदार इवेंट के लिए टीम का शुक्रिया।

बता दें कि यामी ने फिल्म निर्माता आदित्य धर से जून 2021 में शादी की थी। इस साल 20 मई को उन्होंने अपने फैंस को बताया कि वह मां बनी हैं। उन्होंने अक्षय तृतीया के शुभ दिन बच्चे को जन्म दिया।काम की बात करें तो यामी ने 2008 में टीवी शो चांद के पार चलो से टेलीविजन पर डेब्यू किया था। उन्होंने राजकुमार आर्यन में मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद, उन्होंने कलर्स पर प्रसारित होने वाले ये प्यार ना होगा कम में लहर की भूमिका निभाई। उन्होंने रियलिटी शो मीठी चूरी नंबर 1 और किचन चैंपियन सीजन 1 में भी भाग लिया था।उन्होंने 2009 की कन्नड़ फिल्म उल्लास उत्साह में मुख्य भूमिका के साथ अपनी फिल्मी करियर की शुरुआत की।

यामी ने 2012 में शूजित सरकार की रोमांटिक कॉमेडी विक्की डोनर में मुख्य भूमिका के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ आयुष्मान खुराना थे।यामी टोटल सियापा, एक्शन जैक्सन, बदलापुर, सनम रे, जुनूनियत, सरकार 3 जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। उन्हें 2019 की फिल्म उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक में पल्लवी की भूमिका में देखा गया था, जिसे उनके पति आदित्य धर ने लिखा और निर्देशित किया था। इस फिल्म में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में थे। इसमें परेश रावल, कीर्ति कुल्हारी और मोहित रैना ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं।अभिनेत्री को पिछली बार अपने पति की प्रोडक्शन फिल्म आर्टिकल 370 में देखा गया था। आदित्य सुहास जांभले द्वारा निर्देशित राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म में प्रियामणि, स्कंद ठाकुर, अश्विनी कौल, वैभव तत्ववादी, अरुण गोविल और किरण करमरकर भी थे।उनकी अगली फिल्म धूम धाम पाइपलाइन में है।

अनस्क्रिप्टेड रियलिटी सीरीज द ट्राइब का ट्रेलर रिलीज

भारत में दर्शकों के मनोरंजन के सबसे पसंदीदा डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो, ने आज अपनी आगामी ओरिजिनल रियलिटी सीरीज द ट्राइब के रोमांचक ट्रेलर को रिली किया। ये 9 एपिसोड की अनस्क्रिप्टेड सीरीज है जिसे धर्माटिक एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन में बनाई गई है। इस सीरीज के प्रोड्यूसर करण जौहर, अपूर्व मेहता, और अनीशा बेग हैं।द ट्राइब में पांच ग्लैमरस युवाओं को दिखाआ जाएगा जो फेमस कंटेंट क्रिएटर्स हैं। इसमें अलाना पांडे, अलविया जाफरी, सृष्टि पोरे, अर्याना गांधी, अल्फिया जाफरी, डिजिटल इवेंजिलिस्ट और इन्वेस्टर हार्दिक जावेरी को ध्यान में रखकर बनाया गया है। चलिए आपको इसके बारे में और बातें बताते हैं।प्राइम पर आने वाली इस सीरीज में इन व्यक्तियों की शानदार और बनावटी जिंदगी के पीछे की झलक को दिखाया जाता है। जब वे अपने परिवारों को छोड़कर अपनी आरामदायक जिदगी से बाहर निकलते हैं और अपने सपनों को पूरा करने के लिए लॉस एंजेलिस में बसने का फैसला करते हैं।द ट्राइब नाम का ये रियलिटी ड्रामा 4 अक्टूबर को हिंदी में अंग्रेजी सबटाइटल्स के साथ भारत और दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों में प्राइम वीडियो के जरिए देखा जा सकेगा। ग्लैमर, ड्रामा, दोस्ती और झगड़ों से भरपूर, लॉस एंजेलिस की चमक-दमक की एक झलक मेकर्स ने ट्रेलर के जरिए दिखाई है।इस सीरीज में ये दिखाया जाएगा कि सोशल मीडिया से जुड़े लोग जब दूसरों को इंफ्यूएंस करते हैं तो उनकी खुद की लाइफ पर क्या असर पड़ता है। हर पोस्ट असफलता और सफलता के साथ तनाव बढ़ता जाता है, तो द ट्राइब में यही दिखाया गया है कि सोशल मीडिया स्टारडम की चकाचौंध भरी दुनिया में क्या-क्या होता है लेकिन इसे मनोरंजक और रोमांचक तरीके से प्रस्तुत किया गया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक-दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी-कुछ करना चाहेंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है- इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे, आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख-दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते-फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक-सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर-सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वाद-विवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े-बुज़ुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 30 सितंबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 07:09 तक
नक्षत्र : मघा प्रातः 06:19 तक
योग : शुभ रात्रि 01:17 तक
करण : वणिज रात्रि 07:09 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:05 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:10 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:02 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 05:57 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- त्रयोदशी श्राद्ध ,
सोम प्रदोष व्रत , मासिक शिवरात्रि व्रत , गण्डमूल प्रातः 06:19 तक ,
युगादि तिथि , भद्रा रात्रि 07:07 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232,
Chidamber011@gmail.com

पूर्व सीएम हुड्डा पर भड़के नायब सैनी, बोले

कांग्रेस में भर्ती रोको गैंग, जयराम रमेश को बताया मास्टरमाइंड

चंडीगढ़, 29 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव का प्रचार प्रसार चरम पर है। सभी दलों के बड़े नेता हरियाणा की धरती पर डेरा जमाए हुए हैं। रोजाना रैलियां व जनसभाएं की जा रही हैं। सभी दलों के निशाने पर विरोधी दल के नेता हैं। नेता एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। इसी बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। नायब सैनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस और पूर्व मुख्यंत्री दीपेंद्र सिंह हुड्डा, जयराम रमेश सहित अन्य कांग्रेस नेताओं पर भी जमकर निशाना साधा है।

नायब सिंह सैनी ने पोस्ट पर कहा कि कांग्रेस ने हरियाणा में जो सबसे बड़ा पाप किया है वो प्रदेश के युवाओं के साथ किया है। सैनी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर आरोप लगाया है कि हुड्डा पिता-पुत्र जब 10 साल तक सत्ता में थे तब उन्होंने हरियाणा के युवाओं को नौकरी नहीं दी। सिर्फ पर्ची खर्ची वालों को ही नौकरियां मिली। साल 2014 के बाद भारतीय जनता पार्टी ने जब मैरिट पर नौकरियां देनी शुरू की तो कांग्रेस के पेट में मरोड़ शुरू हो गई। सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने अघोषित तौर पर पार्टी के अंदर एक भर्ती रोको प्रकोष्ठ बनाया है, जो आगे चलकर भर्ती रोको गैंग के तौर पर कुख्यात हुआ। इस भर्ती रोको गैंग ने कानूनी दांव-पेंच अपना कर युवाओं की नौकरियां को अटकाने और भटकाने का काम किया। इस भर्ती रोको गैंग का सिर्फ एक ही लक्ष्य था कि किसी भी तरह हरियाणा में योग्यता के आधार पर भर्तियां न हो पाएं। इस गैंग के कारनामों की वजह से पता नहीं कितने युवाओं के सपने धरे के धरे रह गए, सरकारी नौकरी करने की उनकी उम्र निकल गई। कांग्रेस पार्टी ने एक कुंठित और पराजित राजनीतिक दल की तरह इन युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया।

नायब सैनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के इस भर्ती रोको गैंग के साथ संघर्ष करके 1 लाख 46 हजार युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरी दी। 25 हजार नौकरियां बिल्कुल मिलने ही वाली थी कि ये कांग्रेस के नेता और राहुल गांधी के सलाहकार जयराम रमेश चुनाव आयोग चले गए और भर्तियां रुकवा दीं। इससे कांग्रेस का चाल, चरित्र और चेहरा साफ हो गया है। कांग्रेस कह रही है कि अगर गलती से भी सत्ता में आ गई तो सरकारी नौकरियों में बंदरबांट करेगी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि सीएलयू गैंग के हिस्सेदार चाहे नीरज शर्मा, शमशेर गोगी या कुलदीप शर्मा हो या चाणक्य पंडित हो।

इनमें कोई 50 वोटों के बदले नौकरी बेच रहे हैं तो कोई खुला एलान कर रहा है कि पर्ची से नौकरी दूंगा और अपना घर भरूंगा। लेकिन, हरियाणा का स्वाभिमानी युवा कांग्रेस के इन खतरनाक इरादों को कभी पूरा नहीं होने देगा। ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

हरियाणा 10 वर्ष में काफी तेजी से विकसित हुआ : धामी

अलवर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि हरियाणा में पहले नौकरियों में, कामों में बंदर बाट होती थी, घोटाले होते थे, लेकिन अब हरियाणा 10 वर्ष में विकसित हुआ है। देहरादून से रविवार को यहां पहुंचे श्री धामी ने भिवाड़ी स्थित काली खोड़ में बाबा मोहन राम मंदिर में दर्शन किए। इस मौके पर उन्होंने पत्रकारों से कहा कि हरियाणा में विपक्षी उम्मीदवार खुद कह रहे हैं कि वे जीते तो अपने रिश्तेदारों और कार्यकर्ताओं को नौकरी लगवायेंगे। कांग्रेस ने हमेशा यही किया है। उन्होंने कहा कि सरकार कोई भी हो, सरकार आमजन की होती है और इस तरीके का रवैया सरकार की निष्पक्षता पर सवाल उठाता है।

श्री धामी ने कहा कि पिछले 10 वर्ष में हरियाणा का काफी विकास हुआ है। एलिवेटेड रोड हो, एक्सप्रेस वे हो, औद्योगिक क्षेत्र का विकास हो, घर-घर पानी की योजना हो और पारदर्शिता से नौजवानों को नौकरी का मामला हो। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने सभी काम किए हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भाजपा से किसानों की कोई नाराजगी नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों को 24 फसलों पर अधिकतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दी हुई है जबकि पहले आठ फसलों पर एमएसपी दी जाती थी।श्री धामी ने कहा कि किसानों की आय दुगुनी करने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी में बागियों की संख्या अधिक होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है और ऐसे छोटे-मोटे मामले होते रहते हैं। जो भी कार्यकर्ता होता है तो उसके मन में यह रहता है कि वह भी चुनाव लड़े। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाएं और हरियाणा सरकार की विकासशील योजनाओं को देखते हुए और राज्य सरकार के अच्छे कार्यों को लेकर हरियाणा में तीसरी बार भी भाजपा की ही सरकार बनेगी।

लेपर्ड के हमले से महिला की मौत, अब तक पांच लोगों का कर चुका शिकार

उदयपुर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में उदयपुर जिले के गोगुन्दा थाना क्षेत्र के गुर्जरों का गुडा गांव में लेपर्ड के हमलें में एक और महिला की मौत हो गई, इस क्षेत्र में पिछले पन्द्रह दिनों में लेपर्ड हमले की यह पांचवीं मौत है।

पुलिस ने बताया कि गुर्जरों का गुडा निवासी गटुबाई गुर्जर (55 वर्ष) कल शाम को अपने मकान के समीप बैठी थी तभी अचानक पैंथर ने उस पर हमला कर दिया और उसे उठा ले गया। महिला का पति मोतीलाल मजदूरी करने के बाद शाम को घर पहुंचा तो उसकी पत्नी नहीं मिली। उसके बाद ग्रामीणों के साथ उसकी तलाश की तो मकान से करीब आधा किलोमीटर दूर जंगल में महिला का क्षत विक्षप्त शव मिला।

घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे तहसीलदार ओमसिह लखावत, थानाधिकारी शैतानसिंह नाथावत ने शव को कब्जे कर गोगुन्दा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में लेपर्ड का आतंक है। पिछले एक सप्ताह में लपर्ड की शिकार की यह पांचवी घटना है। अब तक चार लोगों को लेपर्ड मौत के घाट उतार चुका है।

बुजुर्गों, दिव्यांगों के लिए घर से मतदान की प्रक्रिया आज होगी पूरी

चंडीगढ़, 29 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं, जिन्होंने घर से मतदान करने का विकल्प चुना है, की मतदान प्रक्रिया सोमवार को पूरी हो जाएगी।

यह जानकारी मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि घर से मतदान के लिए आवेदन के बाद चुनाव

अधिकारियों के अनुमोदन करने पर 9596 बुजुर्ग मतदाताओं और 2600 दिव्यांग मतदाताओं को घर से मतदान की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव के लिए पांच अक्तूबर को होने वाले मतदान के लिए 20632 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 144 आदर्श मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। 115 मतदान केंद्र ऐसे हैं जो पूरी तरह से महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित किए जाएंगे। इसके अलावा, 114 मतदान केंद्र यूथ कर्मचारियों तथा 87 मतदान केंद्र दिव्यांग कर्मचारियों द्वारा संचालित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मतदान के दिन सभी केंद्रों की वेबकास्टिंग की जाएगी।

श्री अग्रवाल ने कहा कि इन चुनावों के लिए रिजवर्ड ईवीएम सहित कुल 27,866 ईवीएम (बैलेट यूनिट) का उपयोग होगा। इसके साथ ही, 24,719 कंट्रोल यूनिट तथा 26,774 वीवीपैट मशीनों का उपयोग किया जाएगा। वीवीपैट में मतदाता अपने द्वारा दिए गए वोट को देख सकता है। उन्होंने कहा कि चुनावों में सुरक्षा की दृष्टि से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 225 कंपनियों की तैनाती की जा चुकी है। इसके अलावा, फ्लाइंग स्क्वॉड की 500 टीमें तथा 461 स्टेट सर्विलांस टीमें भी तैनात हैं।

सभी मीडिया माध्यमों पर चुनाव आयोग की पैनी नजर : सिंह

सिरसा, 29 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा आम चुनाव 2024 के दौरान सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स हेंडल आदि का राजनीतिक दल और प्रत्याशियों को सावधानी के साथ प्रयोग करना होगा। चुनाव के दौरान सोशल मीडिया सहित सभी मीडिया माध्यमों पर जारी होने वाली हर सूचना पर चुनाव आयोग की पैनी नजर है।

खर्च पर्यवेक्षक विजय सिंह ने बताया कि चुनाव आयोग ने इस बार विधानसभा आम चुनाव में सोशल मीडिया की बढ़ती उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए जिला से लेकर प्रदेश स्तर पर इसकी मॉनिटरिंग के लिए टीम गठित की है। टीम न केवल जारी सूचना की जांच कर रही हैं, बल्कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होने पर कार्रवाई भी करेगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी तरह का अनर्गल पोस्ट करने से बचें।

श्री सिंह ने बताया कि चुनाव आयोग व जिला प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया के जरिए आने वाली भ्रामक खबरों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। इसके दायरे में यूट्यूब चैनल के माध्यम से आने वाली खबरें भी आएंगी। इसके लिए आयोग ने विशेषज्ञ टीम तैयार की है जिसमें आईटी से जुड़े लोग, मीडिया क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी शामिल हैं। विभिन्न समाचार चैनल और अखबारों में आने वाली खबरें भी इसके दायरे में है। हर दिन जिला स्तर पर अखबार और टीवी चैनल में प्रकाशित खबरों की समीक्षा भी की जा रही है। अगर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का कोई मामला नजर में आएगा तो शोकॉज के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि आईटी अधिनियम की धारा 69 और 79 (3) के तहत फर्जी सोशल मीडिया पोस्ट को हटाने का अधिकार चुनाव आयोग को है।

भाजपा हरियाणा में तीसरी बार भी बनाएगी सरकार : पूनियां

रोहतक, 29 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हरियाणा प्रभारी एवं राजस्थान में पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने दावा किया है कि हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है।डा. पूनियां ने रविवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के बाद मीडिया से बातचीत में यह दावा किया। उन्होंने कहा कि पहले हरियाणा में भाजपा गठबंधन के साथ चंद सीटों के साथ थी और वर्ष 2014 में वह जनता की पसंद बनी और इसके बाद वर्ष 2019 में भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में आकर फिर सरकार बनाई और पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भाजपा सरकार ने हरियाणा में विकास के मार्ग खोले हैं, सभी क्षेत्र में देश की तरक्की के रास्ते खोले, युवाओं को बिना पर्ची-खर्ची नौकरी दी गई। कांग्रेस शासन में भ्रष्टाचार की चर्चा सड़कों पर होती थी लेकिन गत दस वर्षों में भाजपा ने एक पारदर्शी सरकार दी है।

डॉ. पूनियां ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की योजनाओं का लाभ भी हरियाणा की जनता को मिला है। जिस प्रकार से कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में भ्रम फैलाने की कोशिश की लेकिन आज वह स्थिति साफ हो गई है और जनता कांग्रेस के झूठ को पहचान चुकी है। हरियाणा की जनता देश के मिजाज से मेल खाती है और वह नेशनल एजेंडे पर वोट करती हैं और जनता भाजपा के पक्ष में हैं। उन्होंने श्री मोदी की सोच जोड़ने की बताते हुए कहा कि उनकी विकास के जरिये भारत को आगे बढ़ाने की सोच है।

जजपा- असपा ने 112 वायदों के साथ जारी किया चुनावी घोषणपत्र

चंडीगढ़, 29 सितंबर (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी (जजपा) और आजाद समाज पार्टी (असपा) गठबंधन ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए 112 वायदों के साथ घोषणापत्र जन सेवा पत्र रविवार को जारी किया। घोषणापत्र सिरसा में जारी किया गया और इस अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और चंद्रशेखर आजाद मौजूद थे।

घोषणापत्र में हरियाणा में उत्पादित हर फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने, फसल को नुकसान पहुंचने की सूरत में 25000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने समेत किसानों के लिए वायदे हैं तो प्रदेशवासियों को निजी नौकरियों में 75 फीसदी आरक्षण की सुप्रीम कोर्ट में जोरदार पैरवी करने, बेरोजगार युवाओं को 11000 रुपये बेरोजगारी भत्ता देने, हर जिले में औद्योगिक इलाके बनाने ताकि हर जिले में एक लाख नौकरियां दी जा सकें, अग्निवीरों की उच्च शिक्षा के लिए प्रावधान करने समेत वायदे हैं।

एक लाख महिलाओं को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं के लिए शैक्षणिक नौकरियों में 50 फीसदी आरक्षण, प्यारी बहना योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को 5000 रुपये प्रति महीने, आशा और आंगनवाड़ी कर्मियों का पारिश्रमिक 21000 प्रति माह करने जैसे वायदे हैं। पिछड़ों के लिए अंबेडकर भवन बनाने, हर उपमंडल में अंबेडकर हॉस्टल बनाने, अंबेडकर आवास योजना के तहत प्लॉट व निर्माण राशि देने और ए व बी श्रेणी की नौकरियों व पदोन्नति में आरक्षण समेत वायदे हैं।

इसके अलावा हिसार में फिल्म सिटी बनाने समेत प्रदेश के विकास के वायदे हैं। बुजुर्गों को जजपा-असपा सरकार बनने के 24 घंटे के भीतर 5100 रुपये पेंशन, पुरानी पेंशन योजना बहाल करमे कैसे वादे हैं।

बांस की खेती बदल सकती है पश्चिमी राजस्थान की तस्वीर

बीकानेर, 29 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में रेगिस्तान के शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र में बांस की खेती का प्रयोग सफल रहा तो पश्चिमी राजस्थान की तस्वीर बदल सकती है। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कृषि वैज्ञानिकों ने रेगिस्तानी क्षेत्र में बांस की खेती की संभावनाएं तलाशते हुए प्रयोग के तौर पर ढाई महीने पहले बांस की 11 विभिन्न प्रजातियों के करीब 200 पौधे लगाए। इसके शुरुआती नतीजे उत्साहवर्द्धक मिले हैं, बांस के पौधों के आकार में अच्छी वृद्धि देखी जा रही है।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने रविवार को बताया कि कृषि महाविद्यालय बीकानेर ने राष्ट्रीय बांस अभियान के तहत शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बांस एक प्रारंभिक प्रयास परियोजना केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय को भेजी थी। इस परियोजना का भारत सरकार से अनुमोदन मिलने पर गुजरात के नवसारी कृषि विश्वविद्यालय और देहरादून के भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान से बांस की 11 विभिन्न प्रजातियों के करीब 200 पौधे मंगवाकर यहां लगाये गये।

उन्होंने बताया कि कुल 47 लाख रुपये की बांस परियोजना का उद्देश्य पश्चिमी राजस्थान की शुष्क जलवायु में बांस की वृद्धि और उत्पादन का अध्ययन करना है। साथ ही शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र में उपयुक्त बांस प्रजातियों की पहचान करना है जो इस क्षेत्र की जलवायु एवं मृदा के उपयुक्त हो। यह भी देखा जाएगा कि पौधों के बीच आपसी दूरी कितनी रखी जाए कि पौधे में अधिक से अधिक वृद्धि हो और किसान की आय बढ़े। डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि बांस की खेती किसानों को आर्थिक दृष्टि से भी फायदेमंद रहेगी। बांस से हस्तशिल्प (चटाई, टोकरी, उपकरण, खिलौने एवं बर्तन) का सामान और फर्नीचर आदि बनाये जाते हैं। इसके उत्पादों में मूल्य संवर्धन से किसानों को अतिरिक्त आय होगी। उन्होंने बताया कि बांस पर्यावरण प्रदूषण को भी कम करता है। साथ ही जल स्तर बढ़ाने में सहायक है। मिट्टी की जल धारण क्षमता भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि बांस की खेती भविष्य में पश्चिमी राजस्थान के किसानों की आर्थिक उन्नति का कारण बनेगी।

कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता और उद्यान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पीके यादव ने बताया कि बांस की खेती राजस्थान के लिए नयी नहीं है। बांसवाड़ा में बांस की खेती पहले से होती आ रही है, लेकिन पश्चिमी राजस्थान की शुष्क जलवायु और कम पानी में बांस की कौन सी प्रजाति आसानी से उगाई जा सकती है, इसकी संभावनायें तलाशी जा रही हैं। शुष्क क्षेत्र में बांस जैसी नयी फसल स्थापित होने से किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकेगी। डॉ. यादव ने बताया कि बांस एक बहूपयोगी, मजबूत, नवीकरणीय और पर्यावरणानुकूल और पृथ्वी पर सबसे तेजी से बढ़ने वाला काष्ठीय पौधा है। पूरे जीवन में यह 25 मीटर या उससे अधिक की लंबाई तक बढ़ता है। बांस को हर वर्ष पुनः लगाने की आवश्यकता नहीं होती। तीन से पांच वर्ष के चक्र में स्थायी रूप से काटा जा सकता है। बांस अविकसित और खराब भूमि, ऊँचे भूभाग, खेत की मेड़ों एवं नदी किनारों पर भी उगाया जा सकता है और इसकी फसल में कम पानी की जरूरत पड़ती है। कृषि विश्वविद्यालय में भी बूंद बूंद सिंचाई प्रणाली के जरिए इसमें सिंचाई की जा रही है।

उन्होंने बताया कि तीन वर्षीय कार्ययोजना के तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाली बांस प्रजाति का चयन और उनका नर्सरी में बड़े पैमाने पर गुणन किया जाएगा। साथ ही किसानों एवं अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण, किसानों के खेत में बांस का प्रदर्शन इकाई स्थापित करना और बेहतर प्रदर्शन करने वाली बांस प्रजातियों का किसानों के खेत में रोपण किया जाएगा। डा. यादव ने बताया कि बांस के उत्पादन में असम देश का सबसे बड़ा बांस उत्पादक राज्य है। चीन के बाद भारत बांस का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। राजस्थान में इसका उत्पादन उदयपुर जिले में होता है। असम में बांस प्रौद्योगिकी पार्क भी है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

पुरखों को मोक्ष दिलाने को विदेशी तीर्थयात्री पहुंचे गयाजी, आज करेंगे पिंडदान

गया (एजेंसियां)। गया के गयाजी धाम में सनातन धर्म के लोगों का पितृपक्ष मेला चरम पर है। बीते 17 सितंबर से भगवान विष्णु की मोक्ष नगरी गयाजी में मेले की धूम है। देश-दुनिया के कोने-कोने से प्रतिदिन भारी संख्या में सनातनी अपने पुरखों का पिंडदान करने के लिए गया धाम आ रहे हैं। अब तक करीब 10 लाख तीर्थयात्री गयाजी आ चुके है। साथ ही पिंडवेदियों के आने का सिलसिला जारी है। इस बीच सात समुंदर पार से विदेशी तीर्थयात्री भी अपने पुरखों का पिंडदान करने के लिए शनिवार की रात गया पहुंचे। विदेशी तीर्थयात्री भगवान शिव की नगरी वाराणसी होते हुए भगवान विष्णु की नगरी मोक्ष धाम गयाजी पहुंचे हैं।

जानकारी के मुताबिक, विदेश से कुल आठ की संख्या में तीर्थयात्री गयाजी आए हैं। सभी विदेशी तीर्थयात्री अलग-अलग

अलग देश के हैं। गयाजी पहुंचने के बाद विदेशी तीर्थयात्रियों ने शनिवार की रात विष्णुपद, देव-घाट और सीताकुंड परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान बारिश होती रही, लेकिन बीच विदेशी तीर्थयात्री घूमते रहे।

बताया जा रहा है कि विदेशी तीर्थयात्रियों में महिलाएं साड़ी पहनी हुई थीं। वे माथे से आंचल को गिरने नहीं दे रहीं थीं। इस दौरान वे काफी उत्सुक और जिज्ञासु भी नजर आ रहीं थीं। बताया जा रहा है कि विदेशी तीर्थयात्रियों के समूह में रूस, यूक्रेन और अफ्रीका के लोग हैं, जो अपने पुरखों का पिंडदान करेंगे। सोमवार को विदेशी श्रद्धालु देवघाट पर पूर्वजों के निमित्त कर्मकांड करेंगे। इससे पहले वे रविवार को बोधगया जाएंगे और भगवान बुद्ध के दर्शन करेंगे। अगले दिन सोमवार को भगवान श्री हरि विष्णु के चरणों में नतमस्तक होंगे। इन विदेशी तीर्थयात्रियों के पूर्वजों का अर्पण तर्पण और श्राद्ध से जुड़े कर्मकांड को आचार्य लोकनाथ गौड़ कराएंगे। जबकि इनके पंडा गजाधर लाल धोकड़ी होंगे।

आचार्य लोकनाथ गौड़ ने बताया कि सभी विदेशी श्रद्धालु गया धाम पहुंच चुके हैं। उनके पुरखों के पिंडदान और श्राद्धकर्म की तैयारी की जा रही है। सोमवार को देवघाट, विष्णुपद, अक्षयवट और सीताकुंड पिंडवेदी पर पिंडदान होगा। जब यह पूछा गया कि विदेशी तीर्थयात्री सभी ईसाई हैं, फिर क्यों सनातन धर्म के अनुसार पिंडदान करने क्यों आए हैं?

उन्होंने कहा कि सभी सनातन धर्म से प्रभावित हैं और उन्होंने अपने पूर्वजों का पिंडदान करने की इच्छा जाहिर की थी। उसे पूरा करने के लिए आज गयाजी पहुंचे है। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष मेला के दौरान इनके अलावा भी अलग-अलग देशों से विदेशी अपने पुरखों का पिंडदान करने गया धाम आ रहे हैं।

होमगार्ड के बेटे का शव बरामद, मौके से रोटी, मुर्गा और प्लास्टिक ग्लास मिले

हत्या की आशंका

मुंगेर (एजेंसियां)। मुंगेर जिले के हसनगंज स्थित एक प्राइवेट आईटीआई कॉलेज के पास होमगार्ड के बेटे का शव संदिग्ध अवस्था में बरामद किया गया। ग्रामीणों ने सुबह शव देखा और तुरंत परिजनों को सूचित किया। मृतक की पहचान कासिम बाजार थानाक्षेत्र के हेरु दियारा शिवनगर निवासी अरुण यादव के बेटे सम्राट कुमार उर्फ़ राजा यादव (23) के रूप में हुई है। इसके बाद गुस्साए परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने मुंगेर-हेरुदियार मुख्य मार्ग को शिबवनगर के पास जाम कर दिया।

मृतक के पिता अरुण यादव ने आरोप लगाया कि सम्राट की हत्या गांव के ही कुछ लोगों द्वारा की गई है। उन्होंने बताया कि उनके बेटे और गांव के दिवंगत सहदेव यादव के बेटे दिलीप यादव और भूसा यादव के बीच जमीन के विवाद के चलते यह घटना हुई है। अरुण यादव ने कहा कि उनके बेटे को दिलीप और भूसा यादव ने जान से मारने की धमकी दी थी, जब वह गांव में

एक पुल की सफाई के दौरान मौके पर गया था।

घटना की जानकारी मिलते ही कासिम बाजार थाना पुलिस और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझा-बुझाकर सड़क जाम हटवाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने मृतक के पिता के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। कासिम बाजार थाना प्रभारी रूबिकांत कश्यप ने बताया कि परिजनों के आरोपों की गंभीरता से जांच की जा रही है। घटनास्थल से कुछ दूरी पर एक नवनिर्मित मकान से रोटी, मुर्गा और प्लास्टिक के गिलास बरामद हुए हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि वहां रात में पार्टी हुई थी। पुलिस इस दिशा में जांच कर रही है कि कहीं यह हत्या किसी साजिश का हिस्सा तो नहीं है।

मृतक के पिता अरुण यादव ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे को दिलीप यादव, भूसा यादव और पुलिस की मिलीभगत से खिला-पिलाकर हत्या कर दी गई और शव को आईटीआई कॉलेज के पास फ़ेंक दिया गया। परिजनों का कहना है कि यह हत्या किसी साजिश के तहत की गई है और इसमें कई लोग शामिल हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और सभी संदिग्ध पहलुओं की छानबीन की जा रही है। डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम भी मौके पर जांच कर रही है, ताकि हत्या के पीछे की सच्चाई का पता लगाया जा सके।

छह सेकंड में बह गया मस्जिद का ढांचा

बिहार के पूर्णिया में दिख रही कनकई नदी बाढ़ की तबाही

पटना (एजेंसियां)। पूर्णिया में लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश से जिले की नदियां उफान पर हैं। बायसी में बहने वाली महानंदा, कनकई और परमान जैसी नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। यहां हालत भयावह हैं। बायसी प्रखंड के ताराबाड़ी में कटाव ने भयावह रूप ले लिया है। यहां एक मस्जिद का ढांचा कनकई नदी में समा गया। इस घटना का 28 सेकेंड का लाइव वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि कैसे मस्जिद का ढांचा महज चंद सेकेंड में नदी में समा गया।

वीडियो बायसी के ताराबाड़ी पंचायत के पश्चिम टोला के ताराबाड़ी की है। यहां कनककई नदी की लहरों ने जमीन को अंदर ही अंदर इस कदर काटा कि महज सात सेकेंड के भीतर मस्जिद का एक ढांचा कनकई की कोख में समा गया। 28 सेकेंड के इस वीडियो में कनकई नदी के कहर से डरे सहमे तीन बच्चे और एक नवयुवक को नदी के एक किनारे से घरों में भागते और छिपते देखा जा सकता है। वीडियो में साफ़ देखा जा सकता है कि कनकई की तेज बहाव मस्जिद के ढांचे की सतह से आकर टकराती है, जिसके बाद देखते ही देखते ये ढांचा चंद सेकेंड में कनकई की लहरों में जल समाधि ले लेता है।

वीडियो के सातवें सेकेंड पर ढांचे में हलचल दिखाई देती है और फ़िर महज चंद सेकेंड में ये ढांचा भर भराकर पानी में समा जाता है। वीडियो के 14वें से 20वें सेकेंड पर ये ढांचा पूरी तरह पानी में विलीन हो जाता है। इस वीडियो में समूचे घटनाक्रम से सहमे कुछ ग्रामीणों की हलचल देखी जा सकती है।कनकई नदी से लगे ताराबाड़ी गांव की कई और तस्वीरें सामने आई हैं। इसमें कनकई नदी को जमीन के हिस्से को निगलते और कुछ लोगों को कटाव के डर से अपने हाथों से आशियाने उजाड़ते देखा जा सकता है।

ताराबाड़ी पंचायत के पश्चिम टोला ताराबाड़ी में कनकई नदी में मस्जिद ही नहीं बल्कि अब तक आठ घर कनकई की लहरों में जलसमाधि ले चुके हैं। वहीं अब इस गांव के दर्जनों घरों पर कटाव का खतरा मंडरा रहा है। कटाव पीड़ितों में हाफ़िज अब्दुल वली, मोलवी मुन्ना, मुश्ताक आलम, आबिद हुसेन, रजी अहमद, सबर, मरगुब आलम समेत एक अन्य शामिल हैं। कटाव की जद में इनका घर विलिन हो गया है।वहीं कनकई नदी के कटाव से डरे सहमे ग्रामीण रतजगा कर रहे हैं। वहीं कई लोग गांव छोड़कर दूसरे जगह शरण ले रहे हैं ।

बेगूसराय मंडल कारा में विचाराधीन कैदी ने की आत्महत्या, जेल प्रशासन में खलबली

बेगूसराय (एजेंसियां)। बेगूसराय के मंडल कारा में शुक्रवार को एक विचाराधीन कैदी ने गले में फ़ंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना ने जेल प्रशासन की कैदियों की सुरक्षा व्यवस्था और देखरेख पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आत्महत्या की यह घटना न केवल जेल प्रशासन में हड़कंप मचा गई है, बल्कि शहर और कैदियों के बीच भी चर्चा का विषय बन गई है।

जानकारी के मुताबिक, मृत कैदी की पहचान बेगूसराय जिले के बखरी थानाक्षेत्र के घाघरा निवासी परमानंद तांती के बेटे रणवीर कुमार तांती के रूप में हुई है। रणवीर और उसकी मां, 14 अगस्त 2024 से जेल में बंद थे। उन दोनों पर प्रेम प्रसंग और अपहरण के आरोप के साथ-साथ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। बताया

जा रहा है कि रणवीर ने जेल की खिड़की में फ़ंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

जानकारी के अनुसार, रणवीर ने शुक्रवार रात को जेल के भीतर खिड़की में फ़ंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना कैसे घटित हुई, इस पर अभी कई सवाल उठाए जा रहे हैं, खासकर कैदियों की सुरक्षा और निगरानी को लेकर। जेल प्रशासन के अनुसार, कैदी ने अपने आवेश में आकर यह कदम उठाया, लेकिन इस घटना की सटीक वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है।

रणवीर के परिजनों ने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उन्हें रणवीर की मौत की सूचना बहुत देर से दी गई। बिना उनकी सहमति के जल्दबाजी में पोस्टमार्टम कर शव उनके घर पहुंचा दिया गया। परिजनों का आरोप है कि रणवीर की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या है और इसमें जेल प्रशासन की मिलीभगत हो सकती है। उनका कहना है कि जेल प्रशासन द्वारा सही समय पर सूचना नहीं दी गई और पूरी प्रक्रिया को छिपाने की कोशिश की गई है।

जेल अधीक्षक ने बताया कि रणवीर और उसकी मां को प्रेम प्रसंग से जुड़े एक अपहरण और आर्म्स एक्ट के मामले में गिरफ्तार किया गया था। तब से वे दोनों जेल में बंद थे। उन्होंने कहा कि कैदी ने मौका पाकर खिड़की में फ़ंदा लगा लिया, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जेल प्रशासन ने शव को कब्जे में लेकर तुरंत पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया।

घटना के बाद जेल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन का कहना है कि आत्महत्या की सटीक वजह का पता लगाने के लिए गहन जांच की जा रही है। वहीं, जेल में सुरक्षा व्यवस्था और कैदियों की देखरेख को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं, जिनका जवाब प्रशासन को देना पड़ेगा।

रणवीर के परिजनों ने इस घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है और दोषियों को सजा दिलाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि रणवीर की मौत के पीछे साजिश हो सकती है और इस मामले में निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इस घटना के बाद समाज में जेल प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। कैदियों की सुरक्षा और निगरानी को लेकर प्रशासन की लापरवाही को लेकर भी बहस छिड़ी हुई है। ऐसी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि जेल में कैदियों की मानसिक स्थिति और उनके देखभाल पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

पप्पू यादव से मिलने पहुंचे खान सर और मंत्री सुमित सिंह

मेरी दुनिया ही उजड़ गई : सांसद

पटना (एजेंसियां)। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के पिता की स्मृति में आज (29 सितंबर) यानी रविवार को प्रार्थना सभा का आयोजन होना है। सभा रंगभूमि मैदान में सुबह के 10 बजे से शुरू होगा, जो अतिथियों के आगमन तक चलेगा। प्रार्थना सभा

में राजनीतिक गलियारों के कई बड़े चेहरे शामिल होंगे। प्रार्थना सभा और शांतिभोज के लिए एक लाख से अधिक लोगों के लिए व्यवस्था की गई है। रविवार को होने वाले प्रार्थना सभा और शांति भोज से ठीक पहले प्रसिद्ध शिक्षक खान सर, मंत्री सुमित कुमार सिंह समेत कई बड़े नेता पूर्णिया सांसद से मुलाकात करने पहुंचे। सांसद के पिता के तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

खान सर के अलावा एमएलसी कुमार नागेंद्र उर्फ रिंकू यादव, हम पार्टी के प्रवक्ता दानिश रिजवान, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक कोटे के पूर्व अध्यक्ष मिन्नत रहमानी और लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के नेता सौरभ पाण्डेय भी अर्जुन भवन स्थित सांसद कार्यालय पहुंचे। वह करीब एक घटे तक अर्जुन आवास पर रहे। पिता के निधन पर शोक संवेदना जाहिर करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।

यूपी की बस बिहार में ट्रक से टकराई, तीन की मौत, 11 घायल

पटना (एजेंसियां)। कैमूर में भीषण सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश के तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना मोहनिया थाना क्षेत्र के बरहुली गांव के पास हुई। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से 14 लोग पिंडदान करने गया पहुंचे थे। पिंडदान कर वापस लौटने के दौरान उनकी बस खड़े ट्रक से टकरा गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

सभी घायल को उपचार के लिए स्थानीय पुलिस और एनएचआई द्वारा अनुमंडल अस्पताल मोहनिया भिजवाया गया। चिकित्सकों की देखरेख में उपचार चल रहा है। इसमें तीन की हालत नाजुक बनी हुई है। मृतकों में बस का खलासी, पंडा और एक यात्री शामिल हैं। सभी लोग बस में सवार होकर गया से पिंडदान कर वापस उत्तर प्रदेश के विध्यांचल जा रहे थे। बस सवार सभी यात्री उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के रहने वाले हैं। जानकारी देते हुए एनएचआई की मेडिकल टीम देवेंद्र कुमार पाठक ने बताया कि तरफ से आ रही तीर्थ यात्रियों की बस सामने खड़े ट्रक में टकरा गई है। चालक में नींद में होने के कारण हादसा होना प्रतीत हो रहा है।

लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस को डिरेल करने की साजिश, चालक की सूझ-बूझ से टला हादसा

पटना (एजेंसियां)। लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस को डिरेल करने की साजिश का खुलासा हुआ है। शनिवार को बलिया-छपरा रेलखंड के मांझी रेल पुल के पास रेलवे ट्रैक पर पत्थर रख बदमाशों ने लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस को डिरेल करने की कोशिश की। चालक की सूझबूझ से बड़ी घटना होने से बच गई। मामले की खबर लगते ही रेलवे महकमे में खलबली मच गई।

बताते चलें कि ट्रेन अपने नियत समय से सुरेमनपुर से छपरा के लिए लिए निकली थी,

चालक को मांझी पुल के पहले सुबह 10.20 बजे बकुल्हा-मांझी के मध्य किमी 18-10 पर ट्रैक पर बड़ा पत्थर रखा हुआ दिखाई दिया, अचानक ट्रैक पर बड़ा पत्थर देख चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी। जिससे यात्रियों में खलबली मच गई। इमरजेंसी ब्रेक लगने से इंजन का सेफ्टी गार्ड क्षतिग्रस्त हो गया। चालक, गार्ड व यात्रियों ने पत्थर को हटाया और ट्रेन को आगे बढ़ाया गया। मांझी स्टेशन पहुंकर स्टेशन मास्टर रंजन कुमार को मेमो उपलब्ध कराया गया जिनके माध्यम से घटना की सूचना कंट्रोल को दी गई।

सूचना के बाद छपरा, बलिया, वाराणसी व गोरखपुर के सुरक्षा अधिकारी व इंजीनियरों की टीम कुछ घंटे में मौके पर पहुंच गई, इसके साथ ही सीओ आरपीएफ, आरपीएफ प्रभारी बीके सिंह, छपरा प्रभारी और क्षेत्राधिकारी बैरिया मो.उस्मान, थाना प्रभारी बैरिया रामायण सिंह दलबल के साथ पहुंचे और जांच पड़ताल में जुट गए। वाराणसी व जिला पुलिस की स्पेशल टीम ट्रैक पर पत्थर रखने वालों की तलाश में जुटी है। रेलवे पीआरओ अशोक कुमार की मानें तो मामले की जांच की जा रही है परिचालन में कोई समस्या नहीं है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथ 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com